हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 11.06.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 314 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

नेहरू से आगे निकले मोदी, चारों धामों में हुई पूजा: लगातार सबसे लंबे समय तक इलेक्टेड पीएम बने

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने ऐसा रिकॉर्ड बना दिया है, जिसे छूना किसी भी नेता के लिए एक ख्वाब जैसा होगा है। आजाद भारत में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री के पद पर बने रहने वाले पंडित जवाहर लाल नेहरू के रिकॉर्ड को नरेंद्र मोदी ने तोड़ दिया है।

26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री पद की कुर्सी पर विराजमान हुए और लगातार अपने कार्यकाल के 4,399 दिन पूरे कर लिए हैं। देश के पहले प्रधानमंत्री रहे पंडित जवाहरलाल नेहरू 1952 के बाद चुनी गई सरकार के तौर पर 4,398 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। इस तरह नरेंद्र मोदी ने देश के सबसे लंबे कार्यकाल तक पीएम रहने वाले नेता बन गए हैं।

पंडित जवाहर लाल नेहरू ने प्रधानमंत्री के तौर पर आजादी के बाद बिखरे हुए भारत को संस्थागत रूप दिया और राष्ट्र निर्माण का बीढ़ा उठाया था , जिसे नरेंद्र मोदी ने आगे बढ़ाते हुए विकसित भारत बनाने की आधार शिला रखी और 21वीं सदी के भारत को एक शक्ति के रूप में वैश्विक पटल पर खड़ा कर दिया है। देश और दुनिया के प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने 12 साल का सफर पूरा कर लिया है। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने आजाद भारत में संविधान लागू होने के बाद 13 मई 1952 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके बाद नेहरू लगातार 4397 दिन यानी 12 साल 14 दिन तक प्रधानमंत्री रहे थे। पीएम मोदी ने 9 जून को सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री का नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने 4398 दिन यानी 12 साल 15 दिन पूरे कर लिए हैं। पीएम मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार देश के प्रधानमंत्री के तौर पर की शपथ ली थी। इसके बाद 9 जून 2024 को ही उन्होंने एनडीए के तीसरे कार्यकाल में पीएम पद की शपथ ली थी और उनके सत्ता में सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं।

हालांकि, नेहरू 15 अगस्त 1947 को प्रधानमंत्री बने थे, लेकिन 1952 में लोकसभा चुनाव के पहले तक वो पांच साल अंतरिम सरकार के प्रमुख थे।

राष्ट्रसेवा और विकसित भारत के लिए नए जोश से काम जारी रखेगा एनडीए : प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि राजग राष्ट्र सेवा और विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए नए जोश के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। गठबंधन को सत्ता में आए हुए आज 12 वर्ष हो गए हैं।

केंद्र में राजग सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज भारत मंडपम, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में देशभर के गठबंधन से जुड़े नेताओं की बैठक हुई।

देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर आज भारत मंडपम में राजग नेताओं ने

प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। इस दौरान गठबंधन के नेताओं और राजग सरकारों के मुख्यमंत्रियों ने उन्हें उपहार देकर उनका अभिनंदन किया।

उन्होंने कहा, राजग की यात्रा राष्ट्रीय हित और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के साझा संकल्प से प्रेरित रही है। इस भावना ने हमारे लोकतंत्र को मजबूत किया है, सहकारी संघवाद को गहरा किया है और विकास को गति दी है। पिछले 12 वर्षों में, एनडीए ने एक स्थिर सरकार प्रदान की है जिसने सभी क्षेत्रों में प्रगति को आगे बढ़ाया है।

प्रधानमंत्री ने बैठक के बीच में ब्रेक के दौरान झालमुरी खाने से जुड़ी तस्वीरें भी साझा की हैं।

एक नजर

5000 रुपये घूस लेते रंगेहाथ पकड़ा गया मनरेगा जेई

देवघर : देवघर जिला में जूनियर इंजीनियर संतोष कुमार को 5 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है। संतोष प्रसाद करौ प्रखंड अंतर्गत डिंडाकोली पंचायत में मनरेगा योजना के अंतर्गत जूनियर इंजीनियर के रूप में पदस्थापित है। एसीबी ने यह कार्रवाई की है। डिंडाकोली गांव के ही 29 वर्षीय भीम कुमार राणा ने शिकायत दर्ज कराई थी। मिली जानकारी के मुताबिक भीम कुमार राणा को मनरेगा योजना के अंतर्गत उनकी ही जमीन पर ट्रेंच सह बांध निर्माण का काम आवंटित किया गया था। योजना की कुल लागत 45,379 रुपये थी। भीम कुमार राणा ने लिखित शिकायत में बताया कि योजना का 41,444 रुपया भुगतान किया जा चुका था। आरोप है कि योजना के फाइनल बिल की निकासी के लिए जूनियर इंजीनियर संतोष प्रसाद ने 7 हजार रुपये की रिश्वत मांगी।

उरी में विस्फोट इलाज के दौरान 2 जवानों ने तोड़ा दम

बारामूला : उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर के कमलकोट क्षेत्र में नियंत्रण रेखा के निकट मंगलवार शाम हुए एक आकस्मिक विस्फोट में भारतीय सेना के दो जवानों की मृत्यु हो गई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, विस्फोट में दोनों जवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें तत्काल बेहतर उपचार के लिए श्रीनगर स्थित सेना के 92 बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद दोनों जवानों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक जवानों की पहचान महाराष्ट्र के ऐरोली निवासी चव्हाण विक्रम बालकृष्ण तथा महाराष्ट्र के सतारा जिले की कराड तहसील के शाहपुर निवासी अर्जुन जाधव राजेंद्र के रूप में हुई है।

पीओके में गोली चलाने वाली पाक फौज का हेलीकॉप्टर क्रैश, 17 सैनिकों की मौत

मुजफ्फराबाद : पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जन आंदोलन को ताकत के दम पर कुचल रही पाकिस्तानी सेना को जोरदार झटका लगा है। बुधवार को मुजफ्फराबाद से उड़ान भरने के दौरान पाकिस्तानी सेना का एमआई-17 हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। पाकिस्तान सेना की तरफ से इस हादसे के लिए तकनीकी खराबी को जिम्मेदार ठहराया गया है। इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार सभी 17 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई है।

परिमल नाथवानी को चुनाव आयोग की हरी झंडी, कांग्रेस की आपत्तियां खारिज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड राज्यसभा चुनाव की दो सीटों के लिए नामांकन पत्रों की जांच के बाद निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी की उम्मीदवारी को मंजूरी मिल गई है। उनके नामांकन पत्र में कथित तौर पर तीन बिंदुओं पर आपत्तियां दर्ज की गई थीं, जिसके कारण विधानसभा प्रभारी सचिव एवं रिटर्निंग ऑफिसर रंजीत कुमार ने उनके नामांकन को फिलहाल होल्ड पर रखा था।

बाद में परिमल नाथवानी से संबंधित बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा गया। नाथवानी द्वारा दिए गए जवाबों से रिटर्निंग ऑफिसर संतुष्ट हुए, जिसके बाद उनके नामांकन पत्र को वैध घोषित कर दिया गया।

साथ ही कांग्रेस की ओर से उठाई गई आपत्तियों को भी खारिज कर दिया गया। अब चुनावी मैदान में तीन उम्मीदवार रह गए हैं। इनमें झामुमो उम्मीदवार बैद्यनाथ राम, कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा और भाजपा समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी शामिल हैं।

हालांकि यह ध्यान देने योग्य है कि विधायकों की खरीद-फरोख्त या हॉर्स ट्रेडिंग से जुड़े किसी भी दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

विधानसभा का गणित किसके पक्ष में?

राजनीतिक समीकरणों पर नजर डालें तो विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन के पास 56 विधायक हैं, जिसके आधार पर गठबंधन दोनों सीटें जीतने की स्थिति में दिखाई देता है। हालांकि नाथवानी के मैदान में उतरने से चुनावी मुकाबला रोचक हो गया है और क्रॉस वोटिंग की संभावनाओं को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं।

वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद पहुंचे रांची

नाथवानी के नामांकन को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि वह दिल्ली से रांची यह बताने और तर्क रखने आए थे कि कांग्रेस का मामला कितना मजबूत है, लेकिन जब वे करीब 12:30 बजे पहुंचे तब तक सुनवाई समाप्त हो चुकी थी। उनके अनुसार, अदालत ने कहा कि इस विषय पर पक्ष की बात पर्याप्त रूप से सुनी जा चुकी है।

नाथवानी की राह में बड़ी चुनौती

एनडीए के पास 24 विधायक हैं। ऐसे में नाथवानी को जीत के लिए अतिरिक्त वोटों की जरूरत होगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव परिणाम काफी हद तक प्राथमिकता वोटों और विभिन्न दलों के विधायकों की रणनीति पर निर्भर करेगा।

हेमन्त सोरेन दिल्ली रवाना, नीति आयोग की बैठक में होंगे शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आज नई दिल्ली में नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल (शासी परिषद) की एक बेहद महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। इस हाई-प्रोफाइल बैठक में हिस्सा लेने के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन बुधवार दोपहर दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। बैठक में राज्य का मजबूती से पक्ष रखने के लिए झारखंड सरकार ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

नीति आयोग की सीईओ निधि छिब्बर ने इस संबंध में झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार को पत्र लिखकर बैठक के एजेंडे की जानकारी दी है। इस बार की बैठक का मुख्य विषय विकसित भारत के लिए मानव पूंजी रखा गया है। इसके अलावा दिसंबर 2025 में आयोजित हुए मुख्य सचिवों के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन में जिन प्राथमिकताओं और सिफारिशों को तय किया गया था, उनपर भी इस बैठक में विस्तार से चर्चा की जाएगी। नीति आयोग के उपाध्यक्ष की ओर से मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को इस बैठक के लिए विशेष आमंत्रण भेजा गया है। मुख्यमंत्री के साथ-साथ राज्य के कई शीर्ष अधिकारी भी इस बैठक में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। राज्य सरकार ने अधिकारियों के नाम तय कर नीति आयोग को भेज दिए हैं। आज होने वाली इस बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के साथ वरिष्ठ अधिकारी अविनाश कुमार (मुख्य सचिव, झारखंड), मुकेश कुमार (सचिव, योजना एवं विकास विभाग), अरवा राजकमल (रेसिडेंट कमिश्नर, दिल्ली), विजया जाधव (अपर सचिव, योजना एवं विकास) मौजूद रहेंगे।

झारखंड सूचना आयोग को मिले चार नए आयुक्त, राज्यपाल ने लगाई मुहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में लंबे समय से लंबित सूचना आयुक्तों की नियुक्ति का रास्ता अब लगभग साफ हो गया है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राज्य सरकार द्वारा भेजे गए सूचना आयुक्तों के पैनल को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके साथ ही राज्य सूचना आयोग में नए सूचना आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। राज्य सरकार की ओर से अनुमोदन के लिए भेजे गए चारों नामों को राज्यपाल ने मंजूरी दे दी

है। स्वीकृत पैनल में अनुज कुमार सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल नीरज खलखो और शिवपूजन पाठक के नाम शामिल हैं।

राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन कुलकर्णी ने इस संबंध में राज्य सरकार को आधिकारिक रूप से जानकारी दे दी है। राजभवन की स्वीकृति मिलने के बाद अब कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना जारी करेगा। अधिसूचना जारी होते ही चारों नाम आधिकारिक रूप से सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्त माने जाएंगे। गौरतलब है कि राज्य सूचना आयोग में सूचना आयुक्तों के कई पद लंबे समय से रिक्त पड़े थे। इसके कारण सूचना के अधिकार से जुड़े मामलों के निपटारे में देरी की शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं।

बंगाल सरकार में विभागों का बंटवारा: स्वपन दासगुप्ता बने वित्त तो शंकर घोष बने पर्यटन मंत्री

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को मंत्रियों के विभागों का औपचारिक बंटवारा करते हुए नई अधिसूचना जारी की। राज्यपाल की ओर से जारी आदेश के अनुसार मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को गृह एवं पर्वतीय मामले, भूमि एवं भूमि सुधार, शरणार्थी राहत एवं पुनर्वास, बिजली, सूचना एवं संस्कृति तथा कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा जिन विभागों का आवंटन अन्य मंत्रियों को नहीं किया गया है, वे भी मुख्यमंत्री के पास रहेंगे। 1 जून को हुए मंत्रिमंडल विस्तार में कुल 35 नए मंत्रियों को शपथ दिलाई गई थी। इसके बाद पश्चिम बंगाल मंत्रिपरिषद की कुल संख्या 41 हो गई है।

कैबिनेट मंत्रियों में निशीथ प्रामाणिक को उत्तर बंगाल विकास और जल संसाधन जांच एवं विकास विभाग, अशोक किरतानिया को खाद्य एवं आपूर्ति तथा सहकारिता विभाग, दिलीप घोष को पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा कृषि विपणन विभाग दिया गया है। वहीं खुदीराम टुडू को आदिवासी विकास, अल्पसंख्यक मामले और मदरसा शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी मिली है। अग्निमित्रा पाल को शहरी विकास एवं नगर मामलों का विभाग सौंपा गया है।

टीएमसी के कांग्रेस में विलय को ममता बनर्जी तैयार! राहुल गांधी के सामने अभिषेक बनर्जी ने रखी शर्त

एजेंसी

नयी दिल्ली : सोनिया गांधी ने ममता बनर्जी को प्रस्ताव दिया कि टीएमसी पर बीजेपी के राजनीतिक हमलों को देखते हुए उन्हें अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर लेना चाहिए, वरना बीजेपी उन्हें भी आम आदमी पार्टी की तरह परेशान करेगी।

टीएमसी के कांग्रेस में विलय पर बात आगे बढ़ गई है। ऐसा लग रहा है कि सोनिया गांधी की ओर से मिले ऑफर पर ममता बनर्जी तैयार हैं, लेकिन उन्होंने अभिषेक बनर्जी के जरिए राहुल गांधी के सामने कुछ शर्तें भी रखवाई हैं।

सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी

- सोनिया गांधी ने खुद दिया था ऑफर
- ममता बनर्जी ने मांगा था कुछ दिन का समय
- राहुल-अभिषेक की डेढ़ घंटे चली मीटिंग

ने राहुल गांधी के साथ हुई मीटिंग में इस पर बात की है। टीएमसी नेता ने कांग्रेस लीडरशिप के सामने मांग रखी है कि ममता बनर्जी को राज्यसभा भेजा जाए। इतना ही नहीं उन्हें राज्यसभा में नेता विपक्ष का पद भी दिया जाए। हालांकि इस पर कांग्रेस की ओर से क्या कहा गया है, वो सामने नहीं आया है।

सोनिया गांधी ने खुद फोन करके ममता बनर्जी को टीएमसी के कांग्रेस में विलय का ऑफर दिया था। सूत्रों के मुताबिक, सोनिया गांधी ने ममता बनर्जी से कहा कि वो टीएमसी का विलय कर दें, इसके बदले में उन्हें कांग्रेस का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया जाएगा। इसके अलावा उनके भतीजे और सांसद अभिषेक बनर्जी को भी पार्टी महासचिव का पद दिया जाएगा।

बागी सांसदों में शत्रुघन सिन्हा का भी नाम?

ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी के 28 में से 19 बागी लोकसभा सांसदों की लिस्ट में एक चौंकाने वाला नाम भी सामने आया है। बागियों की तरफ से लोकसभा अध्यक्ष को जो चिट्ठी सौंपी गई है, उस पर दस्तखत करने वालों में शत्रुघन सिन्हा का भी नाम है। इस लिस्ट के सामने आने के बाद नई दिल्ली से कोलकाता तक सियासी हलकों में हलचल मच गई है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक इस लिस्ट में 19 नाम शामिल हैं। लिस्ट में यूसुफ पठान और सायोनी घोष के नाम भी दर्ज हैं। इस लिस्ट में शॉटगन कहलाने वाले शत्रुघन सिन्हा के अलावा हाल ही में चर्चा में आए यूसुफ पठान, पार्थ भौमिक, काकोली घोष दस्तीदार, बापी हलदर, सयोनी घोष, रचना बनर्जी, असित मल, के रहमान, शर्मिला सरकार, मिताली बाग के नाम भी शामिल हैं।

आईईडी हमले की धमकी, आरएसएस मुख्यालय समेत कई स्थानों पर सुरक्षा कड़ी

एजेंसी

नागपुर : नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय सहित कई संवेदनशील स्थानों को आईईडी से निशाना बनाने की धमकी वाला ई-मेल बुधवार को प्राप्त होने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। नागपुर और पुणे में संबंधित स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 'खालिस्तान' के नाम से भेजा गया यह धमकी भरा ई-मेल संदेश पुणे महापौर कार्यालय के आधिकारिक ई-मेल पते पर प्राप्त हुआ। ई-मेल में पुणे महापौर कार्यालय, नागपुर के कुछ महत्वपूर्ण स्थानों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय पर आईईडी हमले की योजना होने का दावा किया गया था। धमकी की

सूचना मिलते ही एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। नागपुर के महाल इलाका स्थित संघ मुख्यालय तथा रेशिमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार भवन परिसर में बम खोजी एवं निष्क्रिय दस्ता तैनात किया गया। लगभग 2 घंटे चली गहन जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। ई-मेल में हमले की कोई निश्चित तारीख या समय नहीं बताया गया है। पुलिस, बम निरोधक दस्ता, खुफिया विभाग और साइबर अपराध शाखा के अधिकारियों ने संयुक्त जांच शुरू कर दी है।

एक नजर

पत्रकार के दादा का निधन, शोक व्यक्त

बड़कागांव : बड़कागांव पत्रकार धर्मेंद्र कुमार के दादा 98 वर्षीय छपेरवा गांव निवासी रामकेश्वर महतो कि बुधवार सुबह आकस्मिक निधन हो गया। अंतिम संस्कार हहारो नदी तट पर मिट्टी देकर किया गया। रामकेश्वर महतो की निधन पर प्रबुद्ध लोगों ने शोक व्यक्त किया। वे अपने पीछे बेटा बेटी बहू समेत नाती नतनी से भरापूरा परिवार छोड़ गए। अंतिम संस्कार में मुख्य रूप से पुत्र बैजनाथ महतो , गुरदयाल कुमार, जिज्ञासु तिलानाथ प्रसाद कुशवाहा ,पुत्री शांति देवी, पूर्व प्रमुख टुकेश्वर प्रसाद,पंचायत समिति सदस्य उपेंद्र कुमार,मुखिया प्रतिनिधि भिखन महतो, केशव नाथ महतो, विशेश्वर नाथ चौबे, कीर्ति आनंद महतो, प्रकाश कुमार, विष्णु दयाल कुशवाहा,नर्सिंग प्रसाद दागी, सुधाकर प्रसाद, नंदलाल महतो, महेंद्र महतो, जगदेव महतो, शुभम कुमार,वीर तालेश्वर महतो, प्रेमनाथ महतो, सतीश कुमार,नागेश्वर महतो, विनोद कुमार,मुकेश कुमार व अन्य शामिल थे।

बड़कागांव में 21 जून को जन वितरण प्रणाली डीलर संघ का चुनाव, प्रक्रिया शुरू

बड़कागांव : जन वितरण प्रणाली दुकानदार डीलर संघ का चुनाव बड़कागांव गुरुदयाल महतो बालिका उच्च विद्यालय सभागार भवन में 21 जून को होना निश्चित किया गया है। चुनाव को लेकर प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक उम्मीदवारों को नामांकन के लिए 10 जून से 15 जून तक आवेदन जमा करने का तिथि निर्धारित है। जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ,सचिव एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए चुनाव किया जाएगा। उम्मीदवारों को 1500 के साथ, आधार का फोटो कॉपी, एक पासपोर्ट साइज फोटो एवं लाइसेंस का फोटो कॉपी जमा करना अनिवार्य किया गया है। 18 जून को नाम वापस लेने की तिथि निर्धारित की गई है। उक्त आशय की जानकारी जन वितरण प्रणाली के दुकानदार संघ के प्रखंड अध्यक्ष सत्येंद्र गुप्ता एवं सचिव बालेश्वर कुमार ने दी है। बताया गया कि जिला अध्यक्ष नंदू प्रसाद की अगुवाई एवं पर्यवेक्षक सुनील कुमार सिन्हा, राम प्रकाश वर्मा एवं अरुण कुमार राणा की देखरेख में चुनाव संपन्न कराया जाएगा।

मवेशी चराने निकले वृद्ध की हत्या

पलामू: पलामू जिले के पांकी प्रखंड के करार पंचायत अंतर्गत नादगाद गांव निवासी 76 वर्षीय धनराज भुइयां की अज्ञात अपराधियों ने गला दबाकर और पत्थर से कूचकर हत्या कर दी। धनराज का शव गांव में सोनरे नदी किनारे से बुधवार सुबह बरामद की गई। दोपहर में मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) में शव का पोस्टमार्टम किया गया। घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैली हुई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच कर मामले का उद्वेदन करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। परिजनों ने जमीन विवाद और किसी से दुश्मनी से इनकार किया है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह धनराज भुइयां मवेशियों को लेकर चराने निकले थे, लेकिन लौट कर घर नहीं आए। उनकी खोजबीन की जा रही थी। इसी क्रम में सोनरे नदी के किनारे उनका शव बरामद हुआ। शव को देखने से पता चलता था कि गला दबाने के बाद सिर को पत्थर से कुचलकर हत्या की गई गई है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए और इसकी सूचना प्रशासन को दी गई।

दाखिल खारिज का ससमय निष्पादन न होने पर अंचल अधिकारी पर होगी कार्रवाई : आयुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बुधवार हजारीबाग जिले के विभिन्न विभागों के राजस्व संग्रहण से संबंधित समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय सभाकक्ष, हजारीबाग में आयोजित की गई। विजय कुमार गुप्ता, प्रमंडलीय आयुक्त, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल हजारीबाग ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा की जनकल्याणकारी कार्यों के लिए राजस्व में वृद्धि आवश्यक है। इसके समूचित संकलन के लिए अपनी समस्त विभागीय शक्तियों का प्रयोग कर राज्य सरकार के लक्ष्य आधारित राजस्व की प्राप्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी, कर्मचारी अपने विभागीय कार्यों, योजनाओं,

कार्यक्रमों, नियमों और शासनादेशों की पूरी जानकारी रखे, अधिकारियों को जितनी अच्छी जानकारी होगी, वे राजस्व संग्रहण में उतना ही अच्छा काम कर सकेंगे। समीक्षा के दौरान हजारीबाग ज़िले के विभिन्न विभागों द्वारा निर्धारित वार्षिक राजस्व लक्ष्य तथा अब तक की लक्ष्य प्राप्ति की स्थिति का विस्तार से आकलन किया गया। इस अवसर पर खनन विभाग, वाणिज्य कर, परिवहन, उत्पाद, कृषि, माप एवं तौल, बाजार समिति, निबंधन, मत्स्य, नगर निगम सहित अन्य विभागों के पदाधिकारियों ने अपने-अपने विभागों के वार्षिक लक्ष्य, अब तक की प्राप्ति तथा शेष लक्ष्य के संबंध में अद्यतन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की वर्तमान स्थिति एवं राजस्व संग्रहण की प्रगति से आयुक्त महोदय को अवगत कराया। परिवहन विभाग की समीक्षा के दौरान आयुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी को परिवहन कार्यालय की कार्यप्रणाली में सुधार लाते हुए विभाग की सकारात्मक छवि स्थापित करने तथा अपनी वैधानिक शक्तियों का समुचित उपयोग कर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विभागीय प्रक्रियाओं को सरल एवं सुगम बनाया जाए, ताकि आम नागरिकों को ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण अथवा अन्य परिवहन संबंधी सेवाओं के लिए किसी बिचौलिए या वेंडर पर निर्भर न रहना पड़े तथा वे सीधे विभाग के माध्यम से अपने कार्य संपादित कर सकें। आयुक्त ने डिफॉल्टर वाहनों, ओवरलोड वाहनों एवं परिचालित बसों के विरुद्ध समय-समय पर सघन जांच अभियान चलाने तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।

उत्पाद विभाग की समीक्षा के दौरान आयुक्त ने मद्य दुकानों की बंदोबस्ती की स्थिति, अवैध शराब के विरुद्ध की गई कार्रवाई तथा अब तक ध्वस्त की गई भट्टियों एवं जब्त देशी-विदेशी शराब की जानकारी प्राप्त की।

हजारीबाग में बिना नंबर प्लेट और तेज रफ्तार वाहन से सड़क पर खौफ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले में यातायात नियमों की अनदेखी का एक और मामला सामने आया है। मंगलवार सुबह करीब 7:30 बजे छड़वा डैम क्षेत्र से हजारीबाग शहर की ओर एक संदिग्ध वाहन तेज रफ्तार में दौड़ता देखा गया। वाहन पर कोई नंबर प्लेट नहीं लगी थी, लेकिन पीछे बड़े अक्षरों में "माफिया" लिखा हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सुबह के समय सड़क पर स्कूली बच्चे, नौकरीपेशा लोग और अन्य वाहन चालक मौजूद थे। बिना नंबर प्लेट और तेज रफ्तार वाहन को देखकर लोगों में चर्चा शुरू हो गई। लोगों का कहना है कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत हर वाहन पर वैध नंबर प्लेट अनिवार्य है। नंबर प्लेट न होने से वाहन की पहचान असंभव हो जाती है और दुर्घटना की स्थिति में जिम्मेदार तक पहुंचना मुश्किल होता है। सबसे ज्यादा सवाल वाहन पर लिखे "माफिया" शब्द को लेकर उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है

कि किसके संरक्षण में कोई व्यक्ति ऐसा शब्द लिखकर खुलेआम सड़क पर घूम सकता है। क्या यह प्रशासन को खुली चुनौती है। नागरिकों का आरोप है कि आम लोगों पर हेलमेट, सीट बेल्ट और दस्तावेज को लेकर तुरंत कार्रवाई होती है, लेकिन बिना नंबर प्लेट वाले वाहन बेखौफ घूम रहे हैं। इससे कानून के प्रति जनता का भरोसा कमजोर होता है। लोगों ने जिला प्रशासन, परिवहन विभाग और यातायात पुलिस से मामले का संज्ञान लेकर वाहन की पहचान और सख्त कार्रवाई की मांग की है। जनता जानना चाहती है कि आखिर बिना नंबर प्लेट और 'माफिया' लिखी गाड़ी किसके संरक्षण में हजारीबाग की सड़कों पर दौड़ रही है।

प्रेम विवाह के विरोध में साले की हत्या जीजा और दोस्त बोकारो से गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग ओकनी निवासी विक्की सोनी की गोली मारकर हत्या के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतक के जीजा विक्रम कुमार और उसके दोस्त दिलीप कुमार को बोकारो से गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि विक्की की बहन नेहा ने करीब 8-10 माह पहले नवादा निवासी विक्रम के साथ भागकर प्रेम विवाह कर लिया था, जिसका विक्की लगातार विरोध कर रहा था और इसी को लेकर दोनों के बीच कई बार बहस व हाथापाई भी हो चुकी थी। घटना के दिन मंगलवार रात विक्की अपने दोस्त अभिषेक उपाध्याय के साथ कोडरमा स्टेशन जा रहा था, तभी विक्रम अपने दोस्त दिलीप के साथ उसका पीछा कर रहा था और करसो पुल के पास कार का टायर पंक्चर होने पर

सुनसान जगह देखकर विक्रम ने विक्की को गोली मार दी। एसपी के निर्देश पर गठित एसआईटी ने तकनीकी विश्लेषण के बाद नारदीगंज, नवादा निवासी विक्रम कुमार पिता विजय साव और चंदा वजीरगंज, गया निवासी दिलीप कुमार पिता केसर चौधरी को बोकारो से पकड़ा। एसडीपीओ ने बताया कि दोनों का आपराधिक इतिहास रहा है और आर्म्स एक्ट व एक्साइज के मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। हत्या में प्रयुक्त रिवाल्वर और बाइक की बरामदगी के लिए पूछताछ जारी है और दोनों के मोबाइल फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। एसआईटी टीम में एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर, थानाप्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार, एसआई शमशेर बहादुर सिंह, एसआई राजबल्लभ यादव, एसआई राजेश भोक्ता, बरही थाना के सशस्त्र बल और तकनीकी शाखा हजारीबाग शामिल थीं।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन प्रदेश इकाई की बैठक, मानवाधिकार संरक्षण पर हुई गहन चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही तिलैया रोड स्थित उत्सव वाटिका में राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन झारखंड प्रदेश की बैठक हुई। अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति एवं संचालन प्रदेश संयोजक भरत यादव एवं प्रदेश सचिव प्रो हीरामन साव ने की। बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कपिल प्रसाद केशरी एवं राष्ट्रीय संगठन सचिव राजकुमार यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में संगठन की मजबूती, विस्तार, सदस्यता अभियान तथा प्रदेश स्तरीय कोष की व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। इसके साथ ही रांची में 14 जून को होनेवाली रक्तदान शिविर सह मानवाधिकार कार्यशाला में भाग लेने पर सहमति बनी। बताया गया कि सभी बरही से एक साथ कार्यक्रम के लिए निकलेंगे। वही आगामी 21

जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बरही के उत्सव वाटिका में कार्यक्रम आयोजित करने पर चर्चा हुई। इसकी तैयारी को लेकर उपस्थित लोगों को दायित्व दिया गया। मौके पर दिलीप कुमार गुप्ता, सरयू साव, सकलदेव यादव एवं नितेश कुमार को राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन में शामिल किया गया। उन्हें राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की कार्यों तथा दायित्व की जानकारी दी गई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कपिल केशरी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मौलिक अधिकार प्राप्त है। यदि किसी का मौलिक अधिकार का हनन होता है तो हमारा संगठन तुरंत संज्ञान लेगा। राष्ट्रीय संगठन सचिव राजकुमार यादव ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। इसमें संगठन के एक एक कार्यकर्ता को मजबूती के साथ खड़ा रहना चाहिए। प्रदेश संयोजक भरत यादव, प्रो हीरामन साव एवं डॉ सुनील कुमार दत्त ने कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। हम सभी एकताबद्ध होकर गलत का विरोध करने की आदत डालनी होगी। प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति ने कहा कि शिक्षा स्वास्थ्य एवं रोजगार के प्रति हमलोगों को जवाबदेह बनाना पड़ेगा। मौके पर कपिल केशरी, राजकुमार यादव, कृष्णा प्रजापति, भरत यादव, प्रो हीरामन साव, बिपिन बिहारी पांडेय, डॉ सुनील कुमार दत्त, तुलसी यादव, दिलीप कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष गोपाल पंडित, ब्रह्मदेव यादव, रवि शंकर कुमार, अनुमंडल अध्यक्ष कमल शंकर पंडित, महेश प्रसाद, प्रखंड अध्यक्ष मो तैयब, जनार्दन प्रसाद चौरसिया, राज आर्यन उर्फ छोटी, मुकेश गोविंदा सहित कई लोग मौजूद रहे।

सीआईईआर पोर्टल से बरामद हुए खोए मोबाइल, पुलिस ने मालिकों को लौटाए

बरही: बरही थाना पुलिस ने सीआईईआर पोर्टल के माध्यम से खोए एवं चोरी हुए मोबाइल फोन को बरामद कर उनके सही उपयोगकताओं को वापस सौंपा। मोबाइल मिलने के बाद उपयोगकताओं ने खुशी जाहिर करते हुए बरही पुलिस का आभार व्यक्त किया। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि सीआईईआर पोर्टल के जरिए गुम हुए मोबाइलों की ट्रैकिंग कर उन्हें बरामद किया गया। आवश्यक जांच एवं सत्यापन के बाद संबंधित मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द कर दिए गए। उन्होंने लोगों से अपील की कि मोबाइल गुम होने या चोरी होने की स्थिति में तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें तथा सीआईईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि मोबाइल की खोज और बरामदगी में सहायता मिल सके। बरही पुलिस की इस पहल से लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

बरही अनुमंडलीय अस्पताल में उन्नयन कार्य का शिलान्यास, 1.45 करोड़ के लागत से बढ़ेगी सुविधाएं

विधायक ने किया शिलापट्ट का अनावरण, योगा शेड, वेटिंग हॉल, कैंटीन और अन्य सुविधाओं का होगा निर्माण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही अनुमंडलीय अस्पताल को आधुनिक और संसाधनयुक्त बनाने की दिशा में बुधवार को बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने डीएमएफटी मद से प्रस्तावित अनुमंडलीय अस्पताल उन्नयन कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। अस्पताल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने शिलापट्ट का अनावरण कर तथा नारियल फोड़कर निर्माण कार्य की शुरूआत की। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने विधायक मनोज यादव का बुके

देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और अस्पतालकर्मी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि बरही अनुमंडलीय अस्पताल को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए वे लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल के विकास से जुड़े मुद्दों को उन्होंने विधानसभा में भी कई बार उठाया है, जिसका सकारात्मक परिणाम आज देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास है कि बरही अनुमंडलीय अस्पताल में सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों और हर विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सक नियुक्त किए जाएं, ताकि क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और अस्पताल के समुचित विकास को लेकर मैं लगातार प्रयासरत हूं। विधायक ने कहा कि जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठकों में भी उन्होंने अस्पताल को सुव्यवस्थित और सुविधायुक्त बनाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया है। जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि अस्पताल का उन्नयन क्षेत्र की जनता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी और स्वास्थ्य जरूरतों को देखते हुए अस्पताल में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार आवश्यक था। यह परियोजना पूरी होने के बाद मरीजों और उनके परिजनों को काफी राहत मिलेगी। जिला परिषद सदस्या प्रीति कुमारी ने कहा कि अस्पताल संसाधनयुक्त होने से यहां के लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। डीएमएफटी मद से स्वीकृत 1.45 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत अस्पताल परिसर में योगा शेड, वेटिंग हॉल, स्टोर रूम, कैंटीन सहित विभिन्न मरम्मत एवं उन्नयन कार्य किए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चौपारण प्रशासन सक्रिय, दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचेगी टीम

चौपारण : भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रस्तावित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रखंड प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें आदिम जनजाति बहुल क्षेत्रों के पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित रूप से दर्ज कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बीएलओ, पंचायत सचिव, सुपरवाइजर, कल्याण विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी शामिल हुए। इस दौरान जंगल, पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में निवास करने वाले आदिम जनजाति समुदाय के लोगों तक पहुंच सुनिश्चित करने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया।बीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाए तथा कोई भी योग्य व्यक्ति मतदाता सूची से वंचित न रहे। प्रशासन की ओर से बताया गया कि आदिम जनजाति बहुल इलाकों में मतदाता पंजीकरण अभियान को प्रभावी बनाने के लिए कुछ शिक्षकों को भी विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें पात्र मतदाताओं की पहचान, मतदाता सूची में नाम जोड़ने तथा सर्वेक्षण और मैपिंग कार्य में आने वाली समस्याओं के समाधान का दायित्व दिया गया है। मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए चोरदाहा, चौपारण, बसरिया और रामपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशेष टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों में बीएलओ, पंचायत सचिव और स्थानीय शिक्षकों को शामिल किया गया है, जो आपसी समन्वय के साथ पुनरीक्षण कार्य को संपन्न करेंगे। प्रखंड प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान आदिम जनजाति समुदाय के प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंच सुनिश्चित कर उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज कराया जाएगा, ताकि कोई भी योग्य मतदाता अपने संवैधानिक मतदान अधिकार से वंचित न रह सके।

अनुमंडलीय अस्पताल बरही में बीपीएचयू यूनिट का उद्घाटन, अब 60 प्रकार की जांच होगी निःशुल्क

बरही : अनुमंडलीय अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में बुधवार को बरही विधायक मनोज यादव ने अस्पताल परिसर में स्थापित बीपीएचयू यूनिट का फीता काटकर उद्घाटन किया। यूनिट के शुरू होने से अब अस्पताल में मरीजों को 60 प्रकार की जांच निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर विधायक मनोज यादव ने कहा कि उन्होंने अनुमंडलीय अस्पताल में बीपीएचयू यूनिट शुरू कराने के लिए विधानसभा में भी सवाल उठाया था। लगातार प्रयासों के बाद यह सुविधा बरही को मिल पाई है। उन्होंने कहा कि यूनिट के शुरू होने से बरही सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी और उन्हें जांच के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। विधायक ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। अस्पताल में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार होने से लोगों को गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध होगा। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से मरीजों को बेहतर सेवा उपलब्ध कराने का भी आग्रह किया। उद्घाटन के बाद अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने बीपीएचयू यूनिट के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस यूनिट के चालू होने के बाद अस्पताल में विभिन्न प्रकार की आवश्यक पैथोलॉजिकल और अन्य जांच सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि पहले कई जांचों के लिए मरीजों को निजी लैब या दूसरे जगहों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब अधिकांश जांचें स्थानीय स्तर पर ही हो सकेंगी। इससे मरीजों का समय और खर्च दोनों बचेगा। उद्घाटन कार्यक्रम में जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, उपाधीक्षक डॉ. प्रकाश ज्ञानी, जिला परिषद सदस्य प्रीति कुमारी, सांसद प्रतिनिधि रंजीत चंद्रवंशी, सुरेंद्र रजक, गुरुदेव गुप्ता, संतोष निषाद, दिनेश साहू, उपमुखिया मनोज उपाध्याय, विपिन सिन्हा, सचिन यादव, भूपेंद्र यादव, इंद्रदेव ठाकुर, बालेश्वर यादव, सुधांशु शेखर, कुलदीप कुमार समेत बड़ी संख्या में अस्पतालकर्मी एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

कटकमदाग हादसे की पीड़िता के परिवार को मिली सहायता, बच्ची की पढ़ाई का भी उठाया जिम्मा

कटकमदाग : कटकमदाग में हाल ही में हुए हृदयविदारक हादसे से प्रभावित पीड़ित परिवार की मदद के लिए समाजसेवियों और सामाजिक संगठनों ने संवेदनशीलता का परिचय दिया है। भारतीय प्रशासनिक लोक शिकायत एवं प्रकोष्ठ की पहल पर पीड़ित परिवार को राशन सामग्री, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई। इस मानवीय अभियान का नेतृत्व संगठन के प्रदेश उप सचिव कुमार गौरव ने किया। उनके साथ जिला अध्यक्ष विक्रमादित्य सिंह, जिला सचिव राज कुमार पासवान, मीडिया प्रभारी निमेष कुमार, उपाध्यक्ष पप्पू प्रजापति, मनीष कुमार, पुनीत राम, रंजन गुप्ता, अंकिता मेहरा तथा समाजसेवी प्रदीप मेहता सहित कई लोगों ने सहयोग किया। सहायता वितरण के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर प्रदेश उप सचिव कुमार गौरव ने पीड़ित बच्ची की शिक्षा की जिम्मेदारी उठाने का आश्वासन देते हुए कहा कि भविष्य में उसकी पढ़ाई-लिखाई में IPGC परिवार हरसंभव सहयोग करेगा, ताकि आर्थिक कठिनाइयों के कारण उसकी शिक्षा बाधित न हो।
संगठन के सदस्यों ने कहा कि समाज की वास्तविक ताकत संकट की घड़ी में एक-दूसरे का सहारा बनने में है। अन्नदान और वस्त्रदान जैसे कार्य न केवल जरूरतमंदों की सहायता करते हैं, बल्कि समाज में करुणा, सहयोग और मानवता की भावना को भी मजबूत बनाते हैं। कार्यक्रम के दौरान सहयोग करने वाले सभी समाजसेवियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि सभी सहयोगकताओं के सेवा भाव और संवेदनशीलता के कारण जरूरतमंद परिवार तक सहायता पहुंचाना संभव हो सका।

एक नजर

योगमय झारखंड 2026 की तैयारी शुरू

रांची: 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर झारखंड में इस बार व्यापक स्तर पर योगमय झारखंड 2026 कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (खएढउ) ने इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया (रडढ) जारी कर दी है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग निर्धारित की गई है। राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने बताया कि योग दिवस को सफल बनाने के लिए राज्यभर के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। निदेशक ने बताया कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य आयोजन के मद्देनजर चरणबद्ध तरीके से शिक्षकों और नोडल पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके तहत 12 जून को जिलास्तरीय, 13 जून को प्रखंडस्तरीय और 15 जून को संकुल स्तरीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। राज्य के सभी विद्यालयों से एक-एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक अथवा नोडल शिक्षक इसमें भाग लेंगे और बाद में अपने-अपने विद्यालयों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देंगे।

रथयात्रा और श्रावणी मेले की तैयारियां तेज

रांची: जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को रांची समाहरणालय में एक के बाद एक महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन किया गया। एक ओर जहां 16 से 25 जुलाई तक आयोजित होने वाले 365वें जगन्नाथपुर रथयात्रा महोत्सव और 30 जुलाई से 28 अगस्त तक चलने वाले श्रावणी मेला-2026 की तैयारियों की समीक्षा की गई। वहीं दूसरी ओर जिला के विभिन्न अंचलों और प्रखंडों में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से सैकड़ों आवेदनों का त्वरित निष्पादन कर लोगों को राहत प्रदान की गई। उपायुक्त ने जगन्नाथपुर रथयात्रा महोत्सव को भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपीं। बैठक में निर्णय लिया गया कि मेले की परिधि से 500 मीटर के दायरे में शराब की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। रथयात्रा मार्ग पर विशेष बैरिकेडिंग की जाएगी तथा बाहरी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी।

1.50 करोड़ की ड्रेन मास्टर मशीन से होगी जलाशयों की सफाई

रांची : शहर के जलाशयों, नदियों और तालाबों की सफाई को नई गति देने के लिए नगर निगम ने 1.50 करोड़ रुपये की अत्याधुनिक ड्रेन मास्टर मशीन को सेवा में शामिल किया। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सहयोग से खरीदी गई इस मशीन का बुधवार को मेयर रोशनी खलखो और डिप्टी मेयर नीरज कुमार ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद मशीन को हरमू नदी में उतारकर सफाई कार्य शुरू कराया गया।

परिमल नाथवानी के नामांकन की वैधता पर बवाल विधानसभा के बाहर कांग्रेस-भाजपा का प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। उनके नामांकन को रद्द करने की मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बुधवार को विधानसभा परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। वहीं, भाजपा कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद विधानसभा परिसर के बाहर राजनीतिक तनाव का माहौल बन गया।

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि चुनाव आयोग राज्यसभा चुनाव के मामलों में अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग मानदंड अपना रहा है। उनका कहना है कि परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र में कथित तौर पर कई खामियां होने के बावजूद उन्हें सुधार का अवसर दिया गया, जबकि मध्य प्रदेश में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के नामांकन को तकनीकी आधार पर निरस्त कर दिया गया।

प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि यदि मध्य प्रदेश में सख्ती दिखाई गई है तो झारखंड में भी समान नियम लागू होने चाहिए। कांग्रेस का आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सभी प्रत्याशियों के साथ समान व्यवहार जरूरी है। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि परिमल नाथवानी का नामांकन रद्द नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

विधानसभा के गेट संख्या-2 पर आयोजित प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, राज्य सरकार के मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, दीपिका पांडे सिंह और शिल्पी नेहा तिर्की सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थक भी वहां पहुंचे और नारेबाजी करते हुए विधानसभा परिसर की ओर बढ़ने लगे।

इस दौरान कुछ कांग्रेस समर्थक सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए विधानसभा परिसर के अंदर प्रवेश कर गए। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा कर्मियों और कुछ कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति भी देखने को मिली। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हाथों में झंडे लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ नारे लगाए और परिमल नाथवानी का नामांकन रद्द करने की मांग दोहराई।

कांग्रेस के प्रदर्शन के बीच भाजपा कार्यकर्ता भी विधानसभा परिसर पहुंच गए और उन्होंने भी नारेबाजी शुरू कर दी। भाजपा विधायक सीपी सिंह ने विधानसभा परिसर में प्रवेश को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समर्थकों को विधानसभा परिसर के अंदर जाने दिया गया, जबकि भाजपा कार्यकर्ताओं को गेट पर ही रोक दिया गया। उन्होंने इसे दोहरी नीति बताते हुए नाराजगी जताई और कहा कि इस मामले की शिकायत विधानसभा सचिव से की जाएगी।

भाजपा नेताओं का आरोप है कि प्रशासन को सभी राजनीतिक दलों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए।

कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के आमने-सामने आने से विधानसभा परिसर के बाहर काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई। अधिकारियों ने दोनों पक्षों को शांत रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए लगातार निगरानी बनाए रखी।

राजनीतिक हलचल और प्रदर्शन के बीच राज्यसभा चुनाव से जुड़े इस विवाद पर रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष में सुनवाई भी जारी रही। परिमल नाथवानी के नामांकन पर दर्ज आपत्तियों को लेकर चल रही इस प्रक्रिया में कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा, झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार बैद्यनाथ राम तथा परिमल नाथवानी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अब सभी की नजर रिटर्निंग ऑफिसर के फैसले पर टिकी हुई है। यह निर्णय न केवल राज्यसभा चुनाव की दिशा तय करेगा, बल्कि झारखंड की राजनीति में चल रही सियासी खींचतान को भी नया मोड़ दे सकता है।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री मोदी के 12 साल पूर्ण होने पर कार्यकर्ताओं के बीच उत्सव का माहौल

रांची : देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम देश में सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इस उपलब्धि पर पूरे देश की तरह झारखंड में भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच उत्साह का माहौल देखने को मिला। राज्य के विभिन्न हिस्सों में पूजा-अर्चना और विशेष कार्यक्रमों का आयोजन कर प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और राष्ट्रहित में उनके नेतृत्व की निरंतर सफलता की कामना की गई। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस अवसर पर रांची के मुड़मा स्थित राजी पहाड़ा जतरा शक्ति खूंटा में पाहन एवं सरना समाज के सम्मानित लोगों के साथ पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और राष्ट्र निर्माण के उनके संकल्प की सफलता के लिए प्रार्थना की। साथ ही देश की प्रगति, विकास और जनकल्याण के लिए प्रधानमंत्री को निरंतर शक्ति एवं ऊर्जा मिलने की कामना भी की। इस अवसर पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार 4,399 दिनों तक देश की सेवा कर एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि देशवासियों के विश्वास, प्रधानमंत्री के समर्पण और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उनके नेतृत्व में देश ने विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित किए हैं।

पुराने ग्राहक ही बैंक की असली पूंजी : शाखा प्रबंधक

रांची : स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा पतराहातु ने बुधवार को बैंक के सबसे पुराने ग्राहकों का डोर टू डोर जाकर बर्षो से बेहतरीन सहयोग और रिश्ते बनाए रखने को लिए सम्मानित किया। इस मौके पर शाखा प्रबंधक मनीष कुमार ने कहा कि पुराने ग्राहक ही बैंक की असली पूंजी है। जिनके विश्वास के बदौलत बैंक लगातार आगे बढ़ रहा है।सम्मानित होने पर ग्राहकों ने भी बैंक के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रबंधक ने कहा एसबीआई की स्थापना 1 जुलाई 1955 को हुए थी और 1 जुलाई 2026 को बैंक अपना 71 साल पूरा करेगा । इस 71 साल के विश्वास को शाखा प्रबंधक मनीष कुमार और बलराम महतो के द्वारा 71 मिनट में पूरा करने का कोशिश किया गया। इस मौके पर भीमसेन महतो रविन्द्र हजाम आदि मौजूद रहे।

झारखंड में 11-12 जून को भारी बारिश वज्रपात और तेज आंधी का ऑरेंज अलर्ट जारी

रांची : झारखंड में मौसम का मिजाज तेजी से बदलने वाला है। मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों में 11 और 12 जून को गर्जन के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और तेज आंधी चलने की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित होने की आशंका है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से नमी युक्त हवाओं के प्रभाव और अनुकूल मौसमी परिस्थितियों के कारण राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम सक्रिय रहेगा। लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने, खुले मैदानों और पेड़ों के नीचे शरण न लेने तथा बिजली कड़कने के समय सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग की ओर से बुधवार को बताया गया कि अगले तीन से चार दिनों के भीतर दक्षिण-पश्चिम मानसून के झारखंड सहित ओडिशा, बिहार और छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में पहुंचने की प्रबल संभावना है। मानसून के आगमन के साथ राज्य में बारिश की गतिविधियों में और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश भी दर्ज की गई। इस अवधि में सबसे अधिक 37.2 मिलीमीटर वर्षा दुमका में रिकॉर्ड की गई।

रांची में ट्रैफिक सिग्नल लाइट की संख्या बढ़ाई जाएगी, स्मार्ट सिटी को भेजा गया प्रस्ताव

रांची: राजधानी में ट्रैफिक सिग्नल की संख्या बढ़ाने की कवायद शुरू कर दी गई है। इसके लिए रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने स्मार्ट सिटी को प्रस्ताव भेजा है। रांची शहर में वाहनों का बोझ लगातार बढ़ रहा है। वाहनों की बढ़ती संख्या की वजह से सुचारू यातायात में भी समस्या खड़ी हो रही है और मानव बल ज्यादा लगाना पड़ रहा है। ऐसे में यातायात समस्या को देखते हुए रांची के कांटाटोली समेत 25 नए स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल लाइट लगाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इन सिग्नल लाइटों के लगने से शहर में यातायात नियंत्रण और अधिक प्रभावी होगा तथा लोगों को जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। रांची ट्रैफिक पुलिस ने शहर के विभिन्न व्यस्त और दुर्घटना संभावित चौराहों का सर्वेक्षण कर नए सिग्नल लगाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया है। यह प्रस्ताव स्मार्ट सिटी परियोजना को भेज दिया गया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद चरणबद्ध तरीके से सभी चिन्हित स्थानों पर सिग्नल लाइट लगाने का कार्य शुरू किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस द्वारा जिन स्थानों को चिन्हित किया गया है, उनमें कांटाटोली क्षेत्र प्रमुख है. इसके अलावा शहर के अन्य व्यस्त मार्गों और चौराहों को भी सूची में शामिल किया गया है, जहां प्रतिदिन भारी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है. इन स्थानों पर सिग्नल नहीं होने के कारण अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न होती है.

रांची में नशा मुक्ति अभियान की शुरूआत, जागरूकता रैली निकाल किया गया लोगो को जागरूक

रांची : मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए बुधवार को रांची में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत कार्यशाला, संध्या फेरी और माइकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सिविल सर्जन कार्यालय के निर्देश पर राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम और नशा मुक्ति अभियान के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एएनएमटीसी रांची की करीब 50 छात्राओं समेत स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मियों ने भाग लिया। जागरूकता रैली सदर अस्पताल से शुरू होकर फिरायालाल चौक तक निकाली गई। इस दौरान लोगों को तंबाकू, शराब और अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। माइकिंग और नारों के माध्यम से नशामुक्त समाज बनाने का संदेश भी दिया गया। जागरूकता रैली निकाल मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी कार्यशाला को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन डॉ। प्रभात कुमार ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर गंभीर असर डालता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की अपील की।

सदर अस्पताल बनेगा टेली एसएनसीयू और ई-संजीवनी हब

डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा विस्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण की दिशा में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने रांची सदर अस्पताल को टेली एसएनसीयू (स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट) हब तथा ई-संजीवनी हब सेंटर के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्देश दिया है।

बुधवार को जारी निर्देश में अजय कुमार सिंह ने कहा कि इस पहल से राज्य में नवजात शिशु चिकित्सा सेवाओं, टेलीमेडिसिन और ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही जिला एवं प्रखंड स्तर पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लक्ष्य को भी बल मिलेगा।

उन्होंने रांची के सिविल सर्जन को एक सप्ताह के भीतर विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर विभाग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। विभाग का मानना है कि सदर अस्पताल में पहले से संचालित टेली रेडियोलॉजी और टेली आईसीयू सेवाओं के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच को और बेहतर बनाएगी।

प्रस्तावित टेली एसएनसीयू हब के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिला अस्पतालों में संचालित नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाइयों (एसएनसीयू) को रांची सदर अस्पताल से जोड़ा जाएगा। इससे गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं की निगरानी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ऑनलाइन की जा सकेगी तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श समय पर उपलब्ध कराया जा सकेगा।

राज्यसभा नामांकन प्रक्रिया पर मंत्री ने उठाए सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राज्यसभा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने राज्य में विपक्ष, विशेषकर भाजपा पर लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मर्यादाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

बुधवार को जारी बयान में इरफान अंसारी ने कहा कि विपक्ष ने अपने आचरण से यह साबित कर दिया है कि उसके लिए न नीति का कोई महत्व है, न नीयत का मूल्य और न ही सच्चाई का सम्मान। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया से जुड़े विवादों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास बना रहे।

स्वास्थ्य मंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने ही नेताओं और कार्यकर्ताओं पर भरोसा नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी को अपना उम्मीदवार नहीं मिलने के कारण एक उद्योगपति को चुनाव मैदान में उतारना पड़ा। अंसारी ने दावा किया कि संबंधित उम्मीदवार के नामांकन पत्र में गंभीर त्रुटियां होने के बावजूद उसे वैध घोषित कर दिया गया।

मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि दूसरी ओर एक दलित महिला उम्मीदवार का नामांकन रद्द कर दिया गया, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान की मूल भावना के विपरीत है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि चुनावी नियम और प्रक्रियाएं निर्धारित हैं, तो उनका पालन सभी उम्मीदवारों के लिए समान रूप से क्यों नहीं किया गया।

डालसा के विधिक जागरूकता अभियान में ग्रामीणों को बताए गए कानूनी अधिकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) की ओर से चलाए जा रहे 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को बुढ़मू प्रखंड के बाड़े पंचायत में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

यह कार्यक्रम न्यायमूर्ति सह झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद के निर्देश, सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना तथा रांची के न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डालसा सचिव राकेश रौशन भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पारा विधिक स्वयंसेवक (पीएलवी) काजल कुमारी और विजय खलखो ने ग्रामीणों को भारतीय संविधान में प्रदत्त अधिकारों और निःशुल्क कानूनी सहायता की व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 39(ए) के तहत आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है, ताकि सभी नागरिकों को समान रूप से न्याय प्राप्त हो सके।

उन्होंने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की संवाद योजना के उद्देश्यों पर भी प्रकाश डाला। इसके तहत अनुसूचित जनजातियों, विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) और अन्य वंचित समुदायों को न्यायिक व्यवस्था से जोड़ने तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने के प्रयासों की जानकारी दी गई।

रिम्स में मेडिकल शिक्षा के विस्तार की पहलः यूजी पीजी व सुपर स्पेशियलिटी सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ने राज्य में चिकित्सा शिक्षा और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से रिम्स, रांची में स्नातक (यूजी), स्नातकोत्तर (पीजी) तथा सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों की सीटों में व्यापक वृद्धि का प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस संबंध में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बुधवार को रिम्स निदेशक को पत्र भेजकर विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया है।

पत्र में कहा गया है कि भारत सरकार की ओर से संचालित एक केंद्र प्रायोजित योजना के तहत मेडिकल कॉलेजों में यूजी, पीजी एवं सुपर स्पेशियलिटी सीटों की वृद्धि के लिए प्रति अतिरिक्त सीट लगभग 1.5 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना में कुल लागत का 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार तथा 40 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार की ओर से वहन किया जाएगा।

विभाग ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पहले ही महात्मा गांधी मेमोरियल चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, जमशेदपुर में यूजी सीटों को 150 से बढ़ाकर 250 तथा पीजी सीटों को 49 से बढ़ाकर 200 करने का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया था, जिसे स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इसी प्रकार शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, धनबाद में यूजी सीटों को 100 से बढ़ाकर 250 तथा पीजी सीटों को 19 से बढ़ाकर 200 करने के प्रस्ताव को भी भारत सरकार की ओर से मंजूरी दी जा चुकी है।

इसी क्रम में अब रिम्स, रांची के लिए भी महत्वाकांक्षी विस्तार योजना तैयार की जा रही है। प्रस्तावित योजना के अनुसार यूजी सीटों की संख्या 180 से बढ़ाकर 250, पीजी सीटों की संख्या 176 से बढ़ाकर 275 तथा सुपर स्पेशियलिटी सीटों की संख्या 11 से बढ़ाकर 100 करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए रिम्स प्रशासन को आवश्यक अधोसंरचना, भवन, उपकरण एवं अन्य संसाधनों का विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर शासी परिषद की स्वीकृति के बाद राज्य सरकार को भेजने का निर्देश दिया गया है, ताकि प्रस्ताव को भारत सरकार को अग्रसारित किया जा सके।

पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सीटों की वृद्धि के लिए पुराने भवनों के जीर्णोद्धार, जर्जर एवं अनुपयोगी भवनों को ध्वस्त कर नए भवनों का निर्माण तथा आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त अधोसंरचना विकसित करने के प्रस्ताव भी शामिल किए जा सकते हैं।

स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक अनिवार्य हुई 'अपार आईडी'

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत शुरू की गई ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार) आईडी को झारखंड में तेजी से लागू किया जा रहा है। राज्य के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को शत-प्रतिशत छात्रों की अपार आईडी तैयार करने का लक्ष्य दिया गया है। शिक्षा विभाग और विश्वविद्यालय प्रशासन इसे भविष्य की डिजिटल शिक्षा व्यवस्था की आधारशिला मान रहे हैं। हालांकि, आधार डेटा में त्रुटियां, रिकॉर्ड मिसमैच और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी के कारण यह अभियान अभी अपेक्षित गति नहीं पकड़ पाया है।

डीएसडब्ल्यू ने बताया क्यों जरूरी है अपार आईडी

रांची विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ. सुदेश कुमार साहू ने कहा कि अपार आईडी राष्ट्रीय शिक्षा नीति की एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे छात्रों का संपूर्ण शैक्षणिक रिकॉर्ड एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित रहेगा। मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम, क्रेडिट ट्रांसफर और अन्य विश्वविद्यालयों में अध्ययन के दौरान भी इसका लाभ मिलेगा।

डेटा मिसमैच बना सबसे बड़ा रोड़ा

अपार आईडी बनाने में सबसे बड़ी समस्या आधार कार्ड और स्कूल रिकॉर्ड के बीच जानकारी का मेल नहीं होना है। कई मामलों में छात्रों के नाम, जन्मतिथि, अभिभावकों के नाम और वर्तनी में अंतर होने के कारण सत्यापन प्रक्रिया अटक रही है। इसके अलावा ग्रामीण इलाकों में डिजिटल जागरूकता की कमी भी इस अभियान को प्रभावित कर रही है। शिक्षा पदाधिकारी बादल राज ने कहा कि सभी जिलों को 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया गया है। जहां तकनीकी समस्याएं हैं, वहां विशेष शिविर लगाकर आधार और अन्य दस्तावेजों में सुधार कराया जा रहा है।

विश्वविद्यालयों में 'अपार' और 'एबीसी' आईडी हुई अनिवार्य

रांची विश्वविद्यालय समेत राज्य के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में अपार आईडी और एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) आईडी को अनिवार्य रूप से लागू किया जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि भविष्य में नामांकन, परीक्षा फॉर्म, क्रेडिट ट्रांसफर और छात्रों के शैक्षणिक रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण के लिए यह आईडी बेहद महत्वपूर्ण होगी। रांची विश्वविद्यालय ने अपने सभी संबद्ध कॉलेजों को छात्रों की प्रोफाइल अपडेट करते समय अपार आईडी लिंक करने का निर्देश दिया है। वहीं, चांसलर पोर्टल के माध्यम से नए नामांकन के दौरान भी छात्रों से अपार और एबीसी आईडी की जानकारी मांगी जा रही है।

स्कूलों में भी चल रहा विशेष अभियान

झारखंड शिक्षा परियोजना के निर्देश पर सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी विद्यालयों में अपार आईडी बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न जिलों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार अभी तक केवल 40 से 55 प्रतिशत विद्यार्थियों की ही अपार आईडी बन पाई है। धनबाद में 1259 ऐसे स्कूल चिन्हित किए गए हैं जहां एक भी नया अपार आईडी नहीं बना है और जिले में अब तक लगभग 52 प्रतिशत छात्रों की आईडी तैयार हो सकी है। वहीं बोकारो में 3.43 लाख छात्रों के लक्ष्य के मुकाबले करीब 55 प्रतिशत विद्यार्थियों की आईडी बनी है, जबकि हजारीबाग में लगभग 44 प्रतिशत छात्रों का पंजीकरण पूरा हो पाया है।

वादाखिलाफी पर भड़का रोडसेल समिति का आक्रोश 16 जून से कोयला परिवहन रोकने की चेतावनी

समस्याओं के समाधान में देरी से नाराज समिति, बलकुदरा आउटसोर्सिंग खदान क्षेत्र में कोयला व ओबी डिस्पैच रोकने का किया एलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भुरकुंडा कोलियरी रोडसेल समिति ने अपनी लंबित मांगों को लेकर बड़ा आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। समिति ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि प्रबंधन ने शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं की तो आगामी 16 जून से बलकुदरा आउटसोर्सिंग खदान क्षेत्र में कोयला, ओबी डिस्पैच एवं ट्रांसपोर्टिंग कार्य पूरी तरह ठप कर दिया जाएगा। समिति द्वारा परियोजना पदाधिकारी को सौंपे गए पत्र में कहा गया है कि सीसीएल प्रबंधन ने 30 मई को लिखित रूप से भरोसा दिलाया था कि दो से तीन दिनों के भीतर बीएलए आउटसोर्सिंग प्रबंधन के साथ वार्ता कर समस्याओं का समाधान निकालने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। हालांकि एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। रोडसेल समिति का कहना है कि प्रबंधन की निष्क्रियता और वादाखिलाफी से स्थानीय लोगों तथा समिति के सदस्यों में गहरा असंतोष है। बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद समस्याओं के समाधान की दिशा में कोई प्रगति नहीं होना निराशाजनक है। समिति ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि 16 जून से भुरकुंडा कोलियरी क्षेत्र में कोयला परिवहन, ओबी डिस्पैच तथा अन्य ट्रांसपोर्टिंग गतिविधियों को बंद कर दिया जाएगा। समिति का कहना है कि आंदोलन के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति की पूरी जिम्मेदारी सीसीएल प्रबंधन की होगी। आंदोलन संबंधी पत्र की प्रतिलिपि बीएलए आउटसोर्सिंग कंपनी के प्रबंधक तथा भुरकुंडा थाना प्रभारी को भी भेजी गई है। पत्र पर गिरधारी गोप, मुकेश कुमार, रेवती रामण, रविन्द्र सिंह, दर्शन गंझू, सरोज कांत झा और राजा यादव के हस्ताक्षर अंकित हैं।

एक नजर

बाराकुरा गांव में विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा रमाकान्त मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन पर आज बुधवार को कोडरमा प्रखंड के मेघातरी पंचायत के बाराकुरा गावं में महिलाओ के विरुद्ध अपराध को लेकर चलाये जा रहे 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि गौतम कुमार ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु महिलाओं के अधिकारों का संरक्षण करना है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक नि:शुल्क एवं सुलभ न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना तथा आमजनों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनानाभी इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओ को उचित सम्मान दिया जाना आवश्यक है ताकि महिला सशक्तिकरण का लक्ष्य पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि महिलाओ के अधिकारों के संरक्षण के लिए कई कानून बनाये गए है। इसके अलावे सभी वर्ग के लोगो को उनके अधिकारों की रक्षा के लिए एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओ का लाभ दिलाने के प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा कृतसंकल्पित है।

पोते की हत्या के आरोपी दादी को आजीवन कारावास की सजा

कोडरमा : दादी द्वारा अपने ही पोते की हत्या किए जाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए , अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने आरोपी दादी रेखा देवी, 53 वर्ष, पति –मनोज यादव, गझंडी जिला –कोडरमा निवासी को हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई साथ ही 25000 जुर्माना लगाया। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर तीन माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामला वर्ष 2025 का है। इसे लेकर मृतक की मां पूनम देवी ने तिलैया थाना थाना में थाना कांड संख्या 123 / 2025 दर्ज कराया गया था। थाना को दिए आवेदन में पूनम देवी ने अपने सास- ससुर एवं अन्य पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए जांच कर कार्रवाई की मांग की थी। क्योंकि कुछ दिन पूर्व होली के समय पूनम देवी के पति अरविंद कुमार शराब के नशे में उसकी सास के साथ मारपीट करने व गला दबाने के प्रयास किया था, इसके बाद सास रेखा देवी एवं ससुर मनोज यादव ने उसके बेटे की हत्या करने की धमकी दी थी। बताते चले कि अरविंद कुमार, मनोज यादव के पहली पत्नी का पुत्र था। जबकि रेखा देवी मनोज यादव की दूसरी पत्नी थी।

रामगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं का अपर मुख्य सचिव ने लिया जायजा, दिए कई अहम निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड सरकार के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने रामगढ़ जिले का दौरा कर स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सा आधारभूत संरचनाओं एवं अस्पतालों की व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। दौरे की शुरूआत कांकेबार स्थित ट्रॉमा सेंटर के निरीक्षण से हुई। अजय कुमार सिंह ने ट्रॉमा सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं, उपकरणों एवं आपातकालीन सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए मॉड्यूलर सिस्टम को अपग्रेड करने तथा भवन के प्रथम तल पर अतिरिक्त निर्माण की संभावनाओं पर तकनीकी प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया।

सदर अस्पताल रामगढ़ में उन्होंने गायनेकोलॉजी, ईएनटी, नेत्र रोग एवं डेंटल ओपीडी सहित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। साथ ही ऑपरेशन थिएटर, एसएनसीयू, डायलिसिस सेंटर, डॉक्टर क्वार्टर और स्टाफ क्वार्टर की स्थिति का भी अवलोकन कर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ऋतुराज के साथ सदर अस्पताल परिसर में 250 अतिरिक्त बेड क्षमता वाले जी+6 भवन निर्माण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अपर मुख्य सचिव ने निर्माण कार्य को प्राथमिकता देने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा सभी तकनीकी मानकों का पालन करने के निर्देश दिए। इसके अलावा पुराने डॉक्टर एवं स्टाफ क्वार्टर की जगह आधुनिक सुविधाओं से युक्त 10 मंजिला आवासीय भवन निर्माण की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। दौरे के क्रम में अजय कुमार सिंह ने सिविल सर्जन कार्यालय का निरीक्षण कर स्वास्थ्य योजनाओं एवं प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा की।

भारत विकास परिषद ने दिव्यांग वृद्धा के जीवन में भरी नई उम्मीद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सेवा, समर्पण और मानवीय संवेदनाओं का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भारत विकास परिषद ने बरकाकाना निवासी 76 वर्षीय दिव्यांग वृद्ध महिला छठया देवी को व्हीलचेयर प्रदान कर उनके जीवन को नई सहूलियत और नई आशा से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया है। इस पहल की स्थानीय लोगों ने जमकर प्रशंसा की और इसे समाज सेवा का अनुकरणीय उदाहरण बताया। चलने-फिरने में असमर्थ छठया देवी की स्थिति की जानकारी मिलने पर भारत विकास परिषद की बाल एवं महिला समिति ने त्वरित पहल की। समिति की संयोजिका पूनम सिंह के नेतृत्व में परिषद के प्रांतीय महामंत्री उमेश राजगढ़िया, पूनम सिंह एवं अनिता राजगढ़िया उनके निवास पहुंचे और उन्हें व्हीलचेयर भेंट की। व्हीलचेयर प्राप्त करने के बाद छठया देवी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए परिषद के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि अब उन्हें घर से बाहर आने-जाने और दैनिक कार्यों को पूरा करने में काफी सुविधा मिलेगी। यह सहयोग उनके जीवन को पहले की अपेक्षा अधिक सहज और सम्मानजनक बनाने में मददगार साबित होगा। इस अवसर पर परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि जरूरतमंद, असहाय, वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों की सहायता करना संस्था की प्राथमिकताओं में शामिल है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहयोग पहुंचाना ही भारत विकास परिषद का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सेवा कार्यों के माध्यम से संस्था आगे भी सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करती रहेगी।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक में बूथ सशक्तिकरण पर जोर

12 साल बेमिसाल कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : भारतीय जनता पार्टी कोडरमा जिला की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक गुरुकृपा भवन, कोडरमा नगर में जिला अध्यक्ष अनूप जोशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संयुक्त संचालन जिला महामंत्री विजय यादव एवं नरेंद्र पाल ने किया। बैठक से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ध्वजाधारी धाम स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला प्रभारी प्रवीण मेहता ने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि भाजपा का वास्तविक आधार बूथ स्तर का कार्यकर्ता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने तथा केंद्र सरकार की उपलब्धियों और संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की सक्रियता ही भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति है और प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना चाहिए। जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि जिले के सभी पदाधिकारी एवं मंडल प्रभारी नियमित रूप से अपने-अपने मंडलों में प्रवास करें तथा प्रत्येक माह शक्ति केंद्रों की बैठक सुनिश्चित करें। उन्होंने शक्ति केंद्र प्रभारियों एवं संयोजकों को बूथों की निरंतर निगरानी करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का निर्देश दिया।

ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा की सख्ती, बंजारी मंदिर के पास चला वाहन जांच अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : उच्च अधिकारियों के निर्देश पर बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के बंजारी मंदिर के समीप विशेष एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। अपराध नियंत्रण, सड़क सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस अभियान में दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की सघन जांच की गई तथा संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी गई। अभियान का नेतृत्व एएसआई अरविंद कुमार सिंह ने किया। उनके साथ होमगार्ड जवान प्रदीप कुमार तिग्गा, प्रेम कुमार मेहता और सुखदेव करमाली मौजूद रहे। जांच के दौरान वाहन चालकों से ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र, बीमा संबंधी दस्तावेज तथा अन्य आवश्यक कागजातों की जांच की गई। हेलमेट और सुरक्षा मानकों के अनुपालन पर भी विशेष ध्यान दिया गया। पुलिस टीम ने कई वाहनों को रोककर पूछताछ की तथा संदिग्ध प्रतीत होने वाले वाहनों की गहन तलाशी ली। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे अभियान अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए नियमित रूप से चलाए जा रहे हैं। थाना प्रभारी उमाशंकर वर्मा ने कहा कि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नियमित गश्ती, वाहन जांच और संवेदनशील स्थानों की निगरानी लगातार बढ़ाई जा रही है ताकि असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। एएसआई अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि जांच अभियान का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होंने वाहन चालकों से सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने और नियमों का पालन करने की अपील की।

'खेती बचाओ अभियान' के तहत कर्मा पंचायत भवन में केसीसी जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : बैंकिंग सेवाओं को किसानों तक सरल एवं सुलभ रूप से पहुंचाने तथा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से कोडरमा प्रखंड के करमा पंचायत भवन,करमा में दिन बुधवार को खेती बचाओ अभियान के तहत एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों, जनप्रतिनिधियों, बैंक मित्रों तथा ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) विमल कांत झा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड किसानों की आर्थिक मजबूती का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि समय पर एवं कम ब्याज दर पर उपलब्ध कृषि ऋण किसानों को खेती-किसानी की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता प्रदान करता है। उन्होंने किसानों से सरकारी योजनाओं एवं बैंकिंग सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। शिविर में प्रोजेक्टर के माध्यम से कृषिका ऐप की विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि अब केसीसी आवेदन की पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान कृषिका ऐप पर ऑनलाइन आवेदन भरने, आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने, आवेदन की स्थिति देखने तथा ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से प्रदर्शित किया गया। किसानों ने इस नई व्यवस्था में गहरी रुचि दिखाई तथा अपने प्रश्नों का समाधान प्राप्त किया। बैंक अधिकारियों ने किसानों को बताया कि केसीसी योजना के माध्यम से फसल उत्पादन, बीज, खाद, कीटनाशक एवं अन्य कृषि आवश्यकताओं के लिए आसानी से ऋण प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही किसानों को समय पर ऋण चुकाने के लाभ एवं ब्याज में मिलने वाली सुविधाओं की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया, कोडरमा शाखा के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक निवास कुमार, बैंक ऑफ इंडिया, चाराडीह की अधिकारी सोनाली कुमारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक अनुज अंशुमन, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक निहिर कुमार, इंडियन बैंक के शाखा प्रबंधक धीरेन्द्र कुमार तथा बैंक ऑफ इंडिया, इंदरवा शाखा के शाखा प्रबंधक मनोज कुमार उपस्थित थे। इसके अलावा कोडरमा प्रखंड के सभी एटीएम एवं बीटीएम भी कार्यक्रम में शामिल हुए और किसानों को बैंकिंग सेवाओं से संबंधित जानकारी प्रदान की।

शपथ पत्र

मैं प्यारी देवी (Payaree Devi) पति बाबुलाल दोसाध (Babulal Dosad) उम्र लगभग 69 वर्ष, निवासी साकिन ग्राम विन्डोमाह, पो० व थाना नवलशाही, जिला कोडरमा, धर्म हिन्दु राष्ट्रीयता भारतीय शपथ पत्र संख्या- 2602302773, क्रम संख्या- 24, दिनांक- 18-05-2026 को यह घोषित करती हूँ कि :-

1. यह कि मेरे पति के पेंशन बुक P.P. No. 3805 (A/866/01/1/12/12) में नाम प्यारी देवी (Payaree Devi) दर्ज है जो सही है। और इसी के आधार पर मेरा नाम आधार कार्ड में सुधार कर Payaree Devi कर दिया जाय।
2. यह कि मेरा आधार कार्ड सं0 5043 0788 3007 में मेरा नाम प्यारी देवी (Pyari Devi) दर्ज किया गया है।
3. यह कि प्यारी देवी (Pyari Devi) और प्यारी देवी (Payaree Devi) दोनो नाम मेरा ही है।

संक्षिप्त खबरें

देवेन्द्र नाथ महतो के प्रयास से मृतक के परिजनों को मिला 10 लाख का सहारा

गोला : रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत डिमरा गांव में घटी एक दुखद घटना के बाद पीड़ित आदिवासी परिवार को आर्थिक राहत दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल सफल रही। लगातार प्रयासों और लंबी वार्ता के बाद मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये की मुआवजा राशि उपलब्ध कराई गई, जिससे परिवार को कठिन समय में बड़ी सहायता मिली है। जानकारी के अनुसार डिमरा निवासी धनेश्वर बेदिया के पुत्र अमित बेदिया बीते रात्रि लगभग 12 बजे डेरा के बाहर अचानक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजन उन्हें तत्काल रिम्स, रांची लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के उपरांत मृत घोषित कर दिया। इस दुखद समाचार के बाद पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। घटना के बाद मृतक के पिता धनेश्वर बेदिया तथा भाई दीपक बेदिया ने जेएलकेएम के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो से संपर्क कर न्याय और आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की। सूचना मिलते ही देवेन्द्र नाथ महतो रिम्स पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना प्रदान की। मामले की गंभीरता को देखते हुए देवेन्द्र नाथ महतो ने ठेकेदार एवं संबंधित पक्षों के साथ लगातार बातचीत की। पीड़ित परिवार को उचित सहायता दिलाने के लिए उन्होंने कई चरणों में वार्ता की और मजबूत पक्ष रखा। लंबे प्रयासों के बाद ठेकेदार ने मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये की नगद मुआवजा राशि देने पर सहमति जताई, जिसके बाद पूरे मामले का समाधान हुआ। देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि युवा पुत्र की असमय मृत्यु किसी भी परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। आर्थिक सहायता इस दु:ख को कम नहीं कर सकती, लेकिन कठिन परिस्थितियों में परिवार को संभलने का आधार अवश्य प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और अधिकार पहुंचाना ही जनसेवा का वास्तविक उद्देश्य है।

राजीव पामदत्त ने बताया ऐतिहासिक क्षण, नरेंद्र मोदी के नाम दर्ज हुआ लोकतंत्र का स्वर्णिम कीर्तिमान

रामगढ़ : भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 10 जून का दिन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 4,399 दिनों तक देश का नेतृत्व करते हुए भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नया इतिहास रच दिया। 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले नरेंद्र मोदी ने 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में लगातार विजय प्राप्त कर जनता का विश्वास हासिल किया। गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उनका कुल सार्वजनिक नेतृत्व काल 8,931 दिनों से अधिक हो चुका है, जो लोकतांत्रिक नेतृत्व का एक उल्लेखनीय उदाहरण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने आधारभूत संरचना, डिजिटल क्रांति, गरीब कल्याण, वित्तीय समावेशन और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। जन धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास और जनकल्याण का नया अध्याय लिखा है। उन्होंने 80 करोड़ लोगों को नि:शुल्क राशन, 4 करोड़ से अधिक पक्के आवास, 1.45 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों के निर्माण और करोड़ों नागरिकों तक स्वास्थ्य सुरक्षा पहुंचाने जैसी उपलब्धियों का उल्लेख किया। इस अवसर पर राजीव पामदत्त ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। राजीव पामदत्त ने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास, आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतीक है। उन्होंने विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में प्रधानमंत्री के नेतृत्व को प्रेरणादायी बताते हुए राष्ट्र की निरंतर प्रगति की कामना की।

आम उत्सव सह बागवानी मेला का हुआ आयोजन

कोडरमा : कोडरमा प्रखंड परिसर में बुधवार को आम उत्सव सह बागवानी मेला का भव्य आयोजन किया गया। मेले में जिले के उपायुक्त, उप विकास आयुक्त, जेएसएलपीएस के डीपीएम, कोडरमा प्रमुख, जिला पशुपालन पदाधिकारी, सिविल सर्जन, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, सीडीपीओ सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, जिले के सभी छह प्रखंडों से आए किसान, जेएसएलपीएस की दीदियां, आम बागवानी योजना के लाभुक एवं प्रखंड-अंचल कार्यालय के कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त का जेएसएलपीएस की दीदियों द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्वागत किया गया तथा पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके उपरांत दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। मेले के दौरान आम बागवानी योजना के लाभुकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए योजना से हुए सकारात्मक बदलावों की जानकारी दी। जयनगर प्रखंड के हीरोडीह पंचायत की किसान पिंकी देवी ने बताया कि योजना के तहत लगाए गए आम के पौधे अब पूर्ण रूप से विकसित हो चुके हैं। एक-एक आम का वजन लगभग आधा किलोग्राम तक पहुंच रहा है तथा बाजार में उनके आम की अच्छी मांग है, जिससे उन्हें बेहतर आय प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अहमद अंसारी दर्जनों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल, संगठन विस्तार को मिली नई मजबूती

झुमरी तिलैया : कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और जनसेवा के संकल्प से प्रभावित होकर आज भादोडीह स्थित स्वर्गीय अनवरुल हक जी के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साथियों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। केंद्र में नेता प्रतिपक्ष आदरणीय राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे झारखंड प्रभारी एवं प्रदेश नेतृत्व के विचारों तथा कांग्रेस पार्टी की जनहितकारी नीतियों से प्रभावित होकर समाजसेवी अहमद अंसारी अपने दर्जनों समर्थकों के साथ कांग्रेस परिवार में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्हें एवं उनके साथियों को माला पहनाकर पार्टी में स्वागत किया गया। सदस्यता ग्रहण करने वालों में अहमद अंसारी, अख्तर खान, ताजबुल अंसारी, मोहम्मद कलीम सिद्दीकी, मंटू तुरी, मोहम्मद तौसीफ सिद्दीकी, अरबाज खान, मोहम्मद शाकिर, अदनान खान सहित कई साथियों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम के दौरान आयोजित विचार गोष्ठी में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा, संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों पर चर्चा हुई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा गरीबों, किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों की आवाज उठाती रही है। हमारा लक्ष्य केवल राजनीतिक संगठन को मजबूत करना नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर संघर्ष करना है। इस अवसर पर संगठन को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से विजय कुमार सिन्हा एवं साउद खान को नगर परिषद झुमरी तिलैया के उपाध्यक्ष पद का नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया गया।

एक नजर

आरपीएफ ने विभिन्न मामले में छह लोगों को लिया हिरासत में

सरिया : बुधवार को हजारीबाग रोड आरपीएफ के द्वारा विशेष जांच अभियान के दौरान विभिन्न मामलों में छः लोगों को हिरासत में लिया गया। इसे लेकर आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी विश्वनाथ प्रसाद ने बताया कि पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा इन दोनों विशेष सतर्कता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत बुधवार को हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन में विशेष जांच अभियान चलाया गया। जिसमें अवैध रूप से रेलवे ट्रैक पार करने के आरोप में तीन लोगों को एवं ट्रेन के पायदान में बैठकर सफर करने के आरोप में तीन लोगों कुल छः लोगों को हिरासत में लिया गया। जिसे ऑनलाइन मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करने के बाद छः लोगों ने अपना गलती स्वीकार किया जिसके बाद दंड देकर उन्हें मुक्त किया गया।

एसआईआर अभियान को लेकर झामुमो का बूथ स्तरीय प्रशिक्षण

धनबाद: धनबाद के टाउन हॉल में बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से बूथ स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पार्टी के केंद्रीय सचिव विनोद पांडे, टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान को लेकर बूथ स्तर के कार्यकताओं और बीएलए को प्रशिक्षित करना था। इस दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया, कार्यकताओं की जिम्मेदारियों और अभियान के दौरान आने वाली चुनौतियों से निपटने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की

प्रतिभा ही राष्ट्र की असली पूंजी, युवा बनें जिम्मेदार : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार आज पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत बहरागोड़ा में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह-2026' में दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा प्रतिभाएं होती हैं और शिक्षित, संस्कारित तथा जिम्मेदार युवा ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, सामाजिक चेतना तथा राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना भी है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी असीम प्रतिभाएँ विद्यमान हैं। आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन प्रदान करने की है। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को स्थानीय प्रतिभाओं के उत्साहवर्धन के साथ-साथ भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया।उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित करने तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफल व्यक्ति बनने से भी अधिक महत्वपूर्ण एक अच्छा इंसान बनना है। विद्यार्थियों को सदैव विनम्रता, संस्कार तथा मानवीय मूल्यों को अपने जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि अपनी प्रतिभा एवं ज्ञान का उपयोग केवल व्यक्तिगत सफलता के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए भी किया जाना चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने विश्वास व्यक्त किया कि झारखण्ड की युवा पीढ़ी अपने परिश्रम, प्रतिभा एवं संस्कारों के बल पर न केवल अपने परिवार और क्षेत्र का, बल्कि पूरे राज्य और देश का नाम गौरवान्वित करेगी।

कार्यक्रम के उपरांत राज्यपाल महोदय ने प्रतिभावान विद्यार्थियों के साथ भोजन किया तथा उनसे संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यार्थियों के सपनों, लक्ष्यों एवं भविष्य की योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

पदमा राजः जहां इतिहास की दीवारों में आज भी गूंजती है राजशाही की शान

प्रत्युष नवबिहार (रविंद्र राणा)

हजारीबाग : झारखंड की धरती अपने भीतर इतिहास के अनगिनत अध्याय समेटे हुए है। इन्हीं गौरवशाली अध्यायों में एक नाम है पदमा राज, जिसकी पहचान केवल एक राजमहल या किले तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छोटानागपुर की राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक रहा है। हजारीबाग जिले में स्थित पदमा किला कभी रामगढ़ राज की राजधानी और सत्ता का प्रमुख केंद्र हुआ करता था। इसकी भव्य दीवारों ने राजशाही की शक्ति, स्वतंत्रता आंदोलन की हलचल और लोकतंत्र के उदय तक के कई ऐतिहासिक पड़ाव देखे हैं।

जब पदमा किला था सत्ता का केंद्र एक समय था जब पदमा किले से पूरे क्षेत्र की प्रशासनिक गतिविधियों का संचालन होता था। राजदरबार की गूंज, सैनिकों की गतिविधियां और जनता के हित में लिए जाने वाले फैसले इस किले की पहचान थे। पदमा राज केवल शासन का केंद्र नहीं, बल्कि छोटानागपुर की प्रतिष्ठा और गौरव का प्रतीक भी था।

महाराजा राम नारायण सिंह ने मजबूत की राज की नींव

उन्नीसवीं सदी के अंतिम वर्षों और बीसवीं सदी के आरंभिक दौर में महाराजा राम नारायण सिंह ने रामगढ़ राज की बागडोर संभाली। यह वह समय था जब ब्रिटिश शासन का प्रभाव लगातार बढ़ रहा था, लेकिन रामगढ़ राज ने अपनी अलग पहचान बनाए रखी। महाराजा राम नारायण सिंह ने प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत किया और राजस्व प्रणाली को व्यवस्थित कर राज्य को स्थिरता प्रदान की। उनके नेतृत्व में पदमा राज ने विकास और सम्मान दोनों अर्जित किए।

लक्ष्मी नारायण सिंह के दौर में विकास और जागरूकता

राम नारायण सिंह के बाद महाराजा लक्ष्मी नारायण सिंह ने शासन संभाला। उनके कार्यकाल में शिक्षा, सामाजिक सुधार और प्रशासनिक विकास को नई दिशा मिली। देशभर में स्वतंत्रता की चेतना फैल रही थी और राजनीतिक जागरूकता बढ़ रही थी। ऐसे समय में पदमा राज ने भी बदलते भारत की धड़कनों को महसूस किया और सामाजिक बदलावों के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ा।

कामाख्या नारायण सिंह: राजशाही से लोकतंत्र तक का सफर

1919 में महाराजा कामाख्या नारायण सिंह ने शासन की जिम्मेदारी संभाली। उन्हें रामगढ़ राज का अंतिम शासक माना जाता है। उनके शासनकाल में भारत का स्वतंत्रता आंदोलन निर्णायक दौर में पहुंच गया था।

कपाली गोलीकांड में दूसरा आरोपी जम्बो बच्चा ओडिशा से गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : चांडिल थाना अंतर्गत कपाली ओपी क्षेत्र के इस्लामनगर में 02 जून को जमीन का काम करा रहे अफसर नवाज पर जान मारने की नीयत से फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने दूसरी गिरफ्तारी की है। पुलिस ने कांड के आरोपी मो. सलमान उर्फ जम्बो बच्चा को ओडिशा के बांगरीपोशी से गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त USA मेड 7.65 टट का पिस्टल भी बरामद किया गया है। चांडिल अनुमंडल एसडीपीओ कार्यालय में जानकारी देते हुए एसडीपीओ शिव प्रकाश कुमार ने बताया ।02 जून को हुई थी फायरिंग दिन मंगलवार दोपहर करीब 1:00 बजे कपाली ओपी अंतर्गत इस्लामनगर में जमीन का काम करा रहे अफसर नवाज पर जान मारने की नीयत से फायरिंग की गई थी। इस संबंध में वादी अफसर नवाज के फर्दबयान पर चांडिल (कपाली ओपी) थाना कांड संख्या-80/2026 दिनांक- 02.06.2026 धारा- 115(2)/126(2)/109/308(5)/3(5) BNS 2023 एवं 27 Arms Act के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था। बल्लू पहले ही भेजा जा चुका है जेल मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर गठित टीम ने 05.06.2026 को कांड में शामिल प्राथमिकी अभियुक्त अशफाक अहमद उर्फ बल्लू को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी।

ओडिशा से हुई गिरफ्तारी

छापेमारी के क्रम में पुलिस ने कांड में शामिल दूसरे आरोपी मो. सलमान उर्फ जम्बो बच्चा, उम्र 34 वर्ष, पिता- मो. मौला अली, पता- रोड नं. 17, ओल्ड पुरुलिया रोड, थाना- आजादनगर, पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर को ओडिशा के बांगरीपोशी से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसकी निशानदेही पर कांड में प्रयुक्त MADE IN USA अंकित 7.65 MM का पिस्टल बरामद किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी को आज माननीय न्यायालय में उपस्थापन के बाद मंडल कारा, सरायकेला भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार आरोपी मो. सलमान उर्फ जम्बो बच्चा का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है।

संक्षिप्त खबरें

प्रशासन बेल्टांड रघुनाथपुर सड़क का जल्द करवाए मरम्मती

पटमदा : ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर पूर्वी सिंहभूम जिला कमिटी के आदेश पर बोड़ाम प्रखंड में एक संगठनात्मक बैठक प्रखंड अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार महतो की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। बैठक में बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूती दिलाने, बोड़ाम रघुनाथपुर सड़क का जल्द मरम्मती करवाने,पेयजल समस्या समाधान,बिजली की आपूर्ति नियमित हो सहित कई जन समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। जिला सचिव खगेन चंद्र महतो ने कहा है कि बोड़ाम प्रखंड की जनता कई समस्याओं को लेकर परेशान है। प्रशासन को जन समस्याओं के समाधान को लेकर सक्रिय होना चाहिए। जिला महामंत्री सह बोड़ाम प्रभारी विश्वजीत जाना ने बताया कि बेल्टांड रघुनाथपुर मुख्य सड़क बोड़ाम बाजार में पूरी तरह से जर्जर हो गया हैं। बोड़ाम प्रखंड अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार महतो ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता की हर मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन करने को तैयार हैं। बहुत जल्द बोड़ाम मुख्य सड़क मरम्मती कार्य शुरू करवाने को लेकर प्रदर्शन किया जाएगा। बोड़ाम में आयोजित बैठक में मुख्य विश्वजीत जाना जिला महामंत्री सह बोड़ाम प्रभारी,किशन लाल महतो,खगेन चंद्र महतो जिला सचिव,सुधीर टुडू सहित काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पुराना पंचायत भवन बालिका मध्य विद्यालय में मर्ज करने की मांग, उपायुक्त को सौंपा आवेदन

सरिया : झंडा चौक सरिया स्थित बड़की सरिया पुराना पंचायत भवन को बालिका मध्य विद्यालय सरिया में मर्ज करने की मांग को लेकर प्रधानाध्यापक नरेश मंडल ने उपायुक्त गिरिडीह को एक आवेदन दिया है आवेदन के आलोक में कहा है कि उक्त पंचायत भवन कन्या मध्य विद्यालय सरिया के परिसर सटा हुआ है इस विद्यालय का परिसर काफी छोटा है जिससे बच्चों के पठन-पाठन खेलकूद एवं कार्यक्रम एवं गतिविधियों का संचालन करने में काफी परेशानी होती है विद्यालय में रसोई घर भी नहीं है जिस कारण एमडीएम संचालन में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है पुराना पंचायत भवन मुख्य मार्ग सरिया से भी सटा होने के कारण बाजार में आवागमन में हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है बढ़ती आबादी और विद्यालय में अध्यनरत छात्राओं के हितों को ध्यान में रखकर उक्त पुराना पंचायत भवन को कन्या मध्य विद्यालय में मर्ज कर देने से बच्चों के लिए खेलकूद मॉर्निंग असेंबली आदि के संचालन के साथ-साथ मध्यान्ह भोजन में आने वाली कठिनाइयां की समस्या का समाधान हो जाएगा आवेदन के आलोक में छात्राओं के हितों को ध्यान में रखते हुए यथाशीघ्र पुराना पंचायत भवन को बालिका मध्य विद्यालय सरिया में मर्ज करने की कृपा है की मांग की गई है।

कमलपुर पुलिस ने दो गायों को किया जब्त

पटमदा : कमलपुर थाना क्षेत्र के साहेब बांध के पास अगले सुबह एक स्कॉर्पियो से दो गयो को ले जाते जब्त किया गया। बता दे कि स्कॉर्पियो के अंदर से गायों को ग्रामीणों के सहयोग से बहार निकाला गया।बता दे कि वाहन पर गायों को लादकर ले जाने के दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर झाड़ियों में जा फंसी । वाहन को निकालने का प्रयास किया गया।लेकिन सफल ना होने पर वाहन चालक गाड़ी छोड़कर फरार होने में सफल रहे।पुलिस मामले की जांच करते हुए गायों को जब्त कर मामले में संलिप्त लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं।

मोहर्रम सेन्ट्रल कमेटी का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न, वसीम अहमद उर्फ टिंकू खान बने अध्यक्ष

▶ युवाओं की सकारात्मक भागीदारी बढ़ाने का होगा प्रयास : सचिव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : खिदमत -ए- खल्क कमेटी के बैनर तले हजारीबाग शहर स्थित मिलन पैलेस कल्लू चौक में बुधवार को मोहर्रम सेन्ट्रल कमेटी 2026 का चुनाव फिरोज खलिफा उर्फ राजा की अध्यक्षता में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया सर्वसम्मति से पूरी की गई, जिसमें समाजसेवी एवं वार्ड संख्या-21 के वार्ड पार्षद वसीम अहमद उर्फ टिंकू खान को मोहर्रम सेन्ट्रल कमेटी का अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही प्रवेज अहमद को उपाध्यक्ष, इरफान अहमद काजू को महासचिव तथा शादाब कुरैशी को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। उपस्थित लोगों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष वसीम अहमद उर्फ टिंकू खान ने कहा कि मोहर्रम केवल एक पर्व नहीं बल्कि त्याग, बलिदान, सत्य और इंसाफ का संदेश देने वाली महान धार्मिक परंपरा है। उन्होंने कहा कि मोहर्रम की धार्मिक आस्थाओं एवं परंपराओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष आयोजन को भव्य, अनुशासित और ऐतिहासिक बनाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही सभी अखाड़ों, अंजुमनों और समाज के लोगों के सहयोग से शांति एवं भाईचारे का वातावरण कायम रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता, आपसी सम्मान और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हुए हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। महासचिव इरफान अहमद काजू ने कहा कि मोहर्रम से जुड़े सभी कार्यक्रमों के संचालन में पारदर्शिता, अनुशासन और बेहतर प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कमेटी सभी सदस्यों एवं संबंधित संस्थाओं के सहयोग से कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए निरंतर कार्य करेगी।

ओबी डंपिंग विवाद ने लिया उग्र रूप, मारपीट और हवाई फायरिंग का आरोप

धनबाद : धनबाद के घनुडीह चीनकोठी बस्ती से सटे इलाके में सिंह नेचुरल आउटसोर्सिंग परियोजना के विस्तार को लेकर विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों ने बुधवार को बस्ती के समीप ओबी (ओवरबर्डन डंपिंग) का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि विरोध के दौरान कंपनी समर्थकों ने उनके साथ मारपीट की और दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग भी की। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर धनबाद के मेयर संजीव सिंह और घनुडीह ओपी प्रभारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से पूरे मामले की जानकारी ली। जांच के दौरान घटनास्थल से एक खोखा भी बरामद हुआ है, जिसे पुलिस ने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मेयर संजीव सिंह ने कहा कि ग्रामीणों की आपत्तियों के बावजूद ओबी डंपिंग की जा रही थी।

ईचागढ़ प्रखंड का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : सरायकेला-खरसावां जिला के उपायुक्त नीतिश कुमार सिंह द्वारा बुधवार को ईचागढ़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्वाचन, समाज कल्याण, कृषि, पशुपालन, जेएसएलपीएस सहित विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण कर कार्यालय संचालन व्यवस्था, उपस्थिति पंजी, अभिलेखों एवं पंजियों के संधारण की समीक्षा की गई।निरीक्षण क्रम में उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित रहकर सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं जिम्मेदारीपूर्वक निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं एवं आवेदनों का त्वरित निष्पादन किया जाए तथा कार्यालय आने वाले लोगों के साथ सहयोगात्मक एवं संवेदनशील व्यवहार रखा जाए, ताकि उन्हें अनावश्यक रूप से विभिन्न कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े।उपायुक्त ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने तथा पात्र लाभुकों को योजनाओं से आच्छादित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि कोई भी योग्य लाभुक सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं सामाजिक संस्थाओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण के दौरान सर्वेक्षण एवं जनगणना कार्यों में संलग्न कर्मियों को पूरी तत्परता, सजगता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त कार्यालयों में अभिलेखों एवं पंजीयों का सुव्यवस्थित संधारण, आवश्यक अभिलेखों का अद्यतन रख-रखाव तथा कार्यालयीन कार्यों में नियमित अनुश्रवण सुनिश्चित करने संबंधी निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने प्रखंड परिसर स्थित निमार्णाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्य एजेंसी को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य स्वीकृत प्राक्कलन एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपादित किया जाए तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।उपायुक्त ने कार्यालय परिसर एवं शौचालयों की नियमित साफ-सफाई, स्वच्छता एवं रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने का निर्देश देते हुए कहा कि आमजन को स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण में सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर खूँटी

भर्ती कैम्प-12.06.2026

राज्य के बेरोजगार युवक/युवतियों को देश-विदेश के निजी क्षेत्रों में रोजगार के सुअवसर प्राप्त करने हेतु नियोजित करने के उद्देश्य से जिला नियोजनालय खूँटी के द्वारा दिनांकः-12 जून 2026, दिन शुक्रवार को पूर्वाहन् 10:00 बजे से जिला नियोजनालय परिसर, खूँटी में भर्ती कैम्प आयोजित किया जा रहा है। उक्त भर्ती कैम्प में अब तक निम्नलिखित नियोजकों ने उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की हैः-

SN	Name and Address of the Employers	Name of the Post	No. Of Vacancies Male	No. Of Vacancies Female	Qualification	Experience	Salary	Age (Min-Max)	PF & ESIC (Yes/No)	Accommodation & Food Services (Yes/No)	Job Location
i	ii	iii	iv	v	vi	vii	viii	ix	x	xi	xii
01	Terrier Security Services, Karnataka	Security Guard	100	50	10th & Above	Any	17000/- 23000/-	20-40	Yes	NO	PAN India
02	PANIIT Alumni Reach For Jharkhand Foundation, Ranchi	Tiles Mason, Plumber, Electrical, Pipefitter	120	00	10th & Above	Any	30000/- INR 40000 APPROX	18-32	No	Yes	DUBAI
		Plumber Construction	70	00	5TH & Above	Any	20000/- 24000/-	18-32	Yes	Yes	PAN INDIA
		Electrical Vehicle Driving	40	00	10th & Above	Any	17000/- 22000/-	18-32	No	Yes	
		Forklift Operator	60	15	10th & Above	Any	21000/-	18-32	Yes	Yes	
		Assembly Line Operator & Industrial CMO (GIRLS)	50	50	8th & Above	Any	15000/- 17000/-	18-28	Yes	Yes	
03	Vision India Services Pvt. Ltd., Ranchi	Production Associate	50	50	12th, ITI, Diploma	Any	17000/- 23000/-	18-27	No	Yes	Bangalore
		Assembly Line Operator	50	50	12th, ITI, Graduation	Any	18000/- 23000/-	18-27			
		Trainee	50	50	10th,12th, ITI	Any	17000/- 19500/-	18-26			Goa
04	M/S Ranchi Security Pvt. Ltd, Ranchi	Centre Manager	02	02	Graduation	5 Years	20000/- 30000/-	18+	Yes	Yes	Ranchi, Gumla, Khunti
		MIS Executive	05	05	Graduation	5 Years	15000/- 17000/-				
		SMO/SET Trainer	05	05	Intermediate	5 Years	15000/- 17000/-				
		Housekeeping Staff	03	02	Any	1 Years	60000/-8000/-				
		Cook	03	02	Any	2 Years	8000/-13000/-				
		Mobilizer/Field Officer	05	05	10th	1 Year	12000/- 15000/-				
05	Mod mobiles/ Maruti Suzuki Authorized Service Center Khunti	Operation Service Manager	01	01	MBA + Automobile Diploma/ Graduate	3 Years	20000/- 25000/--	25-35	Yes	No	Khunti
		Service Advisor /Supervisor	02	02	ITI, Graduate, Diploma In Automobile	3 Years	15000/- 20000/-				
		Head Mechanic	02	00	ITI, Diploma In Automobile	5 Years	15000/- 25000/-				
		Helper Mechanic	02	00	10th	Basic Knowledge	8000/-10000/-	20-30			
		Store Keeper	01	01	Graduate	Computer Knowledge	10000/- 15000/-	22-35			
		Customer Care Executive	01	01		Good Communication Skill	8000/-10000/-	20-30			
		Car Wash Staff	01	00	10th	Basic Experience	8000/-10000/-	20-35			
		Cleaning Staff	01	01	10th	Office Cleaning Experience	6000/-10000/-	20-35			
		Accountant	01	01	B.COM	2-3 Years	18000/- 20000/-	20-35			

इच्छुक आवेदक (उम्मीदवार) जो पूर्व से निबंधित नहीं है वे अपने निकटतम नियोजनालय में अथवा jharniyojan.jharkhand.gov.in पर अपना निबंधन कराते हुए उपरोक्त भर्ती कैम्प में नियोजकों के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण पत्र, अंक प्रमाण पत्र, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्रों की छाया प्रति तथा बायोडाटा की दो प्रति एवं दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ साक्षात्कार हेतू उपस्थित हो सकते हैं। जो उम्मीदवार पूर्व में निबंधित है उन्हे पुनः निबंधन कराने की आवश्यकता नहीं है। चूंकि रिक्तियाँ निजि क्षेत्र से संबंधित है, अतः चयन की प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं रहेगा। विभाग एवं नियोजनालय मात्र सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य कर रहें है। भर्ती कैम्प में भाग लेने के लिए किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

जिला नियोजन पदाधिकारी
खूँटी।

PR 382031 (Labour Employment and Traning) 26-27 (D)

बदलाव की बयार : केंद्र-राज्य समन्वय और बिहार की नई विकास गाथा

कभी बिहार की पहचान देश के सबसे पिछड़े राज्यों में की जाती थी। बिहार का नाम अक्सर समस्याओं, पलायन और गरीबी के संदर्भ में लिया जाता था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में एक नया बिहार आकार लेता दिखाई दे रहा है। यह बदलाव रातोंरात नहीं आया है और न ही केवल किसी एक सरकार या व्यक्ति का परिणाम है। इसके पीछे केंद्र और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय, बुनियादी ढाँचे में निवेश, ग्रामीण विकास योजनाओं का विस्तार और कृषि को नई दृष्टि से देखने का प्रयास शामिल है। बिहार की कहानी को समझने के लिए सबसे पहले गाँवों को समझना होगा क्योंकि राज्य की बड़ी आबादी खेती-किसानी पर निर्भर है। इसलिए बिहार में विकास का वास्तविक अर्थ तभी है जब उसका लाभ किसान और ग्रामीण समाज तक पहुँचे। पिछले एक दशक में बिहार के ग्रामीण परिदृश्य में सबसे बड़ा बदलाव सड़क, बिजली और जलापूर्ति के क्षेत्र में दिखाई देता है। जिन गांवों तक कभी पहुँचना कठिन था, वहाँ आज सड़कें हैं। जहाँ बिजली कभी मेहमान की तरह आती थी, वहाँ अब अपेक्षाकृत नियमित आपूर्ति संभव हुई है। घर-घर नल का जल, ग्रामीण आवास और स्वच्छता जैसी योजनाओं ने जीवन की बुनियादी गुणवत्ता को बदलने का काम किया है। इन परिवर्तनों का प्रभाव खेती पर भी पड़ा है। सड़कें बेहतर हुईं तो किसान की उपज बाजार तक तेजी से पहुँचने लगी। बिजली की उपलब्धता बढ़ी तो सिंचाई और कृषि आधारित छोटे उद्योगों को सुविधा मिली। डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ी तो किसान तक मौसम, बाजार और सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुँचना आसान हुआ। केंद्र सरकार की योजनाओं ने इस बदलाव को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, ग्रामीण सड़क योजना और जल जीवन मिशन जैसी पहलों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आधार प्रदान किया। वहीं, राज्य सरकार ने कृषि रोडमैप, सिंचाई, ग्रामीण अवसंरचना और स्थानीय स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन के माध्यम से इन प्रयासों को जमीन पर उतारने का कार्य किया। बिहार की कृषि केवल धान और गेहूँ तक सीमित नहीं है। मक्का, फल, सब्जियाँ, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में राज्य की बड़ी संभावनाएँ हैं। आज बिहार देश के प्रमुख मक्का उत्पादक राज्यों में गिना जाता है। सब्जी उत्पादन में भी उसकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। यदि इन क्षेत्रों को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, कोल्ड स्टोरेज और बेहतर बाजार व्यवस्था से जोड़ा जाए, तो बिहार ग्रामीण समृद्धि का नया मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। यहीं पर नेतृत्व की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। बिहार में अब विकास की राजनीति को केवल घोषणाओं से आगे बढ़ाकर परिणामों से जोड़ने की आवश्यकता है। सम्राट चौधरी जैसे नेताओं की राजनीति का मूल्यांकन भी इसी कसौटी पर होगा कि वे किसान, युवा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को किस प्रकार विकास के केंद्र में रखते हैं। आज बिहार का युवा केवल सरकारी नौकरी नहीं बल्कि अवसर चाहता है। वह अपने राज्य में उद्योग, कृषि-आधारित रोजगार और उद्यमिता के नए रास्ते देखना चाहता है। यदि कृषि को प्रसंस्करण, भंडारण, लॉजिस्टिक्स और निर्यात से जोड़ा जाए तो लाखों नए रोजगार पैदा किए जा सकते हैं। यह बिहार के पलायन की समस्या का भी एक स्थायी समाधान हो सकता है। हालाँकि चुनौतियाँ अभी भी कम नहीं हैं। प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से कम है। औद्योगीकरण की गति को और तेज करने की आवश्यकता है। बाढ़ और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियाँ भी कृषि पर प्रभाव डालती हैं। लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद यह स्वीकार करना होगा कि बिहार अब केवल समस्याओं की कहानी नहीं है। वास्तव में बिहार की नई कहानी सहयोग की कहानी है- केंद्र और राज्य के सहयोग की, योजनाओं और क्रियान्वयन के समन्वय की और सबसे बढ़कर उस किसान की मेहनत की जिसने हर कठिन परिस्थिति में उत्पादन और आशा दोनों को जीवित रखा।

मोदी युग के बारह वर्षः विकास, विश्वास और विराट का उदय

ललित गर्ग

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड केवल शासन परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण के लिए याद किए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते बारह वर्षों का दौर ऐसा ही एक कालखंड है। यह केवल एक प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल की कहानी नहीं है, बल्कि उस भारत की कहानी है जिसने स्वयं को नए आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और नई वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को स्थापित किया है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि केवल राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि जनता के उस विश्वास का प्रमाण है जो बार-बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से व्यक्त हुआ है। भारत जैसा विशाल, बहुभाषी, बहुधार्मिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरा देश किसी नेतृत्व को लगातार तीन बार राष्ट्रीय जनादेश दे, यह अपने आप में असाधारण एवं ऐतिहासिक घटना है।

मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है। मोदी की सबसे विलक्षण विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता संचालन का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे जनभावनाओं और राष्ट्रीय आकांक्षाओं से जोड़ा। वे उन विरले नेताओं में हैं जिन्होंने सरकारी योजनाओं को केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें जनआंदोलन का स्वरूप दिया। स्वच्छ भारत अभियान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सफाई का विषय जो कभी सरकारी विभागों तक सीमित था, उसे राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ दिया गया।

मोदी युग को भारत की गुम होती सांस्कृतिक अस्मिता की पुनर्स्थापना के लिए भी याद किया जाएगा। सदियों से उपेक्षित राष्ट्रीय प्रतीकों, तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक विरासत को नई गरिमा मिली। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक चेतना के सम्मान का प्रतीक बना। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारनाथ पुनर्निर्माण और सोमनाथ जैसे तीर्थों का विकास यह संकेत देता है कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकती हैं। मोदी की एक और विशेषता यह है कि उन्होंने भारत की विदेश नीति को आत्मविश्वास का नया आयाम दिया। कभी विश्व शक्तियों के बीच संतुलन साधने वाला भारत आज वैश्विक विमर्श को प्रभावित करने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, पश्चिम एशिया का संकट हो, जी-20 का नेतृत्व हो अथवा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की आवाज उठाने का प्रश्न- भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई है। यह वही भारत है जिसे कभी विकासशील देशों की कतार में खड़ा माना जाता था, लेकिन आज दुनिया उसकी ओर समाधान प्रदाता राष्ट्र के रूप में देख रही है।

इन बारह वर्षों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि शासन के केंद्र में पहली बार अंतिम व्यक्ति को रखने का गंभीर प्रयास दिखाई दिया। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, मुफ्त राशन योजना तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने करोड़ों गरीबों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया। शासन की पारदर्शिता बढ़ी और बिचौलियों की भूमिका सीमित हुई। डिजिटल इंडिया अभियान ने तकनीक को केवल महानगरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली का एक विशिष्ट पक्ष उनका संकल्पबोध है। वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देते हैं। चाहे 370 का उन्मूलन हो, तीन तलाक पर रोक हो, जीएसटी लागू करना हो, महिला आरक्षण विधेयक हो अथवा नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति- इन सभी निर्णयों में राजनीतिक जोखिम था, लेकिन उन्होंने जोखिम उठाने का साहस दिखाया। यही साहस उन्हें सामान्य राजनेताओं से अलग करता है।

हालांकि, किसी भी लोकतांत्रिक शासन की तरह चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमताएं तथा आर्थिक अवसरों का असमान वितरण ऐसे प्रश्न हैं जिनका समाधान अभी अपेक्षित है। भारत यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है तो केवल आर्थिक वृद्धि पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ चिकित्सा, रोजगार सृजन और भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। मोदी सरकार के आगामी वर्षों से सबसे बड़ी अपेक्षा यही है कि वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपने अभियान को और अधिक प्रभावी बनाए। भारत को ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जहां ईमानदारी अपवाद नहीं, सामान्य व्यवहार बने। शिक्षा और स्वास्थ्य को व्यावसायिक माफियाओं के प्रभाव से मुक्त कर आम नागरिक की पहुंच में लाना भी समय की मांग है। साथ ही उद्यमिता को बड़े औद्योगिक घरानों तक सीमित रखने के बजाय गांवों, युवाओं और महिलाओं तक पहुंचाना होगा ताकि प्रत्येक नागरिक रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुझे अनेक अवसरों पर मिलने और उन्हें निकट से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वर्ष 2007 में, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में पूज्य आदिवासी जैन संत गणि राजेंद्र विजयजी के सान्निध्य में आयोजित एक विराट आदिवासी सम्मेलन में उनसे विस्तृत संवाद का अवसर मिला। उस सम्मेलन में वे केवल औपचारिक अतिथि के रूप में नहीं आए थे, बल्कि अपने संपूर्ण मंत्रिमंडल के साथ उपस्थित होकर आदिवासी समाज के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। उसी अवसर पर उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के शैक्षिक उत्थान हेतु एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय को हमारे सुखी परिवार फाउंडेशन को संचालित करने के लिए प्रदान किया तथा आदिवासी विकास की दिशा में ऐतिहासिक 15,000 करोड़ रुपये की वनबंधु कल्याण योजना की घोषणा की। यह उनकी दूरदृष्टि और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की सोच का प्रमाण था। इसी सम्मेलन के दौरान एक अत्यंत रोचक और ऐतिहासिक प्रसंग भी सामने आया। गणि राजेंद्र विजयजी ने नरेंद्र मोदी से कहा- अब आपको दिल्ली जाना चाहिए और देश की बागडोर संभालनी चाहिए। उस समय मोदीजी ने सहज मुस्कान के साथ उत्तर दिया- मुझे दिल्ली कौन ले जाएगा? किंतु संतों की वाणी में एक विशेष शक्ति होती है। जो बात उस समय एक साधारण संवाद प्रतीत हुई, वही कुछ वर्षों बाद भविष्यवाणी के रूप में सत्य सिद्ध हुई।

उन दिनों गुजरात सचिवालय में भी अनेक बार जाने और मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर मिला। वहां जो सबसे अधिक प्रभावित करने वाली बात थी, वह उनकी कार्यसंस्कृति का प्रभाव था। सचिवालय में बड़े से बड़े आईएएस अधिकारी भी आत्मानुशासन, समयपालन और स्वावलंबन का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते थे। अपने छोटे-छोटे कार्य स्वयं करना, अनावश्यक तामझाम से दूर रहना, समय का सदुपयोग करना और जिम्मेदारी को सर्वोपरि मानना वहां की प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बन चुका था। स्पष्ट महसूस होता था कि यह कार्यशैली शीर्ष नेतृत्व की प्रेरणा से विकसित हुई है। नरेंद्र मोदी केवल आदेश देने वाले प्रशासक नहीं हैं, बल्कि अपने आचरण से व्यवस्था को दिशा देने वाले नेतृत्वकर्ता हैं। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को कौशल, नवाचार और उद्यमिता से जोड़ा गया तो भारत केवल विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो सकता है। इसी प्रकार महिला शक्ति को विकास की मुख्यधारा में पूर्ण भागीदारी देकर राष्ट्र निर्माण की गति को कई गुना बढ़ाया जा सकता है। मोदी युग की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद आंकड़ों, परियोजनाओं या चुनावी जीतों में नहीं, बल्कि उस मनोवैज्ञानिक परिवर्तन में है जो भारत के जनमानस में दिखाई देता है। नरेंद्र मोदी ने बारह वर्षों में विकास की संरचनाएं खड़ी की हैं, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने करोड़ों भारतीयों के भीतर भविष्य के भारत की एक आकांक्षा जगाई है। 2047 के विकसित भारत का उनका संकल्प तभी साकार होगा जब विकास के साथ विश्वास, समृद्धि के साथ समान अवसर और शक्ति के साथ संवेदनशीलता भी जुड़ेगी। यदि यह संतुलन बना रहता है, तो इतिहास मोदी युग को केवल एक लंबे राजनीतिक कार्यकाल के रूप में नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और वैश्विक उदय के युग के रूप में याद करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा नये भारत के निर्माण का स्वर्णिम अध्याय

डॉ. मोहन यादव

भारत के इतिहास में नरेन्द्र मोदी का लगातार 3 बार प्रधानमंत्री बनना देश के लिये महत्वपूर्ण उपलब्धि है। नरेन्द्र मोदी की कार्यप्रणाली, सभी को साथ लेकर चलना और देश को सुरक्षा देने के साथ आर्थिक रूप से मजबूत बनाना ही उनकी विशेषता रही है। उनकी इन्हीं खूबियों ने नये भारत के निर्माण का स्वर्णिम अध्याय लिखा है।

नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, तब देश की जनता ने केवल एक सरकार नहीं चुनी थी बल्कि शासन की एक नई कार्यशैली और राजनीतिक संस्कृति की अपेक्षा भी व्यक्त की थी। बारह वर्षों बाद इस यात्रा को केवल योजनाओं, आंकड़ों और उपलब्धियों के आधार पर नहीं बल्कि उस व्यापक दृष्टिकोण के आधार पर समझना अधिक उचित होगा, जिसने शासन की सोच को प्रभावित किया। यदि इन बारह वर्षों को तीन शब्दों में समेटना हो, तो वे शब्द होंगे– सेवा, सुशासन और संकल्प।

प्रधानमंत्री की सोच में सेवा का अर्थ केवल कल्याणकारी योजनाएं चलाना नहीं रहा बल्कि सेवा का अर्थ शासन स्वयं को जनता का संरक्षक और सेवक के रूप में हैं। इस दृष्टि से पिछले बारह वर्षों में शासन की प्राथमिकताओं में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की उन्होंने चिंता की है। गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग को केवल वोट बैंक के रूप में नहीं, बल्कि विकास प्रक्रिया को केंद्र में रखने की कोशिश की जो सफलता के शिखर तक जा पहुंची। यही सोच पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद में भी दिखाई देती है। मोदीजी की सरकार ने बार-बार यह संदेश दिया है कि विकास का वास्तविक अर्थ तब है, जब उसका लाभ समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुंचे।

प्रधानमंत्री की प्रमुखता में सुशासन एक प्रमुख केन्द्र बना। सुशासन का अर्थ सरकार को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और प्रभावी बनाना है। डिजिटल तकनीक का उपयोग इसी दर्शन का हिस्सा था। तकनीक को केवल आधुनिकता का प्रतीक नहीं, बल्कि सुशासन का माध्यम माना गया। शासन और नागरिक के बीच की दूरी कम करने, प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा निर्णयों को अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किये गये जो लगातार जारी हैं। इसका मूल ध्येय यह है कि आम नागरिक को सरल और सहज तरीके से उसके अधिकार मिलें और योजनाओं का लाभ सहजता से मिल सके।

मुझे यह बताते हुये खुशी है कि मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो लोकतंत्र में संवाद को आवश्यक मानते हैं। उनका समय-समय पर अलग-अलग वर्गों से सीधा संवाद करना और उन्हें मार्गदर्शन देना अद्भुत है। वे युवाओं के लिये अभिभावक की भूमिका भी निभाते हैं। छात्र-छात्राओं को परीक्षा के समय आत्म मजबूत करने के लिये परीक्षा पर चर्चा जैसे विषयों पर उनका संवाद लगातार जारी रहता है। इसी क्रम में उनकी मन की बात कार्यक्रम को पूरा देश बड़े आत्मीय तरीके से आत्मसात करता है। यही प्रधानमंत्री की विशेषता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की कार्यशैली में यह स्पष्ट दिखाई दिया देता है कि बड़े निर्णयों से बचने के बजाय उन्हें समाधान तक कैसे पहुंचाया जाए? दरअसल, इसे ही निर्णायक नेतृत्व कहते हैं। यह निर्विवाद है कि निर्णय लेने की क्षमता इस शासनकाल की प्रमुख पहचान रही है। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में मोदी सरकार ने विकसित भारत को राष्ट्रीय संकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। यह संकल्प केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है। इसके भीतर आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय गौरव की भावना भी जुड़ी हुई है। पिछले बारह वर्षों में बार-बार यह संदेश दिया गया कि भारत को केवल विकासशील राष्ट्र के रूप में संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि उसे विश्व की अग्रणी शक्तियों में स्थान प्राप्त करना चाहिए। यह दृष्टिकोण भारतीय समाज में एक नए आत्मविश्वास का निर्माण करता है।

प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेकर हमने भी विकसित मध्य प्रदेश का सपना देखा। यह बताते हुए मन भाव-विभोर है कि मोदी का हर कदम पर हर निर्णय पर मार्गदर्शन, स्नेह और आशीर्वाद मिला। चाहे वर्षों से लंबित केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना हो या पीएम मित्र पार्क, उन्होंने आगे बढकर परेशानियों को दूर किया। उनके जैसा नेतृत्व दुर्लभ है। हाल ही में देश के सात राज्यों में पीएम मित्र पार्क बनाने का निर्णय हुआ, तो उस सूची में मध्य प्रदेश को भी रखा गया। यह अति प्रसन्नता का विषय है कि अब तक सिर्फ मध्य प्रदेश में ही पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन हुआ है और यह गौरव का विषय रहा कि धार में पार्क के भूमिपूजन में प्रधानमंत्री शामिल हुए। यह सब मध्य प्रदेश से उनके विशेष लगाव का परिणाम ही है।

प्रदेश में साइबर तहसील का सफल क्रियान्वयन हो या भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल, सब प्रधानमंत्री के स्नेह -आशीर्वाद - मार्गदर्शन का ही परिणाम है। आज प्रदेश में नौ एयरपोर्ट हैं, तो इसके पीछे भी उनका ही मार्गदर्शन है। आज हमारा मध्य प्रदेश नक्सल मुक्त है, तो इसके पीछे उनका ही दिशा-निर्देश है। उन्होंने समय- समय पर समझाया, तो चेताया भी। उन्होंने कहा कि गोली का जवाब गोली से दो पर जो लोग बंदूक-हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौट रहे हैं, उनके लिए बेहतर से बेहतर पुनर्वास की व्यवस्था भी हो। उनकी सलाह-चेतावनी का ही सुफल है कि आज मध्य प्रदेश लाल सलाम को आखिरी सलाम कह चुका है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में ही मध्य प्रदेश में उद्योगों का जाल बिछ रहा है, लाखों करोड़ का निवेश हो रहा है। फरवरी 2025 में भोपाल में आयोजित ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में शामिल होना, उनका विशेष स्नेह ही तो दशार्ता है। उन्होंने हमें संवेदना की सीख दी है। उनकी सीख ही थी कि हमने अपने शुरूआती निर्णयों में ही इंदौर के हुकुमचंद मिल के कामगारों को उनका बकाया अधिकार दिलवाने में सफलता हासिल की। कामगारों को चेक सौंपने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को प्रधानमंत्री ने वर्चुअली संबोधित भी किया था।

मध्य प्रदेश के सभी 55 जिलों में अग्रणी सरकारी कालेजों को प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करना हो या हाइवे का विकास हो, हर मोर्चे पर प्रधानमंत्री ने आगे बढ़कर रूचि दिखाई, मार्गदर्शन-मदद और स्नेह देते रहे। मोदीजी के कार्यकाल की एक महत्वपूर्ण विशेषता सांस्कृतिक चेतना का पुनर्रूत्थान भी है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने आधुनिकता को अपनाया, लेकिन अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर संकोच दिखाई दिया।

पिछले बारह वर्षों में भारतीयता, विरासत और सभ्यता पर गर्व करने का भाव अधिक मुखर होकर सामने आया है। यह विचार केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की हजारों वर्षों पुरानी सांस्कृतिक यात्रा को आधुनिक राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का प्रयास भी है। अयोध्या में राममंदिर का निर्माण हो, काशी का पुनर्विकास हो या विश्व मंचों पर भारतीय परंपराओं और योग का प्रचार- इन सभी के पीछे सांस्कृतिक आत्मविश्वास का वही भाव दिखाई देता है। उनसे प्रेरणा प्राप्तकर मध्यप्रदेश भी अपनी विरासत को संजो रहा है।

सूडोकु नवताल- 7822

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7821 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

वातानुकूलित कमरे में बैठकर क्रान्ति की कड़वी बातें

राधा रमण

राजनीति की डगर उबड़-खाबड़ होती है, पथरीली होती है। चिलचिलाती धूप में चलना होता है। सड़क पर विरोध-प्रदर्शन करना होता है। नारेबाजी करनी होती है, जेल जाना होता है और जरूरत पड़ने पर पुलिस की लाठियां भी खानी पड़ती है। वातानुकूलित कमरों में बैठकर तो सिर्फ मीठी-मीठी बातें होती है। क्या आपको लगता है कि देश के सियासी दल खासकर विपक्ष के दल सड़क पर उतरने की हालत में हैं? मुझे तो ऐसा नहीं लगता।

लगभग दो साल बाद विपक्षी दलों के गठबंधन (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्ल्यूसिव अलायंस) की बैठक नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में हुई, जिसमें पांच मुद्दों पर सहमति की बात कही गई। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बताया कि इंडिया गठबंधन के नेता मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), वोटर लिस्ट में हेरफेर और चुनाव की निष्पक्षता पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को चिट्ठी लिखेंगे। इसके अलावा बैठक में शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई। देश में आर्थिक स्थिति की बदहाली, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के मसले पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की सरकार से मांग की गई।

अब इसका विश्लेषण करते हैं। एसआईआर को लेकर पहले भी विपक्ष के कई दल सुप्रीम कोर्ट जा चुके हैं और मुंह की खाकर लौटे हैं। अब सीजेआई को पत्र लिखने से क्या नया हो जाएगा? नीट पेपर लीक और सीबीएसई 12वीं बोर्ड की नई ऑनस्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) को लेकर राहुल गांधी लंबे समय से शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। अभी तक इस्तीफा नहीं मिला। मिलने की उम्मीद भी कम है क्योंकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 2015 में ही स्पष्ट कर चुके हैं कि यह सरकार इस्तीफा देने वाली नहीं है। तबसे सरकार उसी लकीर पर चल रही है। बीच में कई मामले आए, चाहे वह तत्कालीन गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी का मामला हो, मंत्री कौशल किशोर का हो, बंदी संजय का हो, ब्रजभूषण शरण सिंह का हो अथवा हरदीप पुरी का हो, पिछले 12 वर्षों में एमजे अकबर के अलावा किसी ने इस्तीफा नहीं दिया है। अकबर का मामला भी अपवाद कहा जा सकता है क्योंकि प्रधानमंत्री ने उनसे इस्तीफा नहीं मांगा था। मीटू में नाम आ जाने और चरित्र हनन से आजिज आकर उन्होंने खुद ही पद छोड़ दिया था।

अब बात सर्वदलीय बैठक बुलाने की करते हैं। अगर विपक्ष के पास देश की बदहाल आर्थिक स्थिति से निकलने, महंगाई पर अंकुश लगाने, बेरोजगारी दूर करने और किसानों की आय बढ़ाने का कोई रोडमैप है, तो उसे जनता को बताना चाहिए। हो सकता है सरकार भी उससे सीख लेती। फिर क्या सरकार इन मुद्दों के प्रति गंभीर नहीं है? कृषि मंत्री संसद के पिछले सत्र में ही कह चुके हैं कि सरकार के प्रयास से किसानों की आय दोगुनी हुई है। तब संसद में बैठे विपक्ष के लोग क्या कर रहे थे। यह अलग बात है कि किसान अपनी बदहाली और बढ़ते कर्ज के कारण आत्महत्या कर रहे हैं।

विपक्षी गठबंधन की बैठक में यह भी तय किया गया कि गठबंधन के नेता हर दूसरे महीने मिलते-बैठक करते रहेंगे और मानसून सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में रोज बैठक करंगे। करिए, किसने रोका है? लेकिन इससे क्या हो जाएगा? देश में विपक्षी गठबंधन के नेताओं के पास सरकार के विरोध का कोई रोडमैप नहीं है। जिन क्षेत्रीय दलों के सहयोग से कांग्रेस राजनीतिक लड़ाई का व्यूह रचना चाहती है, उनका वजूद कांग्रेस के पुराने वोटरों से ही तो है। क्या वे अपना वोटबैंक कांग्रेस के लिए कुर्बान करेंगे? फिर क्या विपक्षी गठबंधन के किसी नेता ने कभी सड़क पर उतरने और जेल भरो आंदोलन करने कोशिश की है? नहीं। आज के नेता चाहे राहुल गांधी हों या अखिलेश यादव, तेजस्वी हों या कोई और, सभी सोशल मीडिया पर पोस्ट करके क्रान्ति करना चाहते हैं। नेताओं के इसी आरामतलब व्यवहार के चलते निष्ठावान कार्यकर्ता घर बैठ गए हैं। सभाओं में किराये की भीड़ जुटाई जाती है। यही कटु सत्य है। याद कीजिए, 1974 में विपक्ष के नेताओं ने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में लामबंद होकर आंदोलन किया था। सड़कों पर उतरे थे, पुलिस की लाठियां खायी थीं और जेल गए थे। तब कहीं इंदिरा गांधी की सरकार से मुक्ति मिली थी।

विपक्षी गठबंधन की एकता सिर्फ नेताओं में है, वह भी दिखावे के लिए है। कार्यकर्ता आज भी एक-दूसरे को निपटाने में ही मशगूल हैं। चुनाव में टिकट वितरण के दौरान विपक्षी गठबंधन के राज्यस्तरीय नेताओं की कटुता चरम पर होती है। हमने देखा कि विधानसभा चुनावों के दौरान सीट बंटवारे में इन्होंने एक-दूसरे पर क्या-क्या आरोप लगाये थे। कई जगहों पर फ्रेंडली फाइट करते दिखाई देते हैं और हार जाने के बाद बैठकर रुदाली करते हैं। देश ने देखा कि महाराष्ट्र में कैसे उद्धव ठाकरे और शरद पवार का उनके अपनों ने ही बिस्तर गोल कर दिया। अब पश्चिम बंगाल में भी यही हो रहा है। बिहार की हालत किसी से छिपी नहीं है। सबकुछ गंवाकर लालू परिवार अब सरकारी बंगले और व्यक्तिगत सुरक्षा पर कैसे हाय-तौबा कर रहा है। इनकी प्राथमिकता में जनता कहीं है ही नहीं। हाल का उदाहारण मध्य प्रदेश की राज्यसभा सीट को ले सकते हैं। कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन सूचना छिपाने के कारण रद्द हो जाने पर सिर्फ कांग्रेसी ही हो-हल्ला कर रहे हैं। बाकी विपक्ष खामोश है। ऐसे में आगे विपक्षी गठबंधन कौन-सी क्रान्ति कर लेगा, समझा जा सकता है।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

दैनिक पंचांग

11 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.35 बजे से
चंद्र	मेष में	कर्क	07.48 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.04 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.16 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.27 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.42 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.58 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.03 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.49 बजे से
		मीन	00.22 बजे से
		मेष	01.53 बजे से
		वृष	03.33 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 162 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि एकादशी 22.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 08.17 बजे को समाप्त।
योग शोभन 01.00 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 11.53 बजे तदनन्तर बालव 22.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 04'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872737
जूलियन दिन 2461202.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 25
विशेष कमला एकादशी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

पहली पत्नी रहते दूसरी शादी करना पड़ा महंगा आरोपी गिरफ्तार

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक व्यक्ति ने पहली पत्नी रहते, दूसरी शादी करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के अनुसार मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 50/26, दिनांक 27 अप्रैल 26, धारा 82(1)/85/3(5) बीएनएस के प्राथमिक अभियुक्त मो. आरिफ, पिता तफज्जुल हक, साकिन लालबथानी सरपंच टोला, थाना मुफस्सिल जिला साहिबगंज को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर उचित मार्गदर्शी दल के साथ सदर अस्पताल में शारीरिक जांच करवाने के उपरांत अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

दो अलग-अलग घटनाओं में जहरीले सांप के डंसने से बुजुर्ग व युवती की मौत

साहिबगंज: जिले क्षेत्र में अलग-अलग जगह में सांप काटने से दो की हुई मौत। मिली जानकारी के अनुसार नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुल्ली भट्ठा निवासी खोखा साह के 30 वर्षीया पुत्री ज्योति कुमारी का सांप काट लेने से गंभीर रूप से मूर्छित हो गई परिजनों ने आनन-फानन में सदर अस्पताल लेकर गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों ने कहा कि सुबह उठकर बरांडे पर किसी काम को लेकर जा रही थी तभी जाने के क्रम में विशाल सांप ने काट लिया, इसके बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं सदर अस्पताल के चिकित्सक ने कहा कि मूर्छित ज्योति कुमारी को लाने में बहुत देर किया गया है घंटो विलंब करने पर विश पूरी तरह से शरीर में फैल गया है जिसके कारण मूर्छित ज्योति की मौत हो गई। उधर सदर अस्पताल के तैनात चिकित्सक के द्वारा थाना इनफॉरमेशन किया गया। पुलिस के आने पर परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने के लिए मना कर दिया गया। परिजनों का कहना था कि मेरी बेटी की अभी मृत्यु नहीं हुई है मैं झार फूक कराने जा रहा हूं झाड़ फूक कराने से मेरी बेटी सही हो सकती है और जिंदा वापस आ सकती है। जहां दूसरे मामले में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत छोटी कोतरजन्ना निवासी स्वर्गीय अली हुसैन के 60 वर्षीय पुत्र मो. ख्वाजा हुसैन को सांप काट लेने मूर्छित हो गया, इसके बाद परिजनों ने तुरंत सदर अस्पताल लेकर गया, जहां सदर अस्पताल के इमरजेंसी ड्यूटी में तैनात चिकित्सक डॉक्टर मोहन मुर्मू के द्वारा देखरेख कर मृत घोषित कर दिया गया। परिजनों ने कहा कि मोबाइल नंबर कागज के पन्ने में लिखकर दीवार की छोटा छेद में घुस कर रख दिया था, फोन लगाने के लिए उस कागज को निकालने गए इसके बाद सांप ने काट लिया और मौत हो गई। उधर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

विस्थापित ग्रामीणों की बैठक में बाहरी लोगों की भूमिका पर जताई चिंता

अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के आलूबेड़ा स्थित सीनियर फुटबॉल मैदान के समीप बुधवार को ग्राम सुरक्षा विस्थापित कार्य समिति एवं अनुश्रवण एवं नियंत्रण कार्य समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में सेंट्रल कोल माइंस और नॉर्थ कोल माइंस से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में बड़ी संख्या में विस्थापित ग्रामीणों एवं दोनों समितियों के सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान ग्रामीणों को बाहरी व्यक्तियों द्वारा दिग्भ्रमित किए जाने के विषय पर गहन विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित लोगों ने आरोप लगाया कि कुछ लोग अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए भोले-भाले विस्थापितों को बहला-फुसलाकर उनका शोषण कर रहे हैं। बैठक में ऐसे प्रयासों का सामूहिक रूप से विरोध करने का निर्णय लिया गया तथा ग्रामीणों से एकजुट रहकर अपने अधिकारों एवं हितों की रक्षा करने की अपील की गई।

पेंशन घोटाले की जांच से बोरियो व बरहेट प्रखंड में हड़कंप, डीडीसी व एडीसी ने संभाली कमान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य के संथाल परगना प्रमंडल के कई जिलों के विभिन्न प्रखंड क्षेत्रों के पंचायतों एवं दूर दराज गांवों में इन दिनों फर्जी तरीके से मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना के लिए लाभुकों को स्वीकृति देने और लाभ मुहैया करवाने वाला सिंडिकेट सक्रिय है। विशेष सूत्रों के हवाले से सूचना प्राप्त हुई है कि पिछले एक सप्ताह से साहिबगंज जिले के कई प्रखंडों में सक्रिय पेंशन योजना सिंडिकेट के विरुद्ध कई प्रखंड विकास पदाधिकारियों के द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर संज्ञान लिया गया था। संज्ञान के आलोक में साहिबगंज जिले के बोरियो, बरहेट, तालझारी, बरहरवा सहित अन्य कई प्रखंडों में फर्जी वृद्धा पेंशन योजना का लाभ अयोग्य लाभुकों को स्वीकृति देकर सिंडिकेट के द्वारा मुहैया करवाये जाने की संभावना पर जांच पड़ताल के लिए जिला स्तरीय जांच टीम का गठन किया गया। जांच टीम का नेतृत्व डीडीसी के द्वारा किया जा रहा था। जांच के क्रम में फर्जी पेंशन लाभार्थियों (कम उम्र के अयोग्य लाभुकों) के बैंक अकाउंट में डीबीटी के माध्यम से दी गई वित्तीय सहायता की राशि का भी संभावना पर पेंशन से संबंधित अभिलेखों एवं पुराने दस्तावेजों की जांच पड़ताल की गई। फिनो बैंक, एयरटेल पेमेंट बैंक सहित कई डिजिटल ट्रांजैक्शन प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी फजीवाड़ा करने की बात सामने आई है। बोरियो प्रखंड क्षेत्र के कई पंचायतों में बाहरी लोगों को भी पेंशन योजना से लाभान्वित करने की कड़ी जुड़ने के बाद मंगलवार के रात, अधिकारियों के आदेश पर जिला पुलिस ने संदिग्ध मानते हुए बरहेट एवं बोरियो में कार्यरत दो कंप्यूटर ऑपरेटर को आवश्यक पूछताछ के लिए बोरियो थाना लेकर आई। पेंशन योजना में फजीवाड़े के संबंध में जांच पड़ताल के लिए बुधवार को डीडीसी सतीश चंद्रा एवं एडीसी गौतम भगत, बोरियो प्रखंड मुख्यालय पहुंचे। जांच के क्रम में बोरियो प्रखंड विकास पदाधिकारी नागेश्वर साव द्वारा पेंशन योजना से जुड़े सभी अभिलेख उपलब्ध कराया गया। डीडीसी व एडीसी द्वारा सभी पंचायत सचिवों को आवश्यक छानबीन के लिए दिशा निर्देश दिया गया। विशेष सूत्रों के अनुसार साहिबगंज जिला के कई प्रखंडों में हो रहे पेंशन योजना फजीवाड़े को लेकर बोरियो प्रखंड विकास पदाधिकारी नागेश्वर साव द्वारा, एक पंचायत सचिव के गुप्त शिकायत पर फाइलों की जांच पड़ताल की गई। बाद में गुप्त सूचनाओं के आधार पर प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों के पेंशन योजना से संबंधित फाइल की जांच पड़ताल शुरू की गई। जिसके बाद अन्य प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी को सूचित किया गया, जिसके बाद बरहेट प्रखंड में भी जांच पड़ताल शुरू की गईं। जांच पड़ताल के क्रम में गड़बड़ी पाए जाने पर बोरियो प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं बरहेट प्रखंड विकास पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से इसकी सूचना जिला के वरीय अधिकारियों को दी। सूचना एवं फाइलों के जांच पड़ताल के बाद डीडीसी द्वारा उच्च स्तरीय जांच टीम का गठन किया गया और पेंशन योजना से जुड़े सभी अभिलेख एवं पुराने दस्तावेजों को खंगाला गया, जिसमें कई गड़बड़ियां सामने आई। जिसके बाद कानूनी कार्रवाई के उद्देश्य से जिला पुलिस को सूचना दी गई।

क्या है वृद्धावस्था पेंशन का फर्जी मामला

मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को प्रति माह एक हजार रुपए सरकार के द्वारा वित्तीय सहायता के रूप में दी जाती है। वहीं अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के वरिष्ठ महिलाओं और पुरुषों को 50 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर इस पेंशन योजना का लाभ मिलना प्रारंभ हो जाता है। इस योजना के लिए उम्र ही मुख्य आधार है, लेकिन संथाल परगना प्रमंडल के कई जिलों में इन दिनों कम उम्र के नागरिकों को भी फर्जी तरीके से इस पेंशन योजना का लाभुक बनाकर सक्रिय सिंडिकेट के द्वारा काला खेल किया जा रहा है। सूत्रों के हवाले से सूचना है कि, सक्रिय सिंडिकेट में क्लर्क स्तर, पंचायत सचिवों, कंप्यूटर ऑपरेटर तथा बड़े स्तर के सरकारी अधिकारियों तक भी इसकी तार जुड़ने की संभावना जताई जा रही है।

सवाल, बिना ओटीपी के कैसे हो रहा था, फजीवाड़ा

मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना में बड़े स्तर पर हुए फजीवाड़े के संज्ञान में आने के बाद पदाधिकारियों के बीच भी चर्चा का विषय है कि बिना ओटीपी का आखिर फजीवाड़ा कैसे हो रहा था। कई प्रखंडों में पदस्थ प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा जब छुट्टियों के दिन कंप्यूटर ऑपरेटर को ओटीपी नहीं दी गई तो फिर फर्जी लाभुकों का सुचिकरण होना संभव नहीं है, क्या इसकी तार जिला सामाजिक कल्याण कार्यालय एवं राजधानी रांची तक जुड़ी है।

संक्षिप्त खबरें

पंजाब रेजिमेंटल सेंटर का शौर्य संपर्क दल भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों व उनके आश्रितों से मिला

साहिबगंज: जिले में 10 जून 2026 को जे और बी सब एरिया की देखरेख में पंजाब रेजिमेंटल सेंटर का शौर्य संपर्क दल साहिबगंज जिले के भूतपूर्व सैनिकों वीर नारियों व उनके आश्रितों से मिला। पंजाब रेजिमेंटल सेंटर रामगढ़ कैंट के कमांडेंट ब्रिगेडियर साजेश बाबू पी जी, की ओर से भेजे गए शौर्य संपर्क दल ने भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों तथा उनके आश्रितों की समस्याओं को सुना। इस दल ने साहिबगंज जिले के भूतपूर्व सैनिकों की शिकायतों के निवारण के लिए संबंधित अभिलेख कार्यालय व पेंशन विभाग की विसंगतियों को दूर किया गया शौर्य संपर्क दल ने प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिया। कैंप में आए भूतपूर्व सैनिको व वीर नारियों और आश्रितों का आभार शौर्य संपर्क दल ने जताया ल। इस मौके पर सूबेदार मेजर होनी, कैप्टन एन एन शाह, चेयरपर्सन, भूतपूर्व सैनिक संघ जिला साहिबगंज, अध्यक्ष तेज नारायण राय, जिला सैनिक संघ, सूबेदार गौतम कुमार गिरी, अमित तोड़ी, नायक रंजीत टुडू, नायक राजकुमार तिवारी, नायक प्रभु नाथ यादव, सूबेदार मेजर हनी, कैप्टन एन एन शाह, जिला सैनिक कल्याण संगठन साहिबगंज के द्वारा भारतीय सेना की वीरांगना कारगिल शहीद श्रीमती मंजु सिंह पत्नी स्व श्री सुबोध कुमार सिंह व गलवान घाटी में शहीद श्रीमती नम्रता कुमारी पत्नी स्व श्री कुन्दन कुमार ओझा को भी गोतम कुमार गिरि द्वारा सम्मानित किया गया तथा अनेक भूतपूर्व सैनिक, शौर्य संपर्क दल तथा वीर नारियां व उनके आश्रित मौजूद रहे। इस दल ने बताया की यह कार्यक्रम 07 जून से 10 जून 2026 के मध्य झारखंड के तीन जिलों दुमका, देवघर, व साहिबगंज में आयोजित किया गया। इस आयोजन का मकसद जहां वीर सैनिकों को याद करना है,वहीं उन सैनिक परिवारों की मदद करना भी है, सभी की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए है। हम समय-समय पर इस प्रकार के शिविरों का आयोजन करते रहेंगे आप सभी हमारे परिवार के एक हिस्सा है।

यज्ञ मंडप की परिक्रमा अत्यंत कल्याणकारी व लाभदायक : विजय महाराज

साहिबगंज: अपने बच्चों को सनातन धर्म से जोड़कर रखे, धर्म का ज्ञान दे, धार्मिक आयोजन में पूरे परिवार के साथ जाए ताकि युवा पीढ़ी में धर्म शास्त्र सनातन संस्कृति का ज्ञान हो। उक्त बाते तांत्रिक विजय महाराज ने कही। शहर के मां बायसी मंदिर प्रांगण में सात दिवसीय नौ कुंडिय शतचंडी महायज्ञ सह श्रीमद भागवत कथा तीसरे दिन बुधवार सुबह पुरोहितो ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ 33 कोटि देवी देवताओं का आह्वाहन करके यज्ञ मंडप का पूजन व हवन किया। सुबह, दोपहर व संध्या बेला में पूजन किया ओर आरती किया गया। वही तीसरे दिन यज्ञ मंडप की परिक्रमा करने श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंची। वही आयोजक तांत्रिक ने कहा कि यज्ञ मंडप की परिक्रमा करना अत्यंत कल्याणकारी और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध माना जाता है। इससे मनोवांछित फल और सुख- शांति मिलती है, शरीर को निरोगी बनाता है, जीवन की आपदाओं को दूर करता है। यह दिव्य ऊर्जा से जुड़े रहने का एक अनूठा अवसर है। यज्ञ मंडप का सच्ची निष्ठा से परिक्रमा करने से जन्म-जन्मांतर के पापों का क्षय होता है और आत्मा पवित्र होता है। भक्तों का मनोरथ पूरा होता हैं। यज्ञ स्थान पर 33 कोटि देवी-देवताओं का निवास होता है, यज्ञ मंडप की परिक्रमा से चारों धामों की यात्रा का फल मिलता है। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच परिक्रमा करने से सकारात्मकता बढ़ती है और मानसिक अशांति दूर होती है। महायज्ञ में भाग लेने वाले और परिक्रमा करने वाले लोग बहुत सौभाग्यशाली होते हैं, जिन्हें भगवान लक्ष्मी नारायण माता रानी की कृपा प्राप्त होती है। परिक्रमा हमेशा घड़ी की दिशा में, यानी अपने दाहिने हाथ की ओर से करनी चाहिए। वही वैदिक मंत्रोचारण से पूरा क्षेत्र शुद्ध पवित्र भक्तिमय हो गया है। शहर भक्ति के रंग में डूबा हुआ है। महायज्ञ परिसर में महिला पुरुष बच्चे बुजुर्ग श्रद्धालु पहुंचकर श्रीमद भागवत कथा, रासलीला का आनंद उठा रहे है। श्रीमद भागवत कथा सह रासलीला में शिव पार्वती का विवाह, शिव जी का बाराती दिखाया गया। मौके पर यज्ञ समिति सदस्य उपस्थित थे।

महाराजपुर एवं मोगलपाड़ा में शेरशाहबादी जाति पहचान संबंधी जाच संपन्न

साहिबगंज: शेरसाहबादी जाति प्रमाण पत्र पुनः निर्गत कराने की माँग के मद्देनजर उपायुक्त साहिबगंज द्वारा गठित शेरशाहबादी जाति की पहचान एवं सामाजिक स्थिति के अध्ययन हेतु जाँच समिति ने बुधवार को महाराजपुर एवं मोगलपाड़ा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। जाँच के दौरान समिति ने स्थानीय लोगों से संवाद कर शेरशाहबादी एवं खोरठा समुदाय के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। जाँच दल में अनुमंडल पदाधिकारी,राजमहल,भूमि सुधार उप समाहर्ता राजमहल, अंचल अधिकारी,बरहरवा सहित शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी के प्रतिनिधि मो. इस्तियाक, मो.आजमाइल, तौफाइल शेख, मामूद हसन एवं सोलोमन शेख उपस्थित थे।निरीक्षण के दौरान समिति ने दोनों समुदायों के लोगों से विस्तृत पूछताछ की तथा यह जानने का प्रयास किया कि शेरशाहबादी और खोरठा समुदायों के बीच सामाजिक एवं सांस्कृतिक स्तर पर क्या भिन्नताएँ हैं। विशेष रूप से इस तथ्य पर भी चर्चा की गई कि दोनों समुदायों के कई पुराने खातियानों में जाति के रूप में ह्लशेखह्व अंकित है,इसके बावजूद दोनों समुदाय स्वयं को अलग पहचान वाला मानते हैं। समिति ने स्थानीय बुजुर्गों,बुद्धिजीवियों एवं समुदाय के प्रतिनिधियों से ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीति-रिवाज, भाषा, सामाजिक परंपराओं तथा वंशावली संबंधी जानकारी एकत्र की।उल्लेखनीय है कि शेरशाहबादी समुदाय से संबंधित जाति प्रमाण-पत्र निर्गत करने के मुद्दे पर प्राप्त मांगों एवं तथ्यों की निष्पक्ष जाँच के उद्देश्य से दिनांक 01 जून 2026 को उपायुक्त,साहिबगंज द्वारा पाँच सदस्यीय जाँच समिति का गठन किया गया था। उसी के आलोक में समिति द्वारा क्षेत्र भ्रमण कर तथ्य संकलन का कार्य किया जा रहा है। जहां बुधवार को निरीक्षण एवं जाँच प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हुई।

सोशल मीडिया पर उठी आवाज, दिव्यांग कमली पहाड़िन को मिली व्हीलचेयर

पाकुड़ : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग्एक्सग्र पर दिनांक 09 जून 2026 को प्रसारित खबर के आलोक में लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत जामजोरी के ग्राम चीनपाड़ा निवासी कमली पहाड़िन की स्थिति का जिला प्रशासन द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी लिट्टीपाड़ा के माध्यम से स्थल जांच कराई गई। जांच संबंधित पंचायत के मुखिया एवं पंचायत सचिव की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। जांच के दौरान पाया गया कि कमली पहाड़िन, पिता रामा पहाड़िया, मानसिक एवं शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं। हालांकि उनका दिव्यांगता प्रमाण-पत्र अब तक निर्गत नहीं हो सका है, क्योंकि उनके आधार कार्ड में मोबाइल नंबर अद्यतन नहीं रहने के कारण दिव्यांगता जांच शिविर में आवश्यक प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। यह भी पाया गया कि कमली पहाड़िन की मानसिक स्थिति के कारण आधार कार्ड में मोबाइल नंबर जोड़ने हेतु बायोमेट्रिक सत्यापन के दौरान फिंगरप्रिंट प्राप्त करने में तकनीकी कठिनाइयां उत्पन्न हो रही हैं। इसके बावजूद प्रशासन द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से आधार में मोबाइल नंबर जोड़ने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है, ताकि उनका दिव्यांगता प्रमाण-पत्र शीघ्र बनाया जा सके और उन्हें सभी पात्र सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा सके।

गांजा बेचते युवक को पुलिस ने दबोचा, 25 पुड़िया गांजा बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के नगर थाना क्षेत्र के देवपुर स्थित काली मंदिर के पीछे आम बगीचा के पास अवैध रूप से गांजा बिक्री की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 25 पुड़िया गांजा बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को 9 जून को सूचना मिली थी कि देवपुर बायपास रोड स्थित आम बगीचा के पास गांजा की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए नगर थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। दंडाधिकारी की मौजूदगी में पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की, जहां एक व्यक्ति प्लास्टिक की थैली से गांजा की पुड़िया निकालकर बेचते पाया गया। पुलिस को देखते ही वहां मौजूद लोग भागने लगे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शिशु शेख (30 वर्ष), पिता-सिराजुल शेख, निवासी देवपुर को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से काले रंग की प्लास्टिक थैली में रखी 25 पुड़िया गांजा (कुल 51.06 ग्राम) बरामद की गई। इस मामले में नगर थाना में कांड संख्या 142/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(b)(ii)(A) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। छापेमारी दल में नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता, पुलिस अवर निरीक्षक सन्नी सुप्रभात, दिनेश कुमार सिंह, सहायक अवर निरीक्षक विपीन कुमार यादव तथा नगर थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

मानसून में नदियों को राहत, 15 अक्टूबर तक बालू खनन पर देशभर में रोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल,नई दिल्ली के आदेश पर मानसून सीजन में 10 जून से 15 अक्टूबर तक देशभर की सभी नदियों से बालू का खनन, ढुलाई और भंडारण पूरी तरह प्रतिबंधित हो गया है। एनजीटी हर साल मानसून में नदी की पारिस्थितिकी, जलीय जीवों और उनके प्रजनन चक्र के संरक्षण के लिए यह रोक लगाता है। पुलिस-प्रशासन ने सभी घाट संचालकों को सख्त हिदायत दी है कि उल्लंघन करने पर खनन अधिनियम और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई होगी। वाहनों को जब्त कर भारी जुमार्ना लगाने के साथ जेल भी भेजा जाएगा। चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर ने कहा एनजीटी का यह आदेश नदियों के लिए जीवनदान है। मानसून में खनन से कटाव बढ़ता है और जलीय जीवों का प्रजनन प्रभावित होता है। जनता भी प्रहरी बने और कहीं बालू खनन दिखे तो तुरंत प्रशासन को सूचना दे। पुलिस-प्रशासन ने भी आम लोगों से बालू खनन की सूचना देकर नदियों को बचाने में सहयोग की अपील की है। रोक लगने से सरकारी और गैर-सरकारी निर्माण कार्यों की रफ्तार धीमी पड़ने और बालू के दाम बढ़ने की आशंका है। इसे रोकने के लिए जिला खनन टास्क फोर्स ने विशेष छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है। अब 15 अक्टूबर के बाद ही नियमानुसार घाटों से खनन शुरू हो पाएगा।

28 जून से शुरू होगा तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान

1.89 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी जीवनरक्षक खुराक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के समाहरणालय स्थित सभागार में बुधवार को उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स (पल्स पोलियो अभियान) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 28 जून से प्रारंभ होने वाले तीन दिवसीय उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान सिविल सर्जन डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्रा ने जिले में पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों, माइक्रोप्लान, बूथ प्रबंधन, मानव संसाधन एवं जागरूकता गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रस्तुत की। उपायुक्त ने अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्य को शत- प्रतिशत हासिल करने पर विशेष बल देते हुए सभी प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों की तैयारियों की प्रखंडवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पोलियो उन्मूलन की दिशा में यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रह जाए। उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वैक्सीनेटरों एवं संबंधित कर्मियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि कार्य के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि या गलत रिपोर्टिंग की संभावना न रहे। उपायुक्त ने कहा कि अभियान के प्रथम दिन 28 जून को जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, सदर अस्पताल एवं निर्धारित बूथों पर पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके पश्चात 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्यकर्मी, सहिया एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगे। बैठक में बताया गया कि जिले में अभियान के सफल संचालन हेतु 1111 पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे तथा उनकी निगरानी के लिए 268 सुपरवाइजर प्रतिनियुक्त किए जाएंगे। अभियान के दौरान 1,89,475 बच्चों को पोलियो की खुराक देकर प्रतिरक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बारातियों से भरी बस पलटी, चार की मौत, 30 से अधिक घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

आमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के आमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत सिंगारसी-आमड़ापाड़ा मुख्य सड़क पर मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बारातियों से भरी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक लोग घायल हो गए। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, बस सुंदरपहाड़ी क्षेत्र के कदमपुर से महेशपुर प्रखंड के परियरदह बारात लेकर लौट रही थी। इसी दौरान आमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के मालीपाड़ा ढलान के समीप चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे बस सड़क किनारे पलट गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों की चीख-पुकार से पूरा इलाका गूंज उठा। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तथा घायलों को एंबुलेंस और अन्य वाहनों की सहायता से विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। हादसे में ओलेन मुर्मू (64 वर्ष) और राजेश टुडू (16 वर्ष) समेत कुल चार लोगों की मौत हो गई। अन्य दो मृतकों की ईलाज के दौरान मौत हुई है। वहीं 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की स्थिति गंभीर बताई जा रही है और कई की हालत में सुधार भी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। इस हृदयविदारक घटना से मृतकों के परिजनों में मातम पसरा हुआ है, जबकि पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

साहिबगंज जिले में तीन दिवसीय 70वीं संथाल परगना क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट 2026 का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के पुलिस केन्द्र में तीन दिवसीय 70वीं संथाल परगना क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट 2026 का बुधवार 10 जून 2026 को शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम का उ?द्घाटन अमित कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक, साहेबगंज द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। यह आयोजन 10 जून से 12 जून 2026 तक चलेगा। इसमें संथाल परगना प्रमंडल के विभिन्न जिलों यथा दुमका, जामताड़ा, गोड्डा, पाकुड़, देवघर और पुलिस इकाइयों के पुलिस अधिकारी एवं जवान अपनी पेशेवर दक्षताओं का प्रदर्शन करने के लिए हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर जामताड़ा जिला बल से 10, गोड्डा जिला बल से-10, देवघर जिला बल से-10, दुमका जिला बल से-18, पाकुड़ जिला बल से 14 एवं साहिबगंज जिला बल से 15 पुलिस पदाधिकारी एवं जवान भाग लिये हैं। इस ड्यूटी मीट का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देना और उनके पेशेवर कौशल को निखारना है। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन के दौरान भाग लेने वाले प्रतिभागी निम्नलिखित मुख्य विषयों और प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे- अपराध अनुसंधान, जटिल मामलों को सुलझाने की क्षमता की जांच। विधि-विज्ञान, घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने और उनके वैज्ञानिक विश्लेषण की तकनीक। कंप्यूटर साक्षरता और साइबर दक्षता बढ़ते साइबर अपराधों से निपटने के लिए डिजिटल कौशल का आंकलन। फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी अपराध स्थल की सटीक डॉक्युमेंटेशन की कला। अन्य पुलिस कौशल कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग से जुड़े विभिन्न व्यावहारिक परीक्षण। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बदलते समय के साथ अपराध के तरीके भी बदले हैं। ऐसे में इस तरह की ड्यूटी मीट पुलिस कर्मियों को नए तकनीकी टूल्स सीखने, अपनी कमियों को सुधारने और एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने का बेहतरीन मंच प्रदान करती है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना और पूरी ईमानदारी के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिले के अन्य पुलिस पदाधिकारी, निरीक्षक, थाना प्रभारी और जवान उपस्थित थे।

एक नजर

गौ तस्करी की आशंका में स्कॉर्पियो जब्त, दो गाय बरामद

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के कमलपुर थाना क्षेत्र में गौ तस्करी की आशंका से जुड़ा एक मामला सामने आया है। बांगुड़दा साहेब बांध के समीप बुधवार तड़के एक स्कॉर्पियो दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में मिली, जिसमें से पुलिस ने दो गायों को बरामद किया। घटना के बाद वाहन में सवार सभी लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस ने स्कॉर्पियो को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सुबह स्थानीय ग्रामीणों ने सड़क किनारे झाड़ियों में फंसी एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को देखा। वाहन के भीतर गाय के होने की सूचना मिलने पर कमलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों गायों को सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें अपने संरक्षण में ले लिया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि गायों को अवैध रूप से पश्चिम बंगाल की ओर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई और झाड़ियों में जा घुसी। दुर्घटना के बाद तस्करी में शामिल लोगों ने वाहन को निकालने की कोशिश की, लेकिन असफल रहने पर स्कॉर्पियो और गायों को छोड़कर फरार हो गए।

पुलिस अधीक्षक ने महिला थाना का किया औचक निरीक्षण

बोकारो : पुलिस अधीक्षक, बोकारो ने बुधवार को नगर महिला थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना में लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए मामलों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन का निर्देश दिया। साथ ही महिला संबंधी मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। पुलिस अधीक्षक ने महिला थाना के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को शहर के संवेदनशील और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में नियमित रूप से पिंक पेट्रोलिंग संचालित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा उनमें सुरक्षा की भावना को और मजबूत करने के लिए पुलिस की सक्रिय उपस्थिति आवश्यक है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि महिलाओं से संबंधित किसी भी शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान थाना की कार्यप्रणाली, अभिलेखों और लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर महिला थाना के पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

विवाह का वादा कर दुष्कर्म का आरोप युवक गिरफ्तार

चास : चास (मु0) थाना क्षेत्र की एक महिला द्वारा 22 मई 2026 को दिए गए आवेदन के आधार पर राकेश कुमार दास नामक युवक के विरुद्ध शिकायत दर्ज की गई थी। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया था कि राकेश कुमार दास ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में विवाह से इनकार कर दिया। प्राप्त आवेदन पर चास (मु0) थाना में दिनांक 22 मई 2026 को कांड सं. 55/26 के तहत धारा 69/352/351 (2) बीएनएस-2023 के अंतर्गत अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। घटनास्थल व साक्ष्यों की जांच के बाद पुलिस ने विस्तृत अनुसंधान कर आरोपी की पहचान व तलाश जारी रखी। पुलिस ने बताया कि आज, 10 जून 2026 को अभियुक्त राकेश चन्द्र वैष्णव उर्फ राकेश कुमार दास को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का पता दर्ज है—पे० स्व० तारापद वैष्णव, साता- वाटविनोर, थाना चास (मु0), जिला बोकारो। गिरफ्तार करने वाली छापामारी दल में चास थाना प्रभारी पु0अ0नि0 प्रकाश मंडल, पु0अ0नि0 मो0 मोजम्मील तथा सशस्त्र बल के अधिनस्थ कर्मी शामिल थे।

बूथ स्तर का कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत संगठन को बनाएं मजबूत : विनोद कुमार पांडे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो टाउन हॉल में बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा जिला स्तरीय बूथ सम्मेलन सह कार्यकर्ता महासम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस महासम्मेलन में पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में जिलाभर के पार्टी पदाधिकारियों, बूथ स्तरीय कार्यकताओं और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी। सम्मेलन के दौरान संगठन की मजबूती, बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने तथा आगामी राजनीतिक रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम स्थल पर केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडे के पहुंचते ही कार्यकताओं में भारी उत्साह देखा गया। जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी और बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव के नेतृत्व में उनका झारखंडी संस्कृति के अनुसार भव्य स्वागत किया गया। महिला-पुरुष कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की थाप पर 'लोटा-पानी' की रस्म के साथ उनका अभिनंदन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने पार्टी के समर्थन में गगनभेदी नारे लगाए और मुख्य अतिथि विनोद कुमार पांडे को चांदी का मुकुट व माला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस जिला स्तरीय बूथ सम्मेलन में मुख्य रूप से वर्तमान में चल रही जनगणना प्रक्रिया और संभावित एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) को लेकर बूथ स्तर के कार्यकताओं को आवश्यक तकनीकी जानकारी और निर्देश दिए गए। पार्टी नेताओं ने कार्यकताओं को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर जनता को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करें। महासम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडे ने कहाः झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा सरकार का नेतृत्व कर रही है और पार्टी राज्य की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी और दायित्व भी सबसे अधिक हैं। बूथ स्तर का कार्यकर्ता ही पार्टी की असली रीढ़ और ताकत होता है। संगठन की मजबूती हमेशा बूथ से ही तय होती है। हमें सरकार की उपलब्धियों को हर घर तक पहुंचाना है। सम्मेलन को विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो ने भी कार्यकताओं में जोश भरा और संगठन को और अधिक गतिशील बनाने की अपील की। सम्मेलन के दौरान पार्टी नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं से आगामी राजनीतिक चुनौतियों और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर पूरी गंभीरता के साथ काम करने का आह्वान किया। चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि बोकारो जिले के हर बूथ पर संगठन को अभेद्य किला बनाने के लिए लगातार कार्यक्रम चलाए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित हजारों कार्यकताओं ने संगठन की मजबूती और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का सामूहिक संकल्प लिया।

सेवा, संस्कार और संस्कृति का संगम : महिला समिति बोकारो का वार्षिकोत्सव संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : महिला समिति, बोकारो का वार्षिकोत्सव बीएसएल के मानव संसाधन विभाग के मुख्य सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक, डीआईजी (सीआईएसएफ), सहित कई वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत महिला समिति की सदस्याओं द्वारा पौधा, पुष्पगुच्छ एवं गुलाब भेंट कर किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। महिला समिति, बोकारो की अध्यक्ष शुभम रंजन ने अतिथियों का अभिनंदन करते हुए समिति द्वारा समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामुदायिक विकास के क्षेत्र में किए जा रहे विविध कार्यों एवं योगदानों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक सचिव श्वेता कुमार ने किया, जबकि समिति की सचिव ऋचा प्रियदर्शिनी ने समिति की वार्षिक गतिविधियों एवं विभिन्न परियोजनाओं का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक एवं मनोरंजक बनाते हुए समिति की सदस्याओं ने नृत्य, गीत एवं लघु नाटिका (स्किट) सहित अनेक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। इस अवसर पर समिति की सचिव द्वारा रचित एक विशेष गीत भी प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित जनों ने खूब सराहा। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए महिला समिति द्वारा समाज एवं समुदाय के कल्याण हेतु किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने समिति की सक्रियता, समर्पण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को प्रेरणादायी बताया। इस अवसर पर महिला समिति की वार्षिक पत्रिका मैत्री का भी विमोचन किया गया। उल्लेखनीय है कि यह आयोजन समिति की अध्यक्ष शुभम रंजन के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। समिति की उपाध्यक्ष अल्का मनवटी, देवजानी मिश्रा, आशा दत्त, डॉ. सेलिना एवं सुनीता भारद्वाज, सचिव ऋचा प्रियदर्शिनी, सांस्कृतिक सचिव श्वेता कुमार, कोषाध्यक्ष अभिरुचि प्रिया, सह-कोषाध्यक्ष संघमित्रा पात्रा, सुरभि प्रभारी अनीशा झा, विद्यालय प्रभारी नीतू सुनीत एवं आशा राज, स्टिचिंग एवं सैनिटरी इकाई की प्रभारी प्रीति राजेश तथा समिति की सदस्याएँ समिता मोहंती, कल्पना वर्मा, भावना, रश्मि, यामिनी एवं अन्य सदस्याओं के समर्पित प्रयासों, उत्कृष्ट समन्वय एवं टीम भावना से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पति ने की विवाद में पत्नी की हत्या, गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : एमजीएम थाना क्षेत्र के तुरियाबेड़ा स्थित धमार्बाधा में मंगलवार देर रात पति-पत्नी के बीच हुआ विवाद खूनी वारदात में बदल गया। घरेलू कलह के दौरान एक होटल संचालक ने अपनी पत्नी के सिर पर खलबट्टे से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने आरोपित पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान 40 वर्षीय गीता मंडल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उनके पति बापी मंडल डिमना रोड क्षेत्र में एक होटल का संचालन करते हैं। मंगलवार रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई, इसी वजह से बापी मंडल ने घर में रखे खलबट्टे से गीता के सिर पर जोरदार वार कर दिया। गंभीर चोट लगने के कारण वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ीं। घटना के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना एमजीएम थाना पुलिस को दी।

डीडीसी ने सदर अस्पताल, पंचायत सचिवालयों आवास एवं मनरेगा योजनाओं का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा वितरण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल ने बुधवार को सदर अस्पताल, पंचायत सचिवालयों तथा विभिन्न विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त ने सदर अस्पताल पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं एवं साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके पश्चात उप विकास आयुक्त एवं जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत मोहनपुर, डांगापाड़ा एवं शहरग्राम पंचायत सचिवालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान पंचायत स्तर पर संचालित योजनाओं, अभिलेखों के संधारण, जनसेवा कार्यों एवं पंचायत सचिवालयों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित कर्मियों को योजनाओं का लाभ समय पर पात्र लाभुकों तक पहुंचाने तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके उपरांत उप विकास आयुक्त ने महेशपुर प्रखंड अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निमार्णाधीन आवासों का निरीक्षण कर लाभुकों से संवाद किया तथा कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा की। साथ ही मनरेगा अंतर्गत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना एवं कुआं निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित कर्मियों/ अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता बनाए रखने तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करें।

सांसद ने सुनी वार्डों में समस्याएं समाधान का दिया आश्वासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : सांसद कालीचरण मुंडा के आवासीय जिला कार्यालय में बुधवार को नगर पंचायत कांग्रेस कमेटी की बैठक बुधवार को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगरपंचायत कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गुलाम गौश ने की। यह बैठक जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि मिश्रा के निर्देश पर आयोजित की गई, जिसमें सांसद कालीचरण मुंडा स्वयं उपस्थित थे। बैठक में एसआईआर से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों की जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वार्ड अध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों में पेयजल, सड़क, सफाई, नाली, बिजली सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को सांसद और जिला नेतृत्व के समक्ष रखा। बैठक में नगर पंचायत क्षेत्र के सभी 19 वार्डों के वार्ड अध्यक्ष मौजूद रहे। सभी ने अपने क्षेत्रों की प्रमुख समस्याओं से सांसद को अवगत कराया। सांसद कालीचरण मुंडा ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और वार्ड स्तर तक प्रत्येक नागरिक की आवाज सुनी जाएगी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने संगठन की मजबूती और एसआईआर अभियान की सफलता पर जोर देते हुए वार्ड अध्यक्षों से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम नहीं छूटना चाहिए और सभी कार्यकर्ता अपने-अपने बीएलओ के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। बैठक का संचालन गुलाम गौश ने किया। अंत में उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन जनता और प्रशासन के बीच एक मजबूत सेतु के रूप में कार्य करता रहेगा।

मानगो फ्लाइओवर का केंद्रीय मंत्री ने किया निरीक्षण इस साल तक निर्माण पूरा होने की उम्मीद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : शहर की बहुप्रतीक्षित मानगो फ्लाइओवर (एलिवेटेड कॉरिडोर) परियोजना का बुधवार को केंद्रीय कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने निरीक्षण किया। डिमना चौक और मानगो राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-33) क्षेत्र में पहुंचकर उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और परियोजना से जुड़े अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने निमार्णाधीन फ्लाइओवर के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया और कार्य की गति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार देशभर में आधारभूत संरचना के विकास को प्राथमिकता दे रही है और मानगो फ्लाइओवर परियोजना भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनके अनुसार यह परियोजना पूरी होने के बाद जमशेदपुर की यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। सतीश चंद्र दुबे ने बताया कि लगभग 10 किलोमीटर लंबे इस एलिवेटेड कॉरिडोर का कुछ हिस्सा वन विभाग की भूमि से जुड़ा हुआ है। आवश्यक स्वीकृतियां और अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) समय पर नहीं मिलने के कारण निर्माण कार्य की गति प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और वन विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर लंबित प्रक्रियाओं को जल्द पूरा किया जाना चाहिए, ताकि परियोजना निर्धारित समय सीमा में पूरी हो सके। उन्होंने कहा कि फ्लाइओवर के निर्माण से मानगो, डिमना चौक, उलीडीह और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से बनी ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत मिलेगी। इसके साथ ही लोगों के आवागमन का समय कम होगा और शहर के आर्थिक एवं शहरी विकास को भी नई गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि सभी आवश्यक अनुमतियां मिलने के बाद निर्माण कार्य और तेज होगा और वर्ष 2026 के अंत तक इस महत्वाकांक्षी परियोजना को पूरा कर जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह फ्लाइओवर जमशेदपुर की यातायात व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगा। इस अवसर पर जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा, भाजपा के मीडिया प्रभारी प्रेम झा सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

रक्तदान, विद्यार्थी सम्मान और योग शिविर का आयोजन करेगा मारवाड़ी युवा मंच

झुमरीतिलैया : मारवाड़ी युवा मंच, झुमरीतिलैया शाखा की आम सदस्यों की बैठक में जून माह के विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। बैठक में समाज हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई तथा कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 14 जून को रक्तदान शिविर एवं विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों की सहायता की जाएगी, वहीं बोर्ड परीक्षाओं एवं विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। रक्तदान शिविर के लिए अनुराग हिसारिया एवं शिवेश पच्चीसिया को परियोजना निर्देशक बनाया गया है। मंच के अध्यक्ष मोहित संघई ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है और युवा पीढ़ी को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन देना भी मंच का दायित्व है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सदस्यों एवं आम नागरिकों के लिए निःशुल्क योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में प्रशिक्षित योगाचार्यों द्वारा योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया जाएगा तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा भीषण गर्मी को देखते हुए निर्जला एकादशी के अवसर पर शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर राहगीरों के लिए निःशुल्क शीतल शरबत वितरण कार्यक्रम चलाया जाएगा, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिल सके। बैठक में आगामी नेत्र दिवस पर निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव भी रखा गया। साथ ही प्रचार वाहन के माध्यम से बैनर एवं पोस्टर लगाकर नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाने की योजना पर भी चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त राजगढ़िया मोड़ पर स्थापित वाटर कूलर के सुचारू संचालन में आ रही समस्याओं को देखते हुए उसे उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान कोषाध्यक्ष महावीर खेतान ने वर्तमान सत्र का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया। वहीं सचिव अतुल खेतान ने सभी कार्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी देते हुए युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में सामाजिक एवं सेवा कार्यों से जुड़ने की अपील की। बैठक में सदस्यता विस्तार, सामाजिक सरोकारों एवं संगठन की आगामी गतिविधियों पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

पश्चिमी सिंहभूम : गोइलकेरा रेलवे क्रॉसिंग के समीप मंगलवार रात रेल दुर्घटना में युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गोइलकेरा के क्रिस्तान टोला, धातकीडीह निवासी सुखराम सांडिल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम करीब साढ़े सात बजे डाउन लाइन से गुजर रही ट्रेन संख्या 18110 इतवारी-टाटा एक्सप्रेस की चपेट में आने से सुखराम सांडिल गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वह पुराना गोइलकेरा की ओर से रेलवे ट्रैक पर चलते हुए फाटक की तरफ आ रहा था। इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसके दोनों पैर कट गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान पहुंचे और एंबुलेंस बुलवाई। हालांकि स्ट्रेचर उपलब्ध नहीं होने के कारण घायल युवक को करीब एक घंटे तक रेलवे ट्रैक से नहीं हटाया जा सका। इस दौरान युवक ट्रैक पर ही गंभीर अवस्था में पड़ा रहा। घटना के कारण डाउन लाइन पर कुछ समय के लिए ट्रेनों का परिचालन भी प्रभावित रहा। बाद में सुखराम सांडिल को गोइलकेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल चाईबासा रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। चाईबासा सदर अस्पताल पहुंचने पर रात करीब 12 बजे चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता संजय सांडिल और मां राधे सांडिल ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी फोन के माध्यम से मिली। उन्होंने कहा कि सुखराम का व्यवहार अच्छा था और वह मजदूरी का काम करता था। वह मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे घर से निकला था। शाम करीब छह बजे उसकी परिवार से फोन पर बात भी हुई थी, जिसमें उसने घर लौटने की बात कही थी। परिजनों ने बताया कि उन्हें यह अंदाजा भी नहीं था कि कुछ ही घंटों बाद इतनी बड़ी दुर्घटना हो जाएगी। घटना के बाद परिवार और गांव में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई है।

बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना में भारी अनियमितताओं का आरोप

पूर्वी सिंहभूम : बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना को लेकर चल रहे जन आंदोलन ने बुधवार को नया मोड़ ले लिया। बागबेड़ा महानगर विकास समिति के अध्यक्ष एवं आंदोलनकारी सुबोध झा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने योजना के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान समिति की संरक्षक एवं पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की पुत्री दुखनी सोरेन भी मौजूद रहीं। निरीक्षण दल में छोटे राय मुर्मू, कृष्ण चंद्र पात्रो, प्रभा हांसदा, महेश सिंह, संतोष जायसवाल, रामेश्वर प्रसाद, पवित्र पांडे, सौरभ कुमार, अखिलेश कुमार, अजय शर्मा और कन्हैया पांडे समेत कई लोग शामिल थे। निरीक्षण के बाद सुबोध झा ने आरोप लगाया कि 29 मई 2026 को जारी रिपोर्ट में जून माह के भीतर जलापूर्ति शुरू करने का दावा किया गया था, लेकिन जमीनी स्थिति इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा कि योजना के कई कार्य अब भी अधूरे पड़े हैं और 15 जून तक लोगों को पानी मिलना संभव नहीं दिख रहा। उन्होंने प्रशासन और संबंधित एजेंसियों पर जनता तथा न्यायालय को गुमराह करने का आरोप लगाया। दुखनी सोरेन ने कहा कि जब तक योजना पूरी तरह चालू नहीं हो जाती, तब तक वे अपने निजी टैंकरों के माध्यम से क्षेत्रवासियों को पानी उपलब्ध कराती रहेंगी। उन्होंने बताया कि योजना में कथित भ्रष्टाचार और निर्माण संबंधी अनियमितताओं के खिलाफ जन जागरण अभियान चलाया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर विधानसभा घेराव और पदयात्रा भी की जाएगी। निरीक्षण के दौरान फिल्टर प्लांट, इंटक वेल और अन्य संरचनाओं में निर्माण गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए। समिति का आरोप है कि कई जगहों पर दीवारों में दरारें दिखाई दीं, प्लास्टर कमजोर पाया गया तथा निर्माण कार्य को रंग-रोगन कर छिपाने का प्रयास किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने पूरे मामले की न्यायिक जांच कराने और कथित भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए झारखंड उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करने की मांग की है।

संक्षिप्त डायरी

पटना में एआई से अश्लील वीडियो बनाकर युवक को ब्लैकमेल, लाखों की ठगी

पटना (एजेंसी) एआई से फर्जी अश्लील वीडियो बनाकर युवक को ब्लैकमेल किया गया. बदमाशों ने धमकी देकर उससे 1.20 लाख रुपये की ठगी कर ली. मामला साइबर थाने में दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी है. पटना के कंकड़बाग इलाके में साइबर ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एआई की मदद से एक युवक का फर्जी अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया गया और उससे 1.20 लाख रुपये की ठगी कर ली गई. मामला साइबर थाने में दर्ज कर लिया गया है. अंजान कॉल से शुरू हुआ खेल पीड़ित युवक के मोबाइल पर एक अंजान नंबर से वीडियो कॉल आया। कुछ देर बाद कॉल कट गया. इसके बाद युवक के व्हाट्सएप पर एक युवती के साथ अश्लील वीडियो भेजा गया, जिसे एआई तकनीक से एडिट कर तैयार किया गया था. सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी बदमाशों ने युवक को धमकी दी कि अगर पैसे नहीं दिए गए तो वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाएगा और उसके परिचितों को भी भेजा जाएगा. बदनामी के डर से युवक उनके झांसे में आ गया. किस्तों में की गई ठगी शुरूआत में बदमाशों ने 10 हजार रुपये लिए और वीडियो डिलीट करने का भरोसा दिया. इसके बाद लगातार अलग-अलग बहाने बनाकर 15 हजार रुपये और फिर कई किस्तों में कुल 1.20 लाख रुपये वसूल लिए गए. लगातार मांग से परेशान होकर पहुंचा पुलिस के पास लगातार पैसों की मांग से परेशान होकर युवक ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. साइबर थाने में केस दर्ज पीड़ित की शिकायत के आधार पर साइबर थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और आरोपियों की पहचान व लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश की जा रही है.

महाभारत और जरासंध से जुड़ी चीजें शेखपुरा के चांदी वृंदावन पहाड़ पर मिलीं

पटना (एजेंसी) जिले के अरियरी प्रखंड स्थित चांदी वृंदावन पहाड़ एक बार फिर चर्चा में है. पहाड़ और आसपास के क्षेत्र में बिखरी प्राचीन मूर्तियों और पांडुलिपियों के मिलने एवं संबंधित अधिकारियों के दौरे से इतिहास से जुड़े नए रहस्यों के खुलने की उम्मीद बढ़ गई है शेखपुरा से प्रदीप कुमार की रिपोर्ट शेखपुरा जिले के अरियरी प्रखंड स्थित चांदी वृंदावन पहाड़ एक बार फिर चर्चा में है. यहां प्राचीन पांडुलिपियों और ऐतिहासिक धरोहरों की खोज को लेकर जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सुजीत कुमार सुमन ने स्थल का निरीक्षण किया. पहाड़ और आसपास के क्षेत्र में बिखरी प्राचीन मूर्तियों को देखकर इतिहास से जुड़े नए रहस्यों के खुलने की उम्मीद बढ़ गई है. प्राचीन धरोहरों की खोज में पहुंचे अधिकारी जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सुजीत कुमार सुमन ने चांदी वृंदावन पहाड़ और चांदी गांव का विस्तृत निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में मौजूद प्राचीन मूर्तियों और अन्य ऐतिहासिक अवशेषों का जायजा लिया. जांच के लिए कुछ नमूने भी अपने साथ ले गए हैं. इतिहास के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरा स्थल निरीक्षण के दौरान पदाधिकारी ने कहा कि चांदी वृंदावन पहाड़ शेखपुरा के गौरवशाली इतिहास से जुड़ा एक महत्वपूर्ण स्थल है. यहां मौजूद पुरातात्विक अवशेष इस क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की ओर संकेत करते हैं. उन्होंने इस धरोहर को संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया. पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की मांग जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी ने कहा कि इस ऐतिहासिक स्थल को संरक्षित कर पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए. इससे न केवल जिले की ऐतिहासिक पहचान मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और विकास के नए अवसर भी पैदा होंगे. वर्षों से उठ रही है खुदाई की मांग स्थानीय ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ता पिंटू चंद्रवंशी द्वारा लंबे समय से इस क्षेत्र में वैज्ञानिक खुदाई कराने और पर्यटन विकास की मांग की जा रही है. उनका मानना है कि पहाड़ के अंदर और आसपास कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्य छिपे हो सकते हैं, जो जिले के इतिहास को नई पहचान दे सकते हैं. महाभारत काल और जरासंध से जुड़ी है मान्यता स्थानीय मान्यताओं के अनुसार चांदी वृंदावन पहाड़ का संबंध महाभारत काल और मगध सम्राट जरासंध से माना जाता है. इसी वजह से यह स्थल इतिहासकारों और शोधकताओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. यदि यहां व्यापक स्तर पर शोध और खुदाई होती है तो कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक जानकारियां सामने आ सकती हैं. ऐतिहासिक विरासत को बचाने की जरूरत ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते इस क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित नहीं किया गया तो कई महत्वपूर्ण अवशेष नष्ट हो सकते हैं. लोगों ने सरकार और पुरातत्व विभाग से जल्द सर्वेक्षण और संरक्षण कार्य शुरू करने की मांग की है, ताकि शेखपुरा की इस अनमोल विरासत को सुरक्षित रखा जा सके.

8 मिलियन व्यूज वाली ट्रेन स्टंट रील पड़ी भारी, हाजीपुर की महिला को अब देना होगा इतना जुमार्ना

पटना (एजेंसी) हाजीपुर में चलती ट्रेन के गेट पर स्टंट कर बनाई गई वायरल रील पर रेलवे ने की कार्रवाई. 8 मिलियन व्यूज पाने वाली महिला को अब देना होगा इतना जुमार्ना और भविष्य में ऐसी हरकत नहीं करने की चेतावनी. सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने के लिए चलती ट्रेन के गेट पर लटककर रील बनाना एक महिला को महंगा पड़ गया. इंस्टाग्राम पर वायरल हुई इस रील को 8 मिलियन तक व्यूज मिले थे, लेकिन वीडियो रेलवे अधिकारियों की नजर में आने के बाद कार्रवाई शुरू हो गई. जांच के बाद जीआरपी ने महिला पर 2500 रुपये का जुमार्ना लगाया और भविष्य में ऐसी हरकत नहीं करने की सख्त चेतावनी दी. मामले में रेलवे सुरक्षा पोस्ट हाजीपुर में महिला को बुलाकर पूछताछ की गई. इसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां उस पर 2500 का जुमार्ना लगाया गया. के अनुसार वायरल वीडियो के आधार पर महिला की पहचान कर उसे नोटिस जारी किया गया था. चलती ट्रेन के गेट पर बनाया था वीडियो जानकारी के अनुसार कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था, जिसमें एक महिला चलती ट्रेन के गेट पर लटककर वीडियो बनाती दिखाई दे रही थी. वीडियो वायरल होने के बाद जीआरपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला की पहचान की और नोटिस जारी कर थाने पर बुलाया. पूछताछ के दौरान महिला ने अपना नाम पिंकी देवी, पति अनिल पासवान, निवासी दुबहा वार्ड संख्या-3, थाना सहदेई बुजुर्ग बताया. उसने स्वीकार किया कि जून माह में हाजीपुर से मुजफ्फरपुर जाने के दौरान उसने यह वीडियो बनाया था और बाद में इंस्टाग्राम पर अपलोड किया था. रेलवे की अपीलः लाइक और व्यूज के लिए जान जोखिम में न डालें रील वायरल होने के बाद उसने वीडियो को अपने अकाउंट से हटा भी दिया. महिला ने जीआरपी के समक्ष लिखित रूप से आश्वासन दिया कि वह भविष्य में इस तरह का कोई खतरनाक वीडियो नहीं बनाएगी और न ही ऐसी गलती दोहराएगी. जीआरपी अधिकारियों ने कहा कि चलती ट्रेन में स्टंट करना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि जानलेवा भी साबित हो सकता है. रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर लाइक और व्यूज के लिए अपनी तथा दूसरों की जान जोखिम में न डालें.

बिहार के सीएम सम्राट चौधरी ने पीएम मोदी को लिखी लंबी चिट्ठी; 1934 के किस बंटवारे की चर्चा की

पटना (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार 12 वर्ष के कार्यकाल पूरे होने पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उन्हें बधाई पत्र लिखा। पत्र में उन्होंने बिहार की गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने में समृद्ध बिहार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार 12 वर्षों के कार्यकाल पूरे होने पर उन्हें बधाई देते हुए एक विस्तृत पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि विकसित भारत के सपने को पूरा करने में समृद्ध बिहार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बिहार की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक विरासत का उल्लेख करते हुए राज्य के विकास में केंद्र सरकार के सहयोग को अहम बताया। सम्राट चौधरी ने पत्र में लिखा कि बिहार का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। भारत के इतिहास में बिहार को शक्ति, संस्कृति और शिक्षा के केंद्र के रूप में जाना जाता रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार ज्ञान और मोक्ष की भूमि है, जहां आचार्य चाणक्य ने अर्थशास्त्र की रचना की और आर्यभट्ट ने शून्य का आविष्कार किया। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय और विक्रमशिला विश्वविद्यालय को विश्व के प्रमुख ज्ञान केंद्र बताते हुए कहा कि राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय की पुनर्स्थापना प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और केंद्र सरकार के सहयोग से ही संभव हो सकी। वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री द्वारा नए नालंदा विश्वविद्यालय परिसर का उद्घाटन इस गौरवशाली विरासत को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। जेपी और कर्पूरी ठाकुर के योगदान को किया याद पत्र में सम्राट चौधरी ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने आपातकाल के खिलाफ बिहार से सम्पूर्ण क्रांति का शंखनाद कर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने जननायक कर्पूरी ठाकुर को सामाजिक न्याय और समानता का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनके विचार आज भी बिहार की विकास यात्रा का मार्गदर्शन कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने को पिछड़े, वंचित और उपेक्षित वर्गों के लिए सम्मान और गर्व का विषय बताया। केंद्र सरकार के सहयोग से बदली बिहार की तस्वीर सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार के विकास में केंद्र सरकार का लगातार पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के विकास के लिए 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें 54 हजार 700 करोड़ रुपये सड़क और पुल निर्माण के लिए दिए गए थे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में बिहार सरकार का बजट 3 लाख 47 हजार करोड़ रुपये है, जिसमें केंद्र सरकार का बड़ा योगदान है। राज्य सरकार अपने संसाधनों से लगभग 75 हजार करोड़ रुपये जुटाती है, जबकि बाकी राशि केंद्रीय करों में हिस्सेदारी और अनुदान के रूप में प्राप्त होती है। सड़क, पुल और एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं का किया जिक्र पत्र में उन्होंने कहा कि वर्ष 1934 के भूकंप के बाद मिथिलांचल दो हिस्सों में बंट गया था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कोसी महासेतु का निर्माण कर इस क्षेत्र को फिर से जोड़ा गया। उन्होंने गंगा नदी पर गांधी सेतु के जीर्णोद्धार, मोकामा में राजेंद्र सेतु के समानांतर छह लेन पुल, मुंगेर में श्रीकृष्ण सेतु और पटना, दीघवारा-शेरपुर तथा भागलपुर में बन रहे नए पुलों का भी उल्लेख किया। सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देश के बाद बिहार में पहली बार पांच एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को मंजूरी मिली। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण ट्रेनों, विशेष रूप से वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरूआत हुई। पटना मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है ।

गया जी के लाल मेजर आशीष कुमार को मिला शौर्य चक्र, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया

पटना (एजेंसी) मेजर आशीष कुमार को उनकी अदम्य वीरता, साहस और उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता के लिए देश के प्रतिष्ठित शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है. यह सम्मान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह-26 गया जी जिले के कोंच बाजार निवासी मेजर आशीष कुमार को उनकी अदम्य वीरता, साहस और उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता के लिए देश के प्रतिष्ठित शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है. यह सम्मान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह-26 (फेज-1) के दौरान प्रदान किया. इस उपलब्धि के बाद कोंच समेत पूरे गया जी जिले में खुशी और गर्व का माहौल है. आतंकवाद विरोधी अभियान में दिखाई असाधारण बहादुरी मेजर आशीष कुमार भारतीय सेना की 7 पैरा (स्पेशल फोर्सेस) में तैनात हैं. नवंबर 2024 में जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग क्षेत्र में चलाए गए एक महत्वपूर्ण आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान उन्होंने असाधारण साहस और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया. कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने मिशन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई. अपनी जान की परवाह किए बिना संभाली कमान ऑपरेशन के दौरान मेजर आशीष कुमार ने अपनी सुरक्षा की चिंता किए बिना पूरे दस्ते, सहायक हथियार इकाइयों और स्नाइपर टीमों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित किया. उनकी रणनीति, सूझबूझ और नेतृत्व के कारण सेना का अभियान सफलतापूर्वक पूरा हुआ और सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली. दो खूंखार आतंकवादियों का हुआ खात्मा सेना के इस सफल ऑपरेशन में दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया. अधिकारियों के अनुसार अभियान की सफलता में मेजर आशीष कुमार की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही. उनके साहसिक नेतृत्व और वीरता को देखते हुए उन्हें शौर्य चक्र जैसे प्रतिष्ठित वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया. राष्ट्रपति के हाथों सम्मान मिलने से बढ़ा गौरव नई दिल्ली में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों शौर्य चक्र प्राप्त करना मेजर आशीष कुमार और उनके परिवार के लिए गौरवपूर्ण क्षण रहा. इस सम्मान ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे गया जिले और बिहार का नाम रोशन किया है. कोंच में खुशी की लहर मेजर आशीष कुमार को शौर्य चक्र मिलने की खबर जैसे ही कोंच पहुंची, पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई. स्थानीय लोगों, सामाजिक कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों ने इस उपलब्धि पर गर्व जताया. कोंच प्रमुख मनी देवी, एलजेपी नेता कमलेश शर्मा और सुनील कुमार सहित कई लोगों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं. व्यवसायिक परिवार से सेना के वीर अधिकारी तक का सफर मेजर आशीष कुमार का परिवार कोंच में व्यवसाय से जुड़ा हुआ है.

'बेटियां जीनियस बन रही हैं, अब शादी का खर्च लड़के वाले उठाएं'

पटना (एजेंसी) पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने दहेज प्रथा पर बड़ा बयान देते हुए कहा कि अब समय बदल चुका है. बेटियां जब हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, तो शादी का खर्च लड़के वालों को उठाना चाहिए. उन्होंने महिलाओं के सम्मान और सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने की भी अपील की. पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने महिलाओं के सम्मान, बेटियों की उपलब्धियों और दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों को लेकर खुलकर अपनी बात रखी. वह पूर्णिया में दरोगा बहाली में चयनित छात्राओं के सम्मान समारोह में पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत में महिलाओं की पूजा तो हमेशा की गई, लेकिन उन्हें वह सम्मान नहीं मिला जिसकी वे वास्तविक हकदार हैं. पहले मां के नाम से पहचाना जाता था परिवार अपने संबोधन में पप्पू यादव ने प्राचीन परंपराओं का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि पहले समाज में मातृत्व को सर्वोच्च स्थान दिया जाता था. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि इतिहास और पौराणिक कथाओं में लोगों की पहचान मां के नाम से होती थी. कुंती-पुत्र और कैकेयी-पुत्र जैसे संबोधन इसका उदाहरण हैं. उनके अनुसार, उस समय मां की पहचान परिवार और समाज के केंद्र में थी. महिलाओं की स्वतंत्र पहचान पर जताई चिंता सांसद ने कहा कि समय के साथ महिलाओं की स्वतंत्र पहचान कमजोर होती गई. उन्होंने कहा कि समाज ने महिलाओं को धार्मिक प्रतीकों तक सीमित कर दिया है. उन्होंने कहा कि काली और दुर्गा जैसी देवियों को छोड़ दें तो सीता, कौशल्या, मीरा और राधा जैसी महिलाओं की स्वतंत्र पहचान को उतनी प्रमुखता नहीं मिली, जितनी मिलनी चाहिए थी. बेटियां हर क्षेत्र में बना रही हैं पहचान पप्पू यादव ने बेटियों की उपलब्धियों की सराहना की. उन्होंने कहा कि आज लड़कियां शिक्षा, प्रशासन, खेल और अन्य क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन कर रही हैं. उनके मुताबिक, बेटियां लगातार आगे बढ़ रही हैं और अपनी प्रतिभा से समाज की सोच बदल रही हैं. उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि महिलाओं को पीछे धकेलने वाली सोच को पूरी तरह खत्म किया जाए. दहेज, भ्रूण हत्या और भेदभाव खत्म करने की अपील अपने संबोधन में उन्होंने कई सामाजिक कुरीतियों का जिक्र किया. उन्होंने दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या, सती प्रथा, विधवाओं के प्रति भेदभाव और महिलाओं के लिए इस्तेमाल होने वाले अपमानजनक शब्दों की आलोचना की. उन्होंने कहा कि ऐसे सभी सामाजिक बुराइयों को जड़ से खत्म करना जरूरी है. दहेज प्रथा पर दिया नया फॉर्मूला तिलक-दहेज के मुद्दे पर बोलते हुए पप्पू यादव ने कहा कि अब समाज को अपनी सोच बदलनी होगी. उन्होंने कहा कि जब बेटियां पढ़-लिखकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं, तो शादी का पूरा खर्च लड़के वालों को उठाना चाहिए. ह्यदहेज लेने वालों को सबक सिखाने का समयह्ण अपने चुटीले अंदाज में उन्होंने कहा कि अगर कोई लड़के का पिता छिपकर भी दहेज लेता है, तो लड़की वालों को उसका विरोध करना चाहिए. उनके इस बयान पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं. खासकर युवाओं और छात्राओं में इसे लेकर काफी उत्साह देखने को मिला.

पटना की इस जगह पर फिर से शुरू होगी मेगा स्क्रीनिंग, अब हर वीकेंड फ्री में देख सकेंगे फिल्में

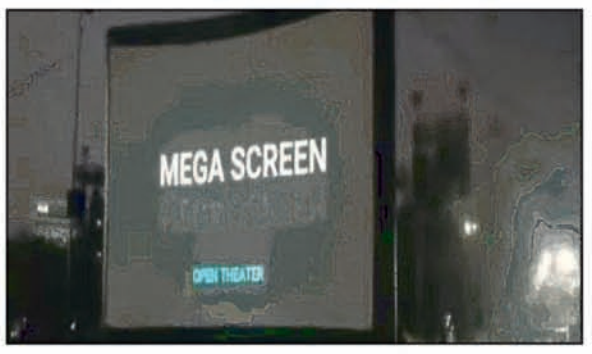

पटना (एजेंसी) पटना के लोगों के लिए खुशखबरी है. गांधी मैदान की मेगा स्क्रीन एक बार फिर शुरू होने जा रही है. अब हर शनिवार और रविवार फ्री में फिल्में, क्रिकेट मैच और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया जा सकेगा. पटना के लोगों के लिए अच्छी खबर है. गांधी मैदान गेट नंबर-4 के पास लगी मेगा स्क्रीन को एक बार फिर शुरू किया जा रहा है. अब शहरवासी हर शनिवार और रविवार शाम 6 बजे से फ्री में फिल्में देख सकेंगे. शुरूआत लोकप्रिय फिल्म पुष्पा से होगी. 13 जून को पुष्पाः द राइज (पुष्पा 1) और 14 जून को पुष्पा 2 का प्रदर्शन किया जाएगा. इसके अलावा क्रिकेट मैचों और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी लाइव प्रसारण होगा. एक साथ 5 हजार लोग देख सकेंगे शो पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने इस मेगा स्क्रीन की शुरूआत साल 2021 में की थी. कुछ वर्षों से यह स्क्रीन बंद थी, लेकिन अब इसे फिर से आम लोगों के लिए खोला जा रहा है. करीब 70 फीट लंबी और 40 फीट ऊंची यह विशाल स्क्रीन एक साथ लगभग 5 हजार दर्शकों को फिल्म देखने की सुविधा देती है. इसकी खासियत यह है कि इसे दूर से भी आसानी से देखा जा सकता है. 320 फीट दूर से भी दिखेगी साफ तस्वीर मेगा स्क्रीन को इस तरह डिजाइन किया गया है कि दर्शक 30 फीट से लेकर 320 फीट तक की दूरी से भी फिल्म का आनंद ले सकते हैं. इसमें फुल एचडी प्रोजेक्शन, एडवांस एज-ब्लेंडिंग तकनीक और डॉल्बी डिजिटल सराउंड साउंड सिस्टम लगाया गया है. यही वजह है कि खुले मैदान में भी थिएटर जैसा अनुभव मिलता है. देश की सबसे बड़ी आउटडोर स्क्रीन होने का दावा पटना स्मार्ट सिटी मिशन के तहत स्थापित इस स्क्रीन को देश की सबसे बड़ी आउटडोर स्क्रीन माना जाता है. देश के कई शहरों जैसे मुंबई, दिल्ली और बड़ोदरा में ड्राइव-इन थिएटर मौजूद हैं, लेकिन वहां दर्शकों की क्षमता सीमित रहती है. पटना की यह स्क्रीन आकार और दर्शक क्षमता दोनों के मामले में अलग पहचान रखती है. यहां एक समय में हजारों लोग बैठकर कार्यक्रम देख सकते हैं. इनफ्लेटेबल है पूरी स्क्रीन गांधी मैदान की यह मेगा स्क्रीन इनफ्लेटेबल तकनीक पर आधारित है. यानी हर शो से पहले इसमें हवा भरकर इसे ट्रस सिस्टम की मदद से खड़ा किया जाता है.

पटना में फेवरेट पिकनिक स्पॉट बन रहा गंगा विहार क्रूज, एंटरटेनमेंट का मिलेगा डबल डोज, जानिए

पटना (एजेंसी) पटना में वैसे तो घूमने-फिरने की कई जगहें हैं लेकिन अब धीरे-धीरे गंगा विहार क्रूज लोगों का फेवरेट पिकनिक स्पॉट बनता जा रहा है. ऐसे में गंगा की सैर यादगार होने वाली है. इस क्रूज में लोगों को एंटरटेनमेंट का डबल डोज मिलेगा. पटना में घूमने-फिरने का मजा दोगुना हो गया है. बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम ने ह्यगंगा विहार क्रूजह्ण सेवा को नये तरीके से शुरू किया है. इसका उद्देश्य गंगा नदी पर पर्यटन को बढ़ावा देना है. पटना के गांधी घाट से संचालित होने वाली इस सेवा की जिम्मेदारी अब लेनिन डिलक्स क्रूज कंपनी को सौंपी गई है. नये प्रबंधन के तहत क्रूज को मॉडर्न सुविधाओं और आकर्षक इंटीरियर डिजायन बनाया गया है. यहां लोगों को अलग एक्सपीरियंस मिल सकेगा. एक बार में इतने पर्यटक कर सकते हैं सफर जानकारी के मुताबिक, यह क्रूज दो मंजिला है और इसमें एक बार में 65 पर्यटक यात्रा कर सकते हैं. नीचे के फ्लोर पर एयर कंडीशन्ड एरिया बनाया गया है, जबकि ऊपर वाले फ्लोर पर खुला स्काई डेक और डांस फ्लोर की व्यवस्था की गई है. गंगा के बीचों-बीच बहती ठंडी हवाओं के बीच म्यूजिक और एंटरटेनमेंट की सुविधाएं पर्यटकों को विशेष आकर्षण प्रदान करेंगी. पर्यटन विभाग को उम्मीद है कि यह सेवा पटना में नदी पर्यटन को नयी पहचान देगी. हफ्ते में दो दिन मिलेगी लोगों को यह सुविधा क्रूज के ऑपरेशन मैनेजर मोहम्मद अहमद ने बताया कि वर्तमान में ह्यगंगा विहार क्रूजह्ण का संचालन हर शनिवार और रविवार को किया जायेगा. प्रति व्यक्ति 899 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है, जिसमें हाई टी और स्नैक्स शामिल रहेंगे. क्रूज का सफर गांधी घाट यानी से शुरू होकर गाय घाट तक जाएगा और फिर वापस गांधी घाट लौट आयेगा. इस दौरान यात्रियों को रिकॉर्डेड म्यूजिक के साथ कई जानकारी भी दी जाएगी. क्रूज पर होगी विशेष गाइड की व्यवस्था जानकारी के मुताबिक, गंगा विहार क्रूज सेवा में पर्यटकों के लिए विशेष गाइड की व्यवस्था की गई है, जो उन्हें पटना की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से रूबरू करायेंगे. टाइमिंग की बात करें तो, फिलहाल गर्मी को ध्यान में रखते हुए क्रूज पर बोर्डिंग का समय शाम 4:55 बजे निर्धारित किया गया है. यह सफर शाम पांच बजे शुरू होगी और 6:30 बजे समाप्त होगी, जिसमें एंटरटेनमेंट और दर्शनीय स्थलों का अनुभव भी शामिल रहेगा. क्या है स्पेशल पैकेज? क्रूज के मैनेजर के अनुसार समूहों और निजी आयोजनों के लिए भी स्पेशल पैकेज उपलब्ध किए गए हैं. प्रति घंटे का पैकेज 22,500 रुपये निर्धारित किया गया है, जिसमें क्रूज किराया, सेफ्टी क्रू शुल्क और जीएसटी शामिल है. जबकि, तीन घंटे के स्पेशल पैकेज में न्यूनतम 20, 40 और 60 पर्यटकों के समूह के लिए 3200, 2945 और 2550 रुपये प्रति व्यक्ति रखा गया है

खान सर को कोर्ट से राहत, 20 जून तक नहीं होगी गिरफ्तारी, अदालत ने रखी शर्त

पटना (एजेंसी) पटना में दर्ज फायरिंग मामले में खान ग्लोबल स्टडीज के निदेशक खान सर उर्फ फैसल खान को अदालत से 20 जून तक अंतरिम राहत मिली है. कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया है. ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद की जमानत याचिका खारिज कर दी गई. खान ग्लोबल स्टडीज के निदेशक खान सर उर्फ फैसल खान को पटना के प्रधान जिला जज की अदालत ने मंगलवार को अंतरिम राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर 20 जून तक के लिए रोक लगा दी है. अदालत ने फैसल खान को यह आदेश दिया है कि वे पुलिस को जांच में मदद करेंगे. पुलिस जब भी उन्हें बुलायेगी, हाजिर होना होगा. दूसरी ओर खान ग्लोबल स्टडीज के गार्ड चुनचुन कुमार के साथ मारपीट कर सिर फोड़ने के मामले में दर्ज केस में अभियुक्त बनाये गये ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद की नियमित जमानत याचिका को अदालत ने खारिज कर दी है. वकील ने अदालत में बताया निर्दोष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रुपेश देव की अदालत में खान सर की ओर से मामले में दाखिल अग्रिम जमानत याचिका पर करीब एक घंटे तक सुनवाई हुई. इस दौरान बहस करते हुए खान सर के वकील अरविंद कुमार मऊआर ने अपने मुवक्किल को निर्दोष बताते हुए उन्हें अग्रिम जमानत देने की प्रार्थना की. लेकिन सरकार की ओर से लोक अभियोजक राजेश कुमार ने विरोध किया. अदालत ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद केस डायरी और खान सर के आपराधिक इतिहास की भी मांग पुलिस से की. अग्रिम जमानत नहीं मिलने के बाद वकील अरविंद कुमार मऊआर ने अंतरिम राहत देने की प्रार्थना की. जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर 20 जून तक के लिए रोक लगा दी. फैसल खान, उनके दो गार्ड प्रमोद कुमार व तालेबर सिंह के खिलाफ में पुलिस के बयान पर केस दर्ज किया गया है. यह मामला कोचिंग संस्थान के बाहर एक फायरिंग का वीडियो वायरल होने से जुड़ा है. 4 जून को कदमकुआं थाना में कांड संख्या 418/2026 दर्ज किया है. ज्ञान बिंदु के निदेशक की जमानत याचिका कर दी गयी खारिज खान ग्लोबल स्टडीज के गार्ड के साथ मारपीट करने के मामले में अभियुक्त बनाये गये ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद की नियमित जमानत याचिका पर प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी अनुराग वर्मा की अदालत में सुनवाई हुई. इस दौरान रौशन आनंद के वकील राघव कुमार ने उन्हें जमानत दिये जाने की प्रार्थना की और अपने मुवक्किल को निर्दोष बताया. साथ ही उन्होंने अदालत में यह कहा कि इस मामले में धारा 109 लागू नहीं होती है. पीड़ित को लगी चोट साधारण है. रौशन आनंद के वकील के दिये गये तर्क को अदालत ने सही नहीं माना और उनकी जमानत याचिका को खारिज कर दी. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें पुलिस की केस डायरी क्या खान सर के अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करा पायेगी अदालत ने पुलिस को फैसल खान पर लगे आरोपों को लेकर केस डायरी भेजने का आदेश दिया है. पुलिस के पास 10-12 दिन का समय है. इस दौरान फैसल खान पर लगे आरोपों के संबंधित सबूतों और गवाहों के बयान जुटा लेना होगा. पुलिस डायरी में साक्ष्य मजबूत नहीं होंगे तो खान सर की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर हो सकती है.

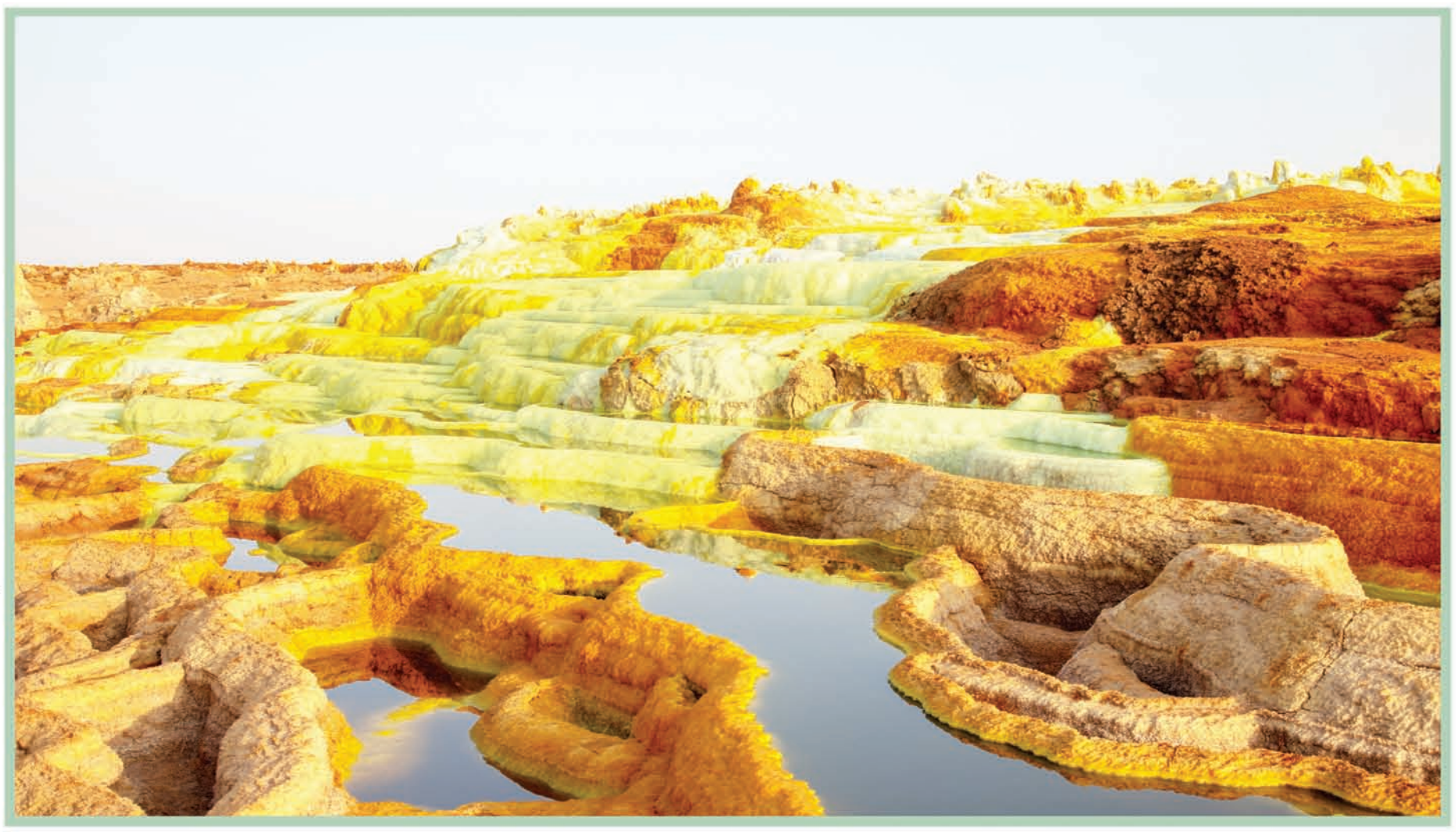

इथियोपिया में जमीन और आसमान से बरसती है आग डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

इस धरती पर सभी जगहें और उनका तापमान एक जैसा नहीं होता है. हर जगह अलग-अलग मौसम और टेंपरेचर देखने को मिलता है. कहीं बहुत ठंड होती है तो कहीं बहुत गर्मी. ऊंचाई, भूमध्य रेखा से दूरी और समुद्री धाराओं के प्रभाव जैसे कई फैक्टर्स के कारण अलग-अलग जगहों पर तापमान अलग-अलग होता है.

पृथ्वी पर सबसे अजीब जगहों और नरक के प्रवेश द्वार और यहां तक कि मौत की भूमि के रूप में जाना जाने वाला दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया के सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में से एक है. गर्म झरने, एसिड पूल, नमक के पहाड़ और भाप से भरी दरारें इसे एक दूसरे ग्रह जैसा बनाती हैं, और यही कारण है कि वैज्ञानिक सौर मंडल के अन्य ग्रहों के बारे में शोध करने के लिए इस स्थान का उपयोग करते हैं.

डानाकिल डिप्रेशन, जिसे अफार त्रिभुज भी कहा जाता है, इथियोपिया में स्थित एक जियोलॉजिकल डिप्रेशन है जो समुद्र तल से लगभग 125 मीटर नीचे है. यह दुनिया के सबसे गर्म और सबसे निचले स्थानों में से एक है, जहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो सकता है. यह क्षेत्र तीन टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर स्थित है, जिसके परिणामस्वरूप ज्वालामुखी गतिविधि और दरार घाटियों का निर्माण होता है.

डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

दानाकिल इथियोपिया के सुदूर नॉर्थ ईस्ट भाग में स्थित जियोलॉजिकल डिप्रेशन अफार ट्रायंगल का एक हिस्सा है, जहां तीन टेक्टोनिक प्लेटें धीरे-धीरे अलग हो रही हैं. यह क्षेत्र लाल सागर का हिस्सा हुआ करता था. समय बीतने के साथ, ज्वालामुखी विस्फोट के कारण समुद्र भाप में बदल गया और उस स्थान से गायब हो गया.

आज से लगभग 50,000 साल पहले, इथियोपिया लाल सागर और अरब सागर से जुड़ा हुआ था, जिससे विशाल एडियन सागर बना था. लेकिन, जलवायु परिवर्तन और भू-आकृति में बदलाव के कारण, एडियन सागर धीरे-धीरे सिकुड़ गया और अंतत : गायब हो गया, जिससे इथियोपिया लैंडलॉक बन गया.

कैसा है यहां का क्लाइमेट

यहां का तापमान बहुत ज्यादा होता है और बारिश बहुत कम होती है. यहां पीले, नारंगी, लाल, नीले और हरे रंग की झीलें देखने को मिलती हैं. इन झीलों में रंग मैग्मा में मौजूद खनिजों और नमक के बीच प्रतिक्रिया से उत्पन्न होते हैं. यानी जब नमक मैग्मा में मौजूद खनिजों के साथ प्रतिक्रिया करता है, तो यह इन खूबसूरत रंगों को जन्म देता है. जैसे ही गर्मी पानी को वाष्पित करती है, जमीन पर रंगीन पपड़ी जैसी परतें विकसित होती हैं, जो रहस्यमय तरीके से डिप्रेशन में ठंडी फिरोजा झीलों के साथ मिल जाती हैं. वहीं, दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया में स्थित एक जगह है जहां सल्फ्यूरिक एसिड से भरी झीलें हैं, जिन्हें एसिड लेक या सल्फ्यूरिक पूल के रूप में जाना जाता है. ये झीलें पृथ्वी पर सबसे गर्म और नमकीन झीलों में से हैं.

अगर आप डानाकिल डिप्रेशन की यात्रा की योजना बना रहे हैं इसे ध्यान में रखें

डानाकिल बहुत गर्म और एसिडिक जगह है, इसलिए अगर आपको वहां कोई गीला तालाब या बुदबुदाता पूल दिखे तो उसमें अपनी उंगली न डुबोएं. इसके साथ ही उस क्षेत्र में चलने के लिए उपयुक्त जूते पहनें, भू-आकृति क्षेत्रों पर सावधानी से चलें, सही रास्ते और कहां कदम रखना है इसका ध्यान रखें, उस जगह पर घूमने के लिए स्थानीय गाइड की मदद लें इस क्षेत्र में घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से मार्च के बीच है. हालांकि, तब भी तापमान बहुत अधिक और असहनीय होता है. दानाकिल डिप्रेशन के लिए दिन की यात्राएं आमतौर पर विक्रो शहर से सुबह 4 :00 बजे के आसपास शुरू होती हैं. इस जगह पर जाने के लिए हेलीकॉप्टर की सवारी भी उपलब्ध है.

शादीशुदा महिलाओं को क्यों पहनने चाहिए

चांदी के आभूषण

हिंदू धर्म में आभूषणों को बहुत महत्व दिया जाता है. हिंदू धर्म में विवाहित महिलाओं के लिए सोलह श्रृंगार करना विशेष महत्व रखता है. इन्हीं में से एक है चांदी की पायल, जो आपने ज्यादातर भारतीय महिलाओं के पैरों में देखी होगी. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि शादी के बाद महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं? शास्त्रों में इन्हें पहनने के पीछे विशेष महत्व और लाभ बताए गए हैं, जो हर कोई नहीं जानता. ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं और शास्त्रों में इसके क्या लाभ बताए गए हैं...

शास्त्रों में चांदी को धन, समृद्धि और चंद्रमा का प्रतीक माना जाता है. ऐसे में इस धातु को पहनने से हमारे जीवन और घर में इन सभी चीजों पर भी असर पड़ता है. मान्यता है कि विवाहित महिलाओं के लिए घुंघरू वाली चांदी की पायल पहनना बहुत शुभ होता है. इससे घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है और ससुराल वालों को कभी पैसों की कमी नहीं होती. साथ ही चांदी को शीतलता, शांति और पवित्रता का प्रतीक भी माना जाता है. ऐसे में चांदी की पायल पहनने से शीतलता मिलती है और मन शांत और पवित्र रहता है.

यही कारण है कि वह महिलाएं चांदी की पायल पहनती हैं

ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो बहुत ही मधुर ध्वनि सुनाई देती है. इससे उनके आसपास की नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है और उसकी जगह घर में सकारात्मकता बनी रहती है. साथ ही पायल की आवाज से परिवार के सदस्यों को मानसिक शांति मिलती है. ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनती हैं तो घर में हमेशा खुशियों का माहौल बना रहता है.

इसे विवाहित महिलाओं के सोलह श्रृंगार में से एक माना जाता है और इसे सौभाग्य की निशानी भी माना जाता है. जब महिलाएं चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो इसकी आवाज से आसपास का माहौल खुशनुमा हो जाता है और शरीर से नकारात्मकता भी दूर रहती है. ऐसा माना जाता है कि चांदी की पायल में लगी घुंघरू मन को एकाग्र रखने में मदद करती हैं और घर में सौभाग्य भी लाती हैं. इसी वजह से विवाहित महिलाओं के लिए चांदी की घुंघरू पहनना बहुत फलदायी माना जाता है.

फटी एड़ियों को सॉफ्ट और स्मूद बनाने के आसान घरेलू उपाय

पैरों की देखभाल के लिए हम अक्सर पेडीक्योर करवाते हैं, लेकिन फिर भी बहुत बार पैरों की एड़ियां फट जाती हैं और उनकी त्वचा कठोर हो जाती है। यही नहीं, सर्दी या गर्मी में त्वचा और भी ज्यादा रूखी और ड्राई हो जाती है। इसके बावजूद, सही देखभाल से आप अपनी एड़ियों को सॉफ्ट और मुलायम बना सकती हैं। इसके लिए आपको किसी महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आप फटी एड़ियों को फिर से सॉफ्ट और चिकना बना सकती हैं।

फटी एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए जरूरी सामग्री

वैसलीन – 1 बड़ा चम्मच
नारियल तेल – ड्ड छोटा चम्मच
विटामिन श्च कैप्सूल – 2
पिघला हुआ मोम – थोड़ी सी मात्रा

इन सभी चीजों को एक बाउल में सही अनुपात में डालकर अच्छे से मिला लें। आप चाहें तो इन सामग्रियों को माइक्रोवेव में हल्का गर्म कर सकती हैं या फिर डबल बॉयलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रखें कि मिश्रण हल्का गुनगुना ही रहे, न बहुत गरम हो।

मुलायम और सॉफ्ट एड़ियां बनाने के लिए तरीका

मिश्रण तैयार करने के बाद, इसे अपनी फटी एड़ियों पर अच्छे से लगाएं। इस मिश्रण को कम से कम 20 मिनट तक एड़ियों पर लगा रहने दें ताकि यह त्वचा में अच्छे से समा जाए। 20 मिनट के बाद इसे हल्के हाथों से साफ कर लें।

इस ट्रीटमेंट से मिलने वाले फायदे

यह आपकी एड़ियों को मुलायम, चिकना और शाइनी बनाएगा। स्किन की ड्राइनेस को कम करेगा और त्वचा को नमी देगा। नियमित रूप से इस ट्रीटमेंट के इस्तेमाल से आपके पैरों की त्वचा स्वस्थ और कोमल बनेगी। यह घरेलू उपाय न केवल आपकी एड़ियों को ठीक करता है, बल्कि इससे आपके पैरों की त्वचा को भी कई फायदे होते हैं। तो अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं, तो यह आसान और सस्ते उपाय जरूर आजमाएं और अपने पैरों को दें एक नई जान। अगर आपको यह आर्टिकल पसंद आया हो, तो इसे अपने दोस्तों के साथ जरूर शेयर करें और नीचे दिए गए कमेंट सेक्शन में अपनी राय हमें जरूर बताएं!

रिमझिम बारिश में एक्सप्लोर करें महाराष्ट्र का संगमेश्वर

वीकेंड में बनाएं घूमने का प्लान

महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

महाराष्ट्र हमारे देश का एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। महाराष्ट्र एक ओर से अरब सागर और दूसरी ओर से सतपुड़ा पर्वतमाला से घिरा हुआ है। यह एक ऐसा राज्य है, जो रिमझिम बारिश में पर्यटन हब का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है। महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। वहीं हल्की रिमझिम बारिश में संगमेश्वर की खूबसूरती किसी हसीन खजाने से कम नहीं लगती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको संगमेश्वर की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में संगमेश्वर

संगमेश्वर की खासियत और खूबसूरती बेहद कमाल की है। यह रत्नागिरी में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक जगह है। संगमेश्वर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 284 किमी, पुणे से 247 किमी और कोल्हापुर से करीब 120 किमी दूर है।

क्यों फेमस है संगमेश्वर

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में स्थित संगमेश्वर भले ही एक छोटा सा शहर है, लेकिन यह जगह अपने धार्मिक, ऐतिहासिक महत्व और खूबसूरत पर्यटन स्थलों के लिए पूरे राज्य में फेमस है। खासकर यह जगह संगमेश्वर मंदिर और संगमेश्वर शहर के लिए फेमस है। जोकि भगवान शिव को समर्पित है।

संगमेश्वर महाराष्ट्र का एक ऐसा शहर है, जो शास्त्री नदी और सोनावी नदी के संगम पर स्थित है। इसके चलते यहां पर रिमझिम बारिश में राज्य के हर कोने से लोग घूमने के लिए आते हैं। इस स्थान को रत्नागिरी का छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है। वहीं गमेश्वर वहीं स्थान है, जहां पर औरगंजेब ने छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज को बंदी बनाया था।

पर्यटकों के लिए क्यों खास है ये जगह

संगमेश्वर का इतिहास प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। रिमझिम बारिश में स्थित वॉटरफॉल से लेकर घास के मैदान और नदियों की खूबसूरती इस जगह को बेहद खूबसूरत बनाने का काम करती है। संगमेश्वर की हरियाली देखते ही बनती है।

संगमेश्वर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। शहर की भाग-दौड़ भरी जिंदगी से दूर संगमेश्वर में आप सुकून के कई पल बिताने के लिए पहुंचते हैं। संगमेश्वर अपनी खूबसूरती के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। कई लोग मानसून में यहां पर सिर्फ ट्रेकिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं।

संगमेश्वर मंदिर

संगमेश्वर के सबसे प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में संगमेश्वर मंदिर काफी फेमस है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। पहाड़ी की चोटी पर स्थित होने के कारण पर्यटक यहां घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मंदिर के आसपास से बेहद

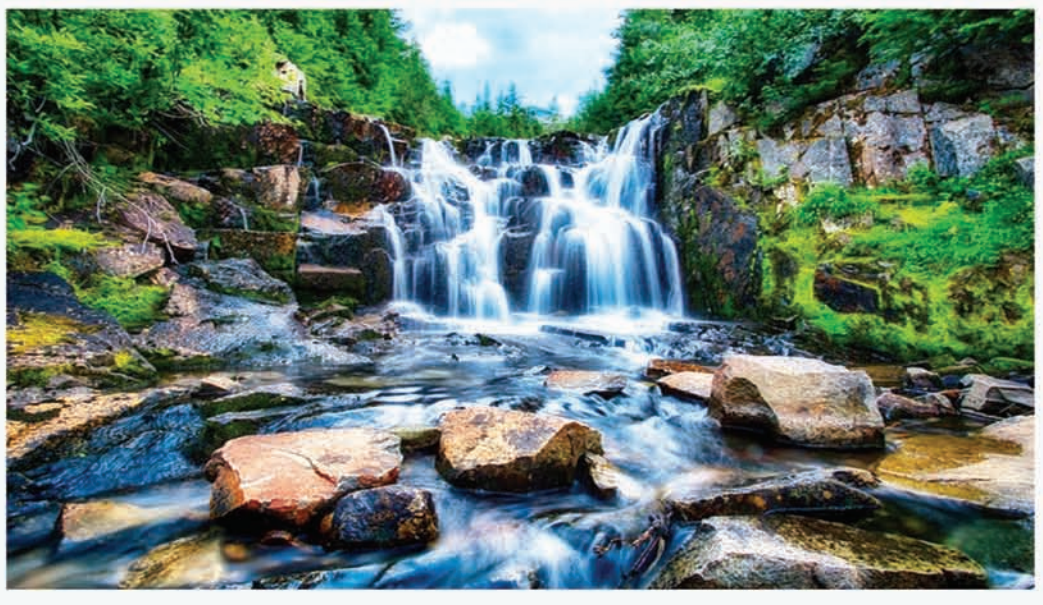

खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। कर्णेश्वर मंदिर को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं और यह मंदिर भी भगवान शिव को समर्पित है।

मार्लेश्वर वॉटरफॉल

संगमेश्वर के पहाड़ों में स्थित मार्लेश्वर एक फेमस और खूबसूरत वॉटरफॉल है। मानसून में यहां सिर्फ स्थानीय पर्यटक नहीं बल्कि अन्य कई शहरों से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह वॉटरफॉल प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। यहां के आसपास की हरियाली पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है। इसके साथ ही आप छत्रपति संभाजी महाराज की समाधि को एक्सप्लोर करना न भूलें।

'डार्क पैटर्न' से भारतीय ग्राहकों को हर साल हो रहा 28,000 करोड़ का नुकसान

बेमतलब शुल्क थोपने वाले तरीकों से ग्राहकों के व्यवहार में आ रहा बदलाव

नई दिल्ली।

भारत का तेजी से बढ़ता डिजिटल कारोबार चकमा देने वाले इंटरफेस डिजाइन के कारण भारी वित्तीय नुकसान से गुजर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 'डार्क पैटर्न' की वजह से भारतीय ग्राहकों को हर साल अनुमानित 25,000 से 28,000 करोड़ का नुकसान हो रहा है। देश में ऑनलाइन के जरिए खरीदारी करने वाले 30.4 करोड़ लोगों में 88 फीसदी को हर महीने अनुमानित 78 से 87 रुपए का नुकसान हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक सीधे नुकसान के अलावा बेमतलब के शुल्क थोपने वाले ये तरीके ग्राहकों के व्यवहार में भी बड़े बदलाव ला रहे हैं। इससे 55,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के सकल उत्पाद मूल्य जोखिम में पड़ गए हैं क्योंकि उपयोगकर्ता खर्च कम कर रहे हैं या अपने लिए बेहद ठोस विकल्प की तलाश कर रहे हैं। इन खतरों के बावजूद रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ऑनलाइन खरीदारी का चलन कम नहीं होने जा रहा। रिपोर्ट से पता चलता है कि अब 63 फीसदी ऑनलाइन भुगतान उपभोक्ता डिजिटल लेनदेन में छिपे हुए चार्ज या 'ड्रिप प्राइसिंग' का सामना करते हैं। यह वर्ष 2024 में बताए गए 52 फीसदी के आंकड़े से ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक नतीजों से पता चलता है कि मौजूदा नियामकीय हस्तक्षेप ऐसे तरीकों को रोकने में अब तक आंशिक रूप से सफल रहे हैं। ये तरीके ई-कॉमर्स, बैंकिंग, ट्रैवल, राइड-हेलिंग, बीमा, ऑनलाइन भुगतान और डिजिटल उधारी प्लेटफॉर्म पर लाखों ग्राहकों को प्रभावित कर रहे हैं। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि कैसे 'डार्क पैटर्न' भारत के डिजिटल तंत्र में एक बड़ी समस्या बन गए हैं। मौजूदा सर्वेक्षण के नतीजों से पता चलता है कि 73 फीसदी प्लेटफॉर्म ऐसे तरीके अपनाते हैं जिससे उपयोगकर्ता ऐसे काम करने के लिए विवश हो जाते हैं जो वे शायद कभी नहीं करते। 69 फीसदी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म 'ड्रिप प्राइसिंग' के तरीके अपनाते हैं जिसमें अतिरिक्त फीस का पता चेकआउट के आखिरी चरण में ही चलता है। वर्ष 2026 की पहली तिमाही में की गई इस रिपोर्ट में 50 शहरों के 2,590 से ज्यादा ग्राहकों से बात की गई और क्रिक कॉमर्स, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन यात्रा क्षेत्र की 12 कंपनियों का आकलन किया गया। इसमें 'डार्क पैटर्न' से ग्राहकों पर आर्थिक असर और भरोसे में कमी का विश्लेषण किया गया। इसमें सबसे अच्छा और सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले प्लेटफॉर्म के बीच 92 अंक का अंतर सामने आया। सीधे आर्थिक नुकसान और उपभोक्ताओं के बदलते व्यवहार का मिला-जुला असर यह दिखाता है कि 'डार्क पैटर्न' अब केवल उपभोक्ता की सुरक्षा का मामला नहीं रह गया है बल्कि यह भारत के डिजिटल कॉमर्स तंत्र की लंबे समय की स्थिरता पर असर डालने वाली एक बड़ी व्यापक आर्थिक चुनौती बन गए हैं। रिपोर्ट में भारतीय उपभोक्ताओं के बीच जानकारी और असलियत में अंतर की बात भी कही गई है। इसके मुताबिक 81 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें डार्क पैटर्न के बारे में पता है, वहीं 85 फीसदी ने माना कि वे फिर भी इनके कारण गुमराह हुए। 74 फीसदी उपभोक्ताओं ने कहा कि वे ऐसे प्लेटफॉर्म के लिए अधिक रकम देने को तैयार हैं जो सही और पारदर्शी तरीके अपनाते हैं। साथ ही, उपभोक्ता ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपना खर्च कम करने की भी योजना बना रहे हैं, खासकर ऑनलाइन यात्रा के मामले में जहां खर्च 15 फीसदी तक कम हो सकता है। रिपोर्ट में मौजूदा परिभाषाओं और इन्हें लागू करने के नियमों में अस्पष्टता को लेकर चिंता जताई गई है। चकमा देने वाले तरीकों और सही व्यावसायिक तरीके के बीच अंतर साफ नहीं होने से कारोबारी नियमों के पालन और उन्हें लागू करने की उम्मीदों को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ सकता है।

देशभर के घरों में लगी इन्वर्टर बैटरियां कर सकती हैं बिजली स्टोर

बैटरियां बिजली व्यवस्था को संभालने में निभा सकती हैं बड़ी भूमिका

नई दिल्ली।

भारत में इन्वर्टर बैटरियां कोई नई चीज नहीं हैं। बिजली जाने पर पंखा, बल्ब और टीवी चलाने के लिए लोग सालों से इसका इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन अब विशेषज्ञों का कहना है कि यही बैटरियां देश की बिजली व्यवस्था को संभालने में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। ये बिजली रहने पर चार्ज होती हैं और कटौती होने पर कुछ घंटों तक जरूरी उपकरण चलाती हैं। श्नाइडर इलेक्ट्रिक की अधिकारी प्रीति बजाज का कहना है कि भारत कई विकसित देशों से पहले ही घर-घर ऊर्जा स्टोरेज का मॉडल अपना चुका है।भारत में ल्यूमिनस जैसी कंपनियों के करोड़ों ग्राहक हैं। अनुमान है कि देशभर में लगी इन्वर्टर बैटरियां मिलकर इतनी बिजली स्टोर कर सकती हैं, जितनी दुनिया के कई बड़े बैटरी नेटवर्क करते हैं।

शेयर बाजार सपाट बंद

सेंसेक्स 64 अंक उछला, निफ्टी 27 अंक गिरा

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को सपाट बंद हुआ। दूनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अंतिम समय पर बिकवाली हावी होने से बाजार ने आज दिन भर में हासिल बढ़त गंवा दी। शेयर बाजार सुबह गिरावट के साथ खुला पर समय बीतने के साथ ही इसमें तेजी आने लगी। दिन में एक समय बीएसई सेंसेक्स करीब 700 अंक की बढ़त पर था पर आंखिरी घंटे में उसने ये बढ़त खो दी । जिससे बाजार बंद होते समय सेंसेक्स हल्की बढ़त पर बंद हुआ जबकि निफ्टी में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.42 अंक बढ़कर हल्की तेजी के साथ 73,983.18 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 27.15 अंक की गिरावट के साथ 23,214.95 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। आज बजाज फिनसर्व, टाइटन, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल के शेयरों में गिरावट रही। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईटीसी के शेयर भी गिरे। वहीं निफ्टी में कोल इंडिया और ओएनजीसी के शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप में 1.49 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.33 फीसदी की गिरावट आई। निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी रियल्टी में गिरावट रही। दूसरी ओर, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयर गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सुबह सेंसेक्स 380.76 अंक करीब 0.52 फीसदी की बढ़त के साथ ही 74,299.52 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

जिम्नी के दो नए वेरिएंट ऑलग्रिप प्लस और राइनो प्लस लांच

नई दिल्ली।

मलेशिया में सुजुकी ने अपनी लोकप्रिय ऑफ-रोड एसयूवी जिम्नी के दो नए वेरिएंट लांच किए है। इनके नाम है ऑलग्रिप प्लस और राइनो प्लस। सुजुकी जिम्नी ऑलग्रिप प्लस को स्टैंडर्ड जिम्नी के मुकाबले अधिक प्रीमियम और सुरक्षित बनाया गया है। ये दोनों नए वेरिएंट 3-डोर जिम्नी के साथ पेश किए गए हैं और इनमें स्टाइलिंग, फीचर्स तथा सेफ्टी के मामले में कई बेहतरीन अपग्रेड देखने को मिलते हैं। इसमें पावर-फोल्डिंग ओआरवीएम्स दिए गए हैं जिनमें हीटिंग फंक्शन भी मिलता है। एसयूवी में 9-इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम लगाया गया है, जो एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो वायरलेस कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है। सेफ्टी के लिए ऑलग्रिप प्लस में एमएमवेव रडार, मोनोक्युलर कैमरा और रिवर्स कैमरा जैसे फीचर्स के साथ ड्यूल सेंसर ब्रेक सपोर्ट-2, लेन डिपार्चर वार्निंग, लेन डिपार्चर प्रिवेंशन, वीविंग अलर्ट, ऑटोमैटिक हाई बीम, इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल और साइड व कर्टेन एयरबैग्स जैसे एडवांस सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं।

महंगाई से कर्मचारी नहीं कर पा रहे खर्च पूरे, अतिरिक्त कमाई का तलाश रहे जरिया

-सर्वे से खुलासा महंगे महानगरों को छोड़कर छोटे शहरों में बसने की सोच रहे

नई दिल्ली।

देश में लगातार बढ़ती महंगाई का असर अब लोगों के करियर और नौकरी से जुड़े फैसलों पर दिखने लगा है। रोजमर्रा के खर्च, मकान किराया, बच्चों की पढ़ाई और आने-जाने का खर्च बढ़ने से कर्मचारियों को लगने लगा है कि उनकी मौजूदा सैलरी अब पहले जैसी राहत नहीं दे रही। यही वजह है कि लोग अतिरिक्त कमाई के रास्ते तलाश रहे हैं, बेहतर वेतन वाली नौकरियों की ओर देख रहे हैं और यहां तक कि महंगे महानगरों को छोड़कर छोटे शहरों में बसने की सोच रहे हैं। एक सर्वे रिपोर्ट में यह तस्वीर सामने आई है। सर्वे में 1,200 से ज्यादा कर्मचारियों और 1,000 से ज्यादा कंपनियों की राय शामिल की गई। सर्वे के मुताबिक 68 फीसदी कर्मचारियों का कहना है कि उनकी मौजूदा आमदनी उनके जीवन-यापन के खर्चों को पूरा नहीं कर पा रही है। करीब 32 फीसदी लोगों ने कहा कि उनकी आय किसी तरह खर्च निकालने लायक है। वहीं 24 फीसदी कर्मचारियों ने माना कि उनके लिए आर्थिक स्थिति संभालना मुश्किल हो रहा है। 12 फीसदी लोगों ने तो खुद को गंभीर वित्तीय दबाव में बताया। दूसरी ओर केवल 13 फीसदी कर्मचारियों का कहना है कि उनकी आय आरामदायक जीवन जीने के लिए पर्याप्त है। महंगाई का असर लोगों की मानसिक स्थिति पर भी दिखाई दे रहा है। सर्वे में शामिल 41 फीसदी कर्मचारियों ने कहा कि वे आज से दो साल पहले की तुलना में ज्यादा वित्तीय तनाव महसूस कर रहे हैं। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि खाने-पीने की चीजों, मकान किराया, शिक्षा और स्वास्थ्य पर बढ़ते खर्च ने मध्यम वर्ग की बचत पर असर डाला है।

मेटा-रिलायंस ने तैयार किया जॉइंट वेंचर का एलान, अंबानी डेटा सेंटर लीज पर देंगे

855 करोड़ का होगा जॉइंट निवेश, रिलायंस की 70 तो मेटा 30 फीसदी हिस्सेदारी होगी

नई दिल्ली।

मार्क जकरबर्ग की मेटा प्लेटफॉर्म्स और मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भारत और कुछ चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय मार्केट में लामा-बेस्ड एंटरप्राइज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉल्यूशन डेवलप और अप्लाई करने के लिए एक जॉइंट वेंचर का एलान तैयार किया है। इसके लिए शुरुआती तौर पर करीब 855 करोड़ रुपए का जॉइंट निवेश किया जाएगा। इस जॉइंट वेंचर में रिलायंस इंडस्ट्रीज की 70 फीसदी और मेटा की 30 फीसदी हिस्सेदारी होगी।

यह जॉइंट वेंचर दो मुख्य प्रोडक्ट पेश करेगा। पहला एंटरप्राइज एआई प्लेटफॉर्म-एज-अ-सर्विस, जो कंपनियों को सेल्स, आईटी, कस्टमर सर्विस और फाइनेंस जैसे कामों के लिए जनरेटिव एआई मॉडल को कस्टमाइज, डिप्लॉय और मैनेज करने की सुविधा देगा। दूसरा, क्रॉस-फंक्शनल और सेक्टर-स्पेसिफिक जरूरतों के लिए पहले से तैयार एआई सॉल्यूशंस का एक सेट पेश किया जाएगा। डील में एक डेटा सेंटर का भी जिक्र किया गया है। रिलायंस 168 एमडब्ल्यू का डेटा सेंटर बनाएगी जिसे मेटा लीज पर लेगी और इसमें क्षमता बढ़ाने का विकल्प भी होगा। यह पार्टनरशिप मेटा के ओपन-सोर्स लामा मॉडल स्टैक और पूरे भारत में हजारों कंपनियों और स्मॉल-मिड बिजनेसों तक रिलायंस की पहुंच का फायदा उठाएगी। यह जॉइंट वेंचर क्लाउड, ऑन-प्रिमाइसेस और अपने खुद के इंफ्रास्ट्रक्चर पर सॉल्यूशन लागू कर सकेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते के तहत आरआईएल डेटा सेंटर के पूरे लाइफसाइकल के दौरान एंड टू एंड सर्विसेज देगी, जिसमें डिजाइन और कंस्ट्रक्शन से लेकर यूटिलिटीज, रिन्यूएबल पावर सप्लाई, नेटवर्क कनेक्टिविटी और पूरी तरह से मैनेज की जाने वाली ऑपरेशनल सेवाओं का मैनेजमेंट शामिल है। इससे आरआईएल भारत में हाइपरस्केल एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सिंगल-विंडो सॉल्यूशन प्रोवाइडर बन जाएगी। गुजरात में स्ट्रैटजिक लोकेशन होने के कारण बड़े पैमाने पर ये डेटा सेंटर कई बड़े फायदे लेकर आएगा, जैसे कि डिलीवरी कैपेबिलिटी, रिन्यूएबल एनर्जी, पानी की उपलब्धता, भारत के पश्चिमी सबमरीन केबल लैंडिंग स्टेशनों के पास होना और जियो का बड़ा फाइबर नेटवर्क।

यह डेटा सेंटर रिन्यूएबल एनर्जी से चलेगा और खारे समुद्री पानी को मीठा बनाए जाने वाले पानी से ठंडा किया जाएगा, जो आरआईएल और मेटा दोनों की सस्टेनेबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने कहा कि यह पार्टनरशिप हर भारतीय ऑर्गनाइजेशन के लिए एंटरप्राइज-ग्रेड एआई को सुलभ बनाएगी। वहीं मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कहा कि यह जॉइंट वेंचर लामा मॉडल को असल दुनिया में इस्तेमाल के लिए लाएगा और एंटरप्राइज सेक्टर में मेटा की पहुंच बढ़ाएगा। इस खबर के बीच रिलायंस का शेयर मजबूत हुआ।

टाटा ग्रुप की दो बड़ी कंपनियां ब्रॉन्ड बाजार में उतरने की तैयारी में

बॉन्ड जारी कर करीब 4,000 करोड़ रुपए जुटाने की बना रही योजना

नई दिल्ली।

टाटा ग्रुप की दो बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियां एक बार फिर बॉन्ड बाजार का रुख कर सकती हैं। टाटा स्टील और टाटा प्रोजेक्ट्स 15 महीने से ज्यादा समय के बाद कर्ज जुटाने के लिए बॉन्ड जारी करने की तैयारी में हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक टाटा स्टील पांच साल की अवधि वाले बॉन्ड जारी करके करीब 3,000 करोड़ जुटाने की योजना बना रही हैं। कंपनी के कुछ पुराने बॉन्ड अक्टूबर में मैच्योर होने वाले हैं, ऐसे में नए फंड जुटाने की जरूरत पड़ सकती है।

वहीं टाटा ग्रुप की रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी टाटा प्रोजेक्ट्स 500 करोड़ रुपए से 1,000 करोड़ के बीच रकम जुटाने पर विचार कर रही है। इसके लिए कंपनी तीन और पांच साल की अवधि वाले बॉन्ड जारी कर सकती है। मर्चेंट बैंकर के मुताबिक दोनों कंपनियों ने बाजार से पैसा जुटाने की तैयारी शुरू कर दी है। वे अभी कुछ समय और इंतजार कर रही हैं ताकि बॉन्ड पर मिलने वाली ब्याज दरें और कम हो जाएं। इससे उन्हें सस्ता कर्ज मिल सकेगा। हाल ही में आरबीआई ने अपनी नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। इसके बाद कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में कुछ राहत देखने को मिली है।

रिपोर्ट के मुताबिक टाटा प्रोजेक्ट्स ने इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं टाटा स्टील ने कहा है कि उसके पास बॉन्ड जारी करने की कोई तत्काल योजना नहीं है। टाटा स्टील ने फरवरी 2025 में आखिरी बार बॉन्ड बाजार से 3,000 करोड़ जुटाए थे। उस समय कंपनी ने पांच साल के बॉन्ड 7.65 फीसदी ब्याज दर पर जारी किए थे। दूसरी तरफ, टाटा प्रोजेक्ट्स ने भी फरवरी 2025 में 500 करोड़ रुपए के बॉन्ड जारी किए थे। इन बॉन्ड की अवधि छह साल थी और इन पर 8.60 फीसदी ब्याज दर दी गई थी। अगर टाटा ग्रुप की ये कंपनियां फिर से बॉन्ड बाजार में उतरती हैं तो यह इस बात का संकेत होगा कि बड़ी कंपनियां अब ब्याज दरों में राहत का फायदा उठाकर सस्ते कर्ज के जरिए अपने कारोबार के लिए पूंजी जुटाने की तैयारी कर रही हैं।

सोने, चांदी में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी। आज इन दोनो कीमती धातुओं के वायदा दम में गिरावट आई। खुदेखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ ले। आज सुबह सोने के वायदा भाव 1,50,200 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,35,250 रुपये के करीब थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में कमी रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 2,517 रुपये टूटकर 1,49,926 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,52,443 रुपये था। इसने 1,50,290 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,49,888 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 4,519 रुपये की गिरावट के साथ ही 2,34,009 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,38,528 रुपये था। यह अनुबंध 3,272 रुपये की गिरावट के साथ 2,35,256 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,35,657 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,34,000 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया।

बीएमडब्ल्यू कार अब छोटे शहरों में भी आएगी नजर, कंपनी दे रही मिनी ब्रांड पर ध्यान

मिनी ने 2025 में 730 वाहन बेचे, पिछले साल के मुकाबले 3 फीसदी ज्यादा

नई दिल्ली।

लग्जरी कार निर्माता बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया मिनी ब्रांड पर ज्यादा ध्यान दे रही है। कंपनी का इरादा स्थानीयकरण और मझोले बाजारों में विस्तार के जरिए 2026 के आखिर तक अपनी बिक्री को दोगुना करना है। मिनी ने 2025 में 730 वाहन बेचे, जो पिछले साल के मुकाबले 3 फीसदी ज्यादा है। कंपनी मिनी कंट्रीमैन के पेट्रोल-डीजल इंजन वाले वर्जन पर दांव लगा रही है, जिसे बीएमडब्ल्यू ग्रुप के चेन्नई संयंत्र में बनाया जाएगा। यह मॉडल कंपनी के भारत में मौजूद पोर्टफोलियो में स्थानीय स्तर पर बनने वाली 11वीं गाड़ी होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो साल में भारत में मिनी की नई पेशकशों में मिनी कूपर एस हैच और मिनी कंट्रीमैन इलेक्ट्रिक शामिल हैं, लेकिन हाल में ब्रांड ने मिनी कन्वर्टिबल, मिनी कंट्रीमैन जेसीडब्ल्यू ऑल4 और मिनी कंट्रीमैन एसई ऑल4 के साथ अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। बीएमडब्ल्यू इस साल 10 मिनी मॉडल बाजार में उतारने की योजना बना रही है। इनमें स्थानीय स्तर पर बनी नई पीढ़ी की मिनी कंट्रीमैन सी और ब्रांड की लाइफस्टाइल और मोटरस्पोर्ट विरासत से प्रेरित नौ खास लिमिटेड-एडिशन मॉडल शामिल हैं। इनमें से तीन एडिशन- मिनी कूपर एस जीपी इंसपायर्ड, मिनी कन्वर्टिबल जॉन कूपर वर्क्स पैक और मिनी कपूर एस विक्टरी एडिशन पहले ही पेश हो चुके हैं और बिक भी चुके हैं। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्याधिकारी हरदीप सिंह बराड़ ने कहा कि साल के बीच में स्थानीय स्तर पर बनी मिनी कंट्रीमैन की पेशकश के साथ हम बिक्री संख्या बढ़ने को लेकर बड़ी उम्मीदें लगा रहे हैं।

भीषण गर्मी से कपड़ा उद्योग प्रभावित, कारखानों में उत्पादन क्षमता 10 फीसदी घटी

रिपोर्ट में खुलासा, हर साल 230 लाख गैर-घातक चोटें और 19,000 होती हैं मौतें

नई दिल्ली।

भीषण गर्मी और उमस श्रमिकों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही हैं और प्राइमार्क, डी-मार्ट, टारगेट, मार्क्स ऐंड स्पेंसर, टेस्को, टॉमी हिलफिगर और नेक्स्ट जैसे ब्रांडों को परिधान की आपूर्ति करने वाले कपड़ा कारखानों में उत्पादकता को 10 फीसदी तक बाधित कर रही हैं। यह खुलासा न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय की रिपोर्ट से हुआ। यह रिपोर्ट तमिलनाडु, हरियाणा, ओडिशा, महाराष्ट्र और कर्नाटक में स्थित 10 कपड़ा कारखानों का दौरा करने के बाद तैयार की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक ये निष्कर्ष अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के उस वक्तव्य के बाद सामने आए हैं जिसमें कहा गया है कि वैश्विक कामकाजी आबादी का 70 फीसदी यानी 24.1 अरब कामगारों के हर साल अत्यधिक गर्मी से पीड़ित होने की आशंका है। इसके कारण हर साल 230 लाख गैर-घातक चोटें और 19,000 मौतें होती हैं। भारत विश्व का छठा सबसे बड़ा वस्त्र निर्यातक है। वह बढ़ते तापमान के आर्थिक प्रभावों को पहले ही महसूस कर रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक गर्मी से संबंधित खर्चों की वजह से कामगारों को प्रति माह करीब 500-1000 रुपए का नुकसान हो रहा है, जो उनकी औसत मासिक मजदूरी का एक बड़ा हिस्सा है। आपूर्तिकर्ताओं ने कहा कि यदि ब्रांड तकनीकी मदद प्रदान करें या लागत साझा करें, तो वे गर्मी से बचाव के उपायों में ज्यादा निवेश करने को तैयार हैं। सर्वेक्षण में शामिल 94.1 फीसदी परिधान और जूते के ब्रांडों ने कहा कि अत्यधिक गर्मी उत्पादन के लिए मध्यम या भारी जोखिम पैदा करती है, लेकिन केवल 35.3 फीसदी ही आपूर्तिकर्ताओं से उत्पादन क्षेत्रों के अंदर तापमान या उमस मापने की अपेक्षा करते हैं, और कोई भी ब्रांड इस तरह का डेटा लगातार एकत्र नहीं करता है।

इसमें कहा गया है कि नौ कारखानों के प्रबंधकों ने बताया कि गर्मियों के चरम महीनों में उत्पादकता में करीब 3 फीसदी से 10 फीसदी की कमी और अनुपस्थिति में करीब 2 फीसदी से 5 फीसदी की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि ब्रांडों को इन क्षेत्रों में ज्यादा निवेश करने पर विचार करना चाहिए।

रिपोर्ट में वैश्विक परिधान ब्रांडों और खरीदारों से स्वैच्छिक दिशा-निर्देशों से आगे बढ़कर अत्यधिक गर्मी को कार्यस्थल सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला के लिए एक मापने योग्य जोखिम के रूप में मानने का आह्वान किया है।

भारत में आ सकता है अरबों डॉलर का निवेश, विदेशी पूंजी का फ्लो बढ़ेगा

भुगतान संतुलन की स्थिति हो सकती है मजबूत, रुपए को मिल सकता है सहारा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक और केंद्र सरकार के हालिया कदमों का असर आने वाले महीनों में विदेशी निवेश पर नजर आ सकता है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इन फैसलों से देश में विदेशी पूंजी का फ्लो बढ़ेगा, जिससे भारत के भुगतान संतुलन की स्थिति मजबूत हो सकती है और रुपए को भी सहारा मिल सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में आरबीआई ने विदेशी मुद्रा गैर-निवासी जमा को बढ़ावा देने के लिए कुछ राहतें दी हैं। इसके तहत इन जमाओं पर हेजिंग लागत का बोझ खुद उठाने का फैसला किया है। साथ ही बैंकों को एनआरआई ग्राहकों को आकर्षक ब्याज दरें देने की सुविधा भी दी गई है। इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को विदेशी बाजारों से कर्ज जुटाने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया है। सरकार ने विदेशी डेट निवेशकों के लिए बड़ा कदम उठाते हुए विदहोल्डिंग टैक्स को 20 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया है। इससे विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय डेट बाजार में निवेश करना पहले की तुलना में ज्यादा आकर्षक हो सकता है। बोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल का अनुमान है कि आरबीआई और सरकार के इन कदमों से वित्त 2027 में भारत में 75 से 80 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त विदेशी निवेश आ सकता है। अगर भारत को किसी वैश्विक बॉन्ड इंडेक्स में शामिल किया है तो इसके अलावा 15 से 20 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त निवेश भी आ सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर वित्त वर्ष 2027 में कच्चे तेल की औसत कीमत 95 डॉलर प्रति बैरल रहती है तो भारत का चालू खाता घाटा करीब 87 अरब डॉलर या जीडीपी के 2.1 फीसदी के बराबर रह सकता है। हालांकि पूंजी खाते में करीब 80 अरब डॉलर का अधिशेष आने का अनुमान है, जिससे चालू खाते के घाटे की भरपाई काफी हद तक हो सकती है। रिपोर्ट में बताया कि अगर ईरान से जुड़ा मौजूदा तनाव धीरे-धीरे कम हो जाता है तो अगले 3 से 4 महीनों में रुपए में मजबूती आ सकती है। हालांकि अगले एक साल में भारत के चालू खाते और राजकोषीय घाटे को लेकर चिंताएं फिर उभर सकती हैं। इसके अलावा अगर अमेरिकी डॉलर मजबूत रहता है तो रुपए पर दबाव बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में अगले 12 महीनों में रुपया 96 प्रति डॉलर के स्तर तक कमजोर हो सकता है।

एआई मॉडल से पैदा हुए जोखिमों का जून अंत तक आकलन करें बैंक- आरबीआई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों और अन्य विनियमित संस्थाओं से कहा है कि वे जून के आखिर तक क्लॉड मिथोस जैसे फ्रंटियर एआई मॉडल से पैदा हुए जोखिमों का आकलन बोर्ड की मंजूरी के साथ करें। साथ ही आरबीआई ने इससे निपटने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने का भी निर्देश दिया है। मामले से अवगत लोगों के मुताबिक इसमें संस्थाओं द्वारा एक व्यवस्थित साइबर सुरक्षा ढांचा स्थापित करना, एआई आधारित विरोधात्मक परीक्षण करना और मौजूदा कमजोरियों की पहचान करना शामिल है।

नियामक ने एआई से संबंधित जोखिमों पर ध्यान ऐसे समय में दिया है जब फ्रंटियर एआई मॉडल ने जीरो-डे यानी तत्काल की कमजोरियों की पहचान करने की क्षमताएं प्रदर्शित की हैं। इससे उद्योग में चिंताएं पैदा हुई हैं। फिलहाल वैश्विक स्तर पर मिथोस तक पहुंच चुनिंदा कंपनियों तक ही सीमित है। ऐसे में भारतीय वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने संचालन में संभावित उपयोग मामलों के लिए पहले से उपलब्ध अन्य उन्नत एआई मॉडल का आकलन करें।ईवाई इंडिया के पार्टनर कार्तिक शिंदे ने कहा कि वित्तीय संस्थान किसी भी फ्रंटियर एआई मॉडल का इस्तेमाल कर अपने बाहरी इंटरनेट से जुड़े बुनियादी ढांचे का आकलन करते हुए इसकी शुरुआत कर सकते हैं।

एक नजर

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति 17 जून को जा सकते हैं रूस की यात्रा पर

जकार्ता : इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो रूस के कजान में होने वाले रूस-आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 17 जून को रूस यात्रा करने की योजना बना रहे हैं। इंडोनेशिया के विदेश उप मंत्री अरमानथा नासिर ओएग्रोसेनो ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, "राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो कजान में 17 जून को आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने की योजना बना रहे हैं।"
विदेश उप मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि यात्रा के कार्यक्रम को अभी दोनों पक्ष अंतिम रूप दे रहे हैं और इसमें बदलाव हो सकता है। उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया अभी भी शिखर सम्मेलन सचिवालय से आधिकारिक कार्यक्रम का इंतजार कर रहा है, जिसके आधार पर तारीखें तय होंगी। उल्लेखनीय है कि दो जून को रूस में फिलीपींस के राजदूत इगोर बैलेन ने कहा था कि फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर कजान में रूस-आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

हिमाचल प्रदेश में फिर लगे भूकंप के झटके कांगड़ा रहा केंद्र

शिमला : हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर भूकम्प के झटके लगे हैं। प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात 8 बजकर 4 मिनट पर भूकम्प के हल्के झटके महसूस किए गए। ये झटके कांगड़ा से लेकर जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति तक महसूस हुए। हालांकि भूकंप की तीव्रता कम होने की वजह से किसी तरह के नुकसान की रिपोर्ट नहीं है। राष्ट्रीय भुकम्प विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकम्प की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 रही। इसे कम तीव्रता के भूकम्प की श्रेणी में माना जाता है। भूकम्प का केंद्र कांगड़ा क्षेत्र रहा। झटके कुछ सेकंड तक रहे। 5 दिन के भीतर प्रदेश में दूसरी बार भूकंप के झटके लगे हैं। इससे पहले 5 जून की रात 10 बजकर 5 मिनट पर रिक्टर स्केल पर 5 की तीव्रता का भूकम्प आया था। तब भूकम्प का केंद्र कांगड़ा जिला के मुख्यालय धर्मशाला से 11 किलोमीटर दूरी पर 32.28 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.43 डिग्री पूर्वी देशांतर पर रहा और इसकी गहराई जमीन की सतह से पांच किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया था। उन झटकों से कई घरों में दरारें गई थीं, लेकिन किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ था। अब एक बार फिर भूकम्प के झटके लगने से लोगों में दहशत का माहौल है। फिलहाल भूकंप के झटकों के कारण किसी तरह का जान-माल के नुकसान की रिपोर्ट नहीं है, क्योंकि इस बार आये भूकम्प की तीव्रता कम रही।

राजस्थान रिफाइनरी में इसी माह डीजल का उत्पादन

जयपुर : मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा है कि एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी द्वारा रिफाइन डीजल, एलपीजी और पेट्रोल आदि उत्पादों का अधिकतम उपयोग राजस्थान में ही सुनिश्चित किया जाएगा ताकि प्रदेश में निवेश, रोजगार और राजस्व के नए अवसर विकसित हो सके। उन्होंने बताया कि राजस्थान रिफाइनरी से कच्चे तेल के परिस्करण के बाद डीजल का उत्पादन इसी माह से होने लगेगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास रिफाइनरी के उत्पादों के प्रदेश में ही विपणन नेटवर्क के संबंध में माइंस, पेट्रोलियम, सामान्य प्रशासन, गृह, ट्रांसपोर्ट, राजस्व सहित संबंधित विभागों और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम रिफाइनरी के अधिकारियों की सचिवालय के चिंतन कक्ष में आयोजित बैठक को दिल्ली से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

राजग बैठक में संकल्प- राष्ट्रसेवा और विकसित भारत के लिए नए जोश से काम रहेगा जारी

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों की सराहना करते हुए एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में राजग के सभी प्रमुख घटक दलों के नेताओं ने प्रस्ताव का समर्थन करते हुए गठबंधन की एकजुटता और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।
प्रस्ताव का शीर्षक "जनकेंद्रित विकास, सहभागी लोकतंत्र और कार्य प्रदर्शन-उन्मुख शासन" रहा। इसमें कहा गया कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन भारत की जनता के निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और जनसेवा के प्रति अथक समर्पण के लिए उन्हें बधाई देता है। साथ ही, यह एनडीए के प्रत्येक घटक दल, प्रत्येक निर्वाचित प्रतिनिधि और प्रत्येक कार्यकर्ता के अमूल्य योगदान को भी स्वीकार करता है, जिन्होंने इस दृष्टिकोण को साकार करने में योगदान दिया। ह्लनवनिर्मित प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास के साथ, एनडीए विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में काम करना जारी रखने का संकल्प लेता है।"
प्रस्ताव आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने रखा। नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफिउ रियो ने प्रस्ताव का अनुमोदन किया। बैठक में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने प्रस्ताव का पाठ किया। प्रस्ताव के समर्थन में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने विचार रखे। बैठक में पारित प्रस्ताव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विकास, सुशासन, गरीब कल्याण, बुनियादी ढांचे के विस्तार, भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई गति मिलने का उल्लेख किया गया। नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में देश को राजनीतिक स्थिरता, निर्णायक नेतृत्व और विकासोन्मुख शासन प्रदान किया है। प्रस्ताव में कहा गया कि आज भारत आत्मविश्वास और सभ्यतागत पहचान की एक मजबूत भावना के साथ दुनिया के साथ जुड़ा हुआ है। 32 देशों ने प्रधानमंत्री मोदी को सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा है। यह उनके नेतृत्व और प्रभाव की वैश्विक मान्यता को दशार्ता है। मानवता ने कोविड-19 जैसी सदी में कभी कभार आने वाली महामारी का सामना किया, तब भारत ने दुनिया को टीके और दवाएं उपलब्ध कराकर वैश्विक नेतृत्व का परिचय दिया।
प्रस्ताव में कहा गया, "राजग ने क्षेत्रीय आकांक्षाओं का राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ सहजता से सामंजस्य स्थापित किया है और सहकारी संघवाद की भावना को संस्थागत रूप दिया है। भारत के लगभग तीन चौथाई भूभाग में इसकी सरकारें हैं। राजग ने सत्ता समर्थक सरकार के युग की शुरूआत की है।

संक्षिप्त खबरें

उद्योग ही पश्चिम बंगाल का भविष्य, टाटा समूह को वापस लाना प्राथमिकता : तापस राय

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने औद्योगिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया है। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की जिम्मेदारी संभालने के बाद मंत्री तापस राय ने स्पष्ट संकेत दिया है कि राज्य में निवेश बढ़ाने और उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार बड़े कदम उठाएगी।
उन्होंने कहा कि राज्य का प्रमुख लक्ष्य टाटा समूह सहित उन बड़े उद्योग घरानों को वापस लाना है, जिन्होंने पूर्व में पश्चिम बंगाल से दूरी बना ली थी। एक साक्षात्कार में तापस राय ने कहा कि उद्योग ही पश्चिम बंगाल के भविष्य की कुंजी है। राज्य के युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को साथ लेकर आगे बढ़ना सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है, जिसे स्वीकार करते हुए काम किया जाएगा। तापस राय ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार की औद्योगिक नीतियों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों में राज्य में उद्योगों की उपेक्षा हुई। उन्होंने कहा कि केवल दिखावटी विकास कार्य किए गए, जबकि उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार नहीं किया गया। उनके अनुसार, राज्य में कथित तौर पर बढ़ी तानाशाही, तुष्टिकरण और अवैध वसूली जैसी गतिविधियों के कारण अनेक उद्योगपति और निवेशक पश्चिम बंगाल छोड़कर अन्य राज्यों में चले गए। उद्योग मंत्री ने दावा किया कि तृणमूल के शासनकाल में 6688 छोटे, मध्यम और बड़े उद्योग राज्य से बाहर चले गए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार उद्योग जगत को भरोसा दिलाना चाहती है कि अब निवेशकों को किसी प्रकार की अवैध वसूली या प्रशासनिक बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। तापस राय ने कहा कि जो उद्योगपति राज्य छोड़कर चले गए हैं, उन्हें वापस लाना होगा। टाटा समूह को फिर से पश्चिम बंगाल में निवेश के लिए आमंत्रित करना होगा। इसके साथ ही अडानी और अंबानी जैसे बड़े औद्योगिक समूहों को भी राज्य में निवेश के लिए आकर्षित करना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। उधर, राज्य भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य भी सरकार बनने के बाद लगातार विभिन्न व्यापारिक और औद्योगिक संगठनों के साथ बैठकें कर रहे हैं। इन बैठकों में उद्योगपतियों से पश्चिम बंगाल में निवेश बढ़ाने की अपील की गई है। भाजपा नेतृत्व का कहना है कि नई सरकार के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार होगा और उद्योगों के लिए सुरक्षित तथा अनुकूल वातावरण तैयार किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने 12 वर्षों में बिना रुके देशसेवा की वह भारत के लिए भगवान का वरदान हैं : शिवराज

नयी दिल्ली : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याणमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर उन्हें भारत के लिए भगवान का वरदान बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 12 वर्षों में एक क्षण भी विश्राम नहीं किया और दिन-रात देश तथा जनता की सेवा में लगे रहे हैं। प्रधानमंत्री का कार्यकाल विकास, जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण की दृष्टि से अभूतपूर्व रहा है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज सुबह यहां विनय मार्ग स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल जीवन की कामना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी सबसे लंबे समय तक लगातार कार्यरत रहने वाले प्रधानमंत्री हैं और उनका कार्यकाल निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए जनता का कार्य ही रामकाज है। सामान्य व्यक्ति दिन-रात इतनी मेहनत नहीं कर सकता। महर्षि अरविंद द्वारा परिकल्पित ह्यअतिमानवह्ण की संज्ञा देते हुए उन्होंने कहा कि मोदी बिना थके और बिना रुके देशहित में कार्य कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में अधोसंरचना विकास की ऐसी गति देखने को मिली है जिसकी पहले कल्पना करना भी कठिन था। प्रधानमंत्री ने महिलाओं, युवाओं, किसानों और गरीबों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं बनाई और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री दूरदर्शी नेतृत्व के धनी हैं और समय से पहले भविष्य की आवश्यकताओं को समझकर योजनाएं तैयार करते हैं। देशहित में उनकी सोच और कार्यशैली उन्हें विशिष्ट बनाती है। मोदी लगातार देश और देशवासियों के बारे में सोचते हैं तथा अपने विचारों को सफल बनाने के लिए विस्तृत और अग्रिम योजना तैयार करते हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है। आम जनता के प्रति उनके मन में संवेदना, आत्मीयता और समर्पण का भाव है, जबकि देशविरोधी और समाजविरोधी तत्वों के प्रति उनका रुख अत्यंत कठोर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ण की भावना में विश्वास रखते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने 100 से अधिक देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराई और विश्व के विभिन्न हिस्सों में संकट की घड़ी में सहायता पहुंचाई। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत वैश्विक स्तर पर मानवता की सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

राज्य की आय बढ़ाना होगी प्राथमिकता, नए राजस्व स्रोत तलाशे जाएंगे : स्वपन दासगुप्ता

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के नए वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने बुधवार को पदभार संभालने के बाद कहा कि राज्य की आय बढ़ाना सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि राज्य की आर्थिक व्यवस्था में मौजूद कमियों और राजस्व बढ़ाने के नए रास्तों की पहचान की जाएगी। रासबिहारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक स्वपन दासगुप्ता को राज्य का वित्त मंत्री बनाया गया है। वर्ष 2022 में तत्कालीन वित्त मंत्री अमित मित्र के पद छोड़ने के बाद कुछ समय तक यह विभाग मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पास था। बाद में चंद्रिमा भट्टाचार्य को वित्त विभाग का स्वतंत्र प्रभार दिया गया था। पदभार ग्रहण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में स्वपन दासगुप्ता ने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक चलाने के लिए राज्य की आय बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, उत्पादन बढ़ेगा और राजस्व में वृद्धि होगी, तभी जनकल्याण योजनाएं भी बेहतर ढंग से संचालित हो सकेंगी। वित्त मंत्री ने कहा कि वर्तमान में राज्य की आय का बड़ा हिस्सा पेट्रोल और मदिरा से प्राप्त होता है। उन्होंने इस आय के दायरे को बढ़ाने और नए स्रोत विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। टैक्स बढ़ाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि केवल कर बढ़ाने से राजस्व नहीं बढ़ता। कई बार करों में कमी करके भी आय बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा कर उचित रणनीति तैयार की जाएगी। उत्तर बंगाल के विकास को सरकार की प्राथमिकताओं में बताते हुए स्वपन दासगुप्ता ने कहा कि वह गुरुवार को उत्तर बंगाल का दौरा करेंगे। शुक्रवार को चाय बागान श्रमिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को जानने और समाधान की दिशा में कदम उठाने का प्रयास किया जाएगा।

सूरत में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान 4 श्रमिकों की मौत पर एनएचआरसी ने लिया स्वत : संज्ञान

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने गुजरात के सूरत जिले में एक आभूषण निर्माण इकाई में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान चार श्रमिकों की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इस प्रकरण को मानवाधिकारों के संभावित उल्लंघन से जुड़ा गंभीर मामला मानते हुए गुजरात के मुख्य सचिव और सूरत पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।
एनएचआरसी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि मीडिया में प्रकाशित खबरों के मुताबिक 7 जून को चार श्रमिक बिना निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन किए सेप्टिक टैंक में सफाई के लिए उतरे थे। इस दौरान जहरीली गैसों की चपेट में आने से उनकी हालत बिगड़ गई। बचाव दल द्वारा उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आयोग ने कहा कि यदि मीडिया रिपोर्ट की बातें सच हैं तो यह मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है। इसलिए आयोग ने गुजरात प्रशासन और पुलिस से घटना की परिस्थितियों, जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया तथा जांच की वर्तमान स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है। एनएचआरसी ने अपने नोटिस में यह भी कहा कि रिपोर्ट में मृतक श्रमिकों के परिजनों को किसी प्रकार का मुआवजा या अन्य सहायता प्रदान की गई है या नहीं, इसकी जानकारी भी शामिल की जाए। मीडिया में प्रकाशित खबरों के मुताबिक संबंधित आभूषण निर्माण इकाई में आभूषणों की सफाई प्रक्रिया से निकलने वाले अपशिष्ट को एक सेप्टिक टैंक में एकत्र किया जाता था। इसी टैंक की सफाई के दौरान यह हादसा हुआ।

मप्र के इंदौर में 600 करोड़ रुपये के निवेश से अत्याधुनिक लॉजिस्टिक्स हब होगा स्थापित

एजेंसी

इंदौर : मध्य प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहे इंदौर को एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम द्वारा एक्सएसआईओ लॉजिस्टिक्स कंपनी को इंदौर के ग्राम माचल में 23.33 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है। यहां कंपनी द्वारा 600 करोड़ रुपये के निवेश से एक अत्याधुनिक एवं एकीकृत लॉजिस्टिक्स हब स्थापित किया जाएगा।
एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक हिमांशु प्रजापति ने बुधवार को बताया कि इस परियोजना में वैश्विक निवेश कंपनी ब्लैकस्टोन द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) किया जा रहा है। प्रस्तावित लॉजिस्टिक्स पार्क में 600 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा तथा इसके माध्यम से 4,000 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होना प्रस्तावित है।
उन्होंने बताया कि यह परियोजना प्रदेश में लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन इंफ्रास्ट्रक्चर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रस्तावित लॉजिस्टिक्स हब का सीधा संपर्क इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग से होगा। साथ ही यह परियोजना इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर से भी जुड़ी होगी, जिससे माल परिवहन की गति और दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह सुविधा विशेष रूप से पिथमपुर सेक्टर-7, मोहना औद्योगिक क्षेत्र तथा आसपास स्थित औद्योगिक इकाइयों को विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स सेवाएं उपलब्ध कराएगी। एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक प्रजापति ने बताया कि यह नया लॉजिस्टिक्स पार्क पश्चिमी इंदौर क्षेत्र में विकसित हो रहे व्यापक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा बनेगा। पहले से विकसित हो रहे 1,110 करोड़ रुपये के मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी), पीथमपुर तथा कानकोर द्वारा संचालित आई.सी.डी. टीही की लॉजिस्टिक्स सुविधा के साथ मिलकर यह परियोजना इंदौर के पश्चिमी क्षेत्र में एक मजबूत एवं समग्र लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम का निर्माण करेगी जो लॉजिस्टिक्स लागत को लगातार खत्म करेगी।

योगी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर दी बधाई कहा- 12 वर्षों में भारत को मिली नई दिशा और गति

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 12 वर्ष के कार्यकाल पर उन्हें पत्र लिखकर बधाई दी है। योगी ने कहा कि राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित 12 वर्षों में भारत के विकास को नई दिशा, नई गति और नया विश्वास मिला है। उन्होंने कहा कि आपके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश 'आस्था और अर्थव्यवस्था का अद्भुत संगम' बनकर उभरा है।
मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी को प्रेषित पत्र में लिखा कि राष्ट्रसेवा, सुशासन एवं जनकल्याण को समर्पित 12 वर्ष के सफलतम कार्यकाल पर आपको समस्त प्रदेशवासियों की ओर से अनंत शुभकामनाएं। योगी ने कहा कि अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि पर रामलला का विराजमान होना, काशी विश्वनाथ धाम के सफल पुनरोद्धार आदि के साथ ही ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास₹ के आपके मूल मंत्र ने विगत 12 वर्षों में भारत के विकास को नई दिशा, नई गति और नया विश्वास प्रदान किया है। राष्ट्र ने सेवा, सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि के नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। इसी प्रेरणा से उत्तर प्रदेश भी जनकल्याण, सुशासन और समावेशी विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित करते हुए 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।
मुख्यमंत्री ने लिखा कि आपके प्रेरक नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उत्तर प्रदेश के करोड़ों नागरिकों तक पहुंचा है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रदेश में लगभग तीन करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण हुआ, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लगभग 65 लाख परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया गया। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लगभग 10 करोड़ पात्र नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के माध्यम से लगभग 15 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से 1.86 करोड़ महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली, जबकि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से प्रदेश के तीन करोड़ से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता प्राप्त हुई।

फिनलैंड ने दिया यूरोप-रूस के बीच कूटनीतिक संवाद का प्रस्ताव

हेलसिंकी : फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण बयान में यूरोपीय राजनीति को नया मोड़ देते हुए कहा कि अब यूरोप के लिए रूसी नेतृत्व के साथ राजनयिक संवाद स्थापित करने का यह बिल्कुल सही समय है। फिनलैंड के नेतृत्व का यह बयान ऐसे समय आया है जब मास्को में ब्रिटेन, फ्रांस एवं जर्मनी के राजनयिकों ने रूस के विदेश उप मंत्री से मिलने के लिए समय मांगा है। स्टब ने यहां एक स्विस अखबार के पत्रकारों से भेंटवार्ता में कहा, "मेरा मानना है कि यूरोप के लिए आगे बढ़कर रूस के नेतृत्व, विशेष रूप से रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के साथ राजनयिक संवाद शुरू करने का यह बिल्कुल सही समय होगा।"

आईएएस को केवल नौकरी नहीं, संविधान और राष्ट्र के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता मानें : ओम बिरला

एजेंसी

नयी दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को 2024 बैच के आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों से भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) को केवल एक पेशा नहीं, बल्कि संविधान, राष्ट्र और नागरिकों के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता के रूप में देखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शासन की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि कानूनों और नीतियों को जमीनी स्तर पर कितना प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है। संसद भवन में लोकसभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र के लिए अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित सहायक सचिव कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि लोक सेवक परिवर्तन के वाहक होते हैं और नागरिकों की आकांक्षाओं को वास्तविक परिणामों में बदलने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं है, बल्कि देश की जनता की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और चिंताओं की सर्वोच्च अभिव्यक्ति भी है। संसद के साथ जुड़ाव अधिकारियों को लोकतांत्रिक शासन, विधायी प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली को निकट से समझने का अवसर प्रदान करता है।
लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी कानून का वास्तविक मूल्य उसके प्रभावी क्रियान्वयन में निहित होता है। संसद कानून बनाती है, लेकिन प्रशासनिक तंत्र ही विधायी मंशा को नागरिकों के लिए ठोस परिणामों में बदलता है। निर्वाचित प्रतिनिधि जनता की उम्मीदों को आवाज देते हैं, जबकि प्रशासक नीतियों, योजनाओं और बेहतर सेवा वितरण के माध्यम से उन उम्मीदों को साकार करते हैं। बिरला ने प्रशिक्षु अधिकारियों को जनता से निरंतर जुड़े रहने और भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा भौगोलिक विविधता को समझने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एक प्रशासक के लिए कानूनों और नियमों का ज्ञान जितना जरूरी है, उतनी ही महत्वपूर्ण संवेदनशीलता, सहानुभूति और स्थानीय परिस्थितियों की समझ भी है। स्थानीय भाषाओं में संवाद करने और लोगों की समस्याओं को समझने वाले अधिकारी अधिक प्रभावी ढंग से जनविश्वास अर्जित कर सकते हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902